मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.3	22.6
डालटनगंज	31.0	25.1
धनबाद	31.6	25.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, सोमवार 28 जुलाई 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 111 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

संसद में सरकार को घेरने के लिए विपक्ष तैयार

पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और ट्रंप का दखल बनेगा मुद्दा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

संसद के मॉनसून सत्र में सोमवार को लोकसभा और मंगलवार को राज्यसभा में पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खास बहस होने जा रही है. इससे पहले कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ने सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है. पार्टी ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े उन तमाम घटनाक्रमों को सामने रखा, जो अब तक चर्चा में थे लेकिन औपचारिक बहस से बाहर रहे. खास बात यह रही कि कांग्रेस ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत पर व्यापार रोकने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाया. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद कांग्रेस ने तुरंत दो दिन का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने तब कोई सुनवाई नहीं की. रमेश ने कहा कि अभी जो 16 घंटे की बहस लोकसभा में और उसके बाद राज्यसभा में होने जा रही है, वह देर से हो रही है लेकिन अच्छा है कि हो रही है.

ट्रंप के दावे और अमेरिका-पाक रिश्तों पर सवाल

कांग्रेस ने ट्रंप के बार-बार किए जा रहे उस दावे को भी मुद्दा बनाया है, जिसमें वे कहते रहे कि उन्होंने भारत को व्यापारिक धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया. रमेश ने यह भी कहा कि ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को लंच पर बुलाया, जो अभूतपूर्व है. अमेरिकी कमांड और विदेश मंत्री द्वारा पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी भूमिका की तारीफ पर भी सवाल खड़े किए गए हैं.

सीडीएस की स्वीकारोक्ति और अंतरराष्ट्रीय मंच पर बयान

रमेश ने बताया कि 30 मई को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में स्वीकार किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिन रणनीतिक चूकें हुईं. इसके बाद 29 जून को इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अधिकारी ग्रुप कैप्टन शिव कुमार ने संकेत दिया कि राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते ऑपरेशन प्रभावित हुआ और भारतीय वायुसेना को भी नुकसान उठाना पड़ा.

चीन से टकराव और जम्मू-कश्मीर एलजी मनोज सिन्हा का बयान

जयराम रमेश ने आगे बताया कि चार जुलाई को डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने खुलासा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को चीन से तकनीकी और सामरिक टकराव का सामना करना पड़ा. वहीं, 14 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सार्वजनिक रूप से कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सुरक्षा एजेंसियों की विफलता का नतीजा था. और वो इसकी जिम्मेदारी लेते हैं.

मीडिया नैरेटिव और सरकार की भूमिका

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मीडिया के एक वर्ग पर भी निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय के मीडिया मैनेजर्स ने 'मनगढ़ंत नैरेटिव' गढ़वाया, जो केवल घरेलू दर्शकों के बीच ही चला. जयराम रमेश ने कहा कि अब जबकि संसद में बहस हो रही है, विपक्ष पूरी तैयारी के साथ सरकार को कटघरे में खड़ा करेगा.

ब्रीफ न्यूज

मरे हुए लोग भी भर रहे एसआईआर का फॉर्म

नयी दिल्ली। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए हैं. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और राजद ने आरोप लगाया है कि एसआईआर में अनियमितताएं पाई गई है. याचिकाकर्ता ने कहा, बीएलओ खुद गणना फॉर्म पर हस्ताक्षर करते पाए गए. मृत लोगों को फार्म भरते हुए दिखाया गया और जिन लोगों ने फार्म नहीं भरे थे, उन्हें यह संदेश दिया गया कि उनके फार्म पूरे हो गए हैं.

नवादा के मंदिरों में तोड़फोड़ से तनाव

नवादा। बिहार के नवादा में रविवार को नगर थाना क्षेत्र के मोती बीघा सूर्य मंदिर के पास दो मंदिरों में भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की मूर्तियों को तोड़े जाने का मामला सामने आया है. घटना ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी. इस घटना से क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया. इसे आपसी भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है. सूचना मिलते ही डीएम और एसपी के नेतृत्व में पुलिस बल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया.

ममता रोहिंग्याओं की बुआ हैं : शुभेंदु अधिकारी

पूर्व मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी सुप्रीमो और सीएम ममता बनर्जी की कड़ी आलोचना की है. सीएम ममता बनर्जी के भाषा आंदोलन के आह्वान पर कटाक्ष करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि वह रोहिंग्याओं की बुआ हैं. रविवार को शुभेंदु ने कहा, यह एसआईआर को रोकने का एक नाटक मात्र है. ममता रोहिंग्याओं की बुआ हैं. वह बांग्लादेशी मुसलमानों की रक्षक हैं. भाजपा ममता बनर्जी सरकार को अगले चुनाव में उखाड़ फेंकेगी.

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में गिनाई उपलब्धियां, बताया प्रेरणादायक, कहा

गुमला में जो लोग बंदूक थामे हुए थे, अब मछली पकड़ने वाला जाल थाम चुके हैं

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देश और देशवासियों को विभिन्न क्षेत्रों में मिली सफलताओं और उपलब्धियों पर चर्चा की. उन्होंने विज्ञान, खेल, संस्कृति, और इतिहास में भारतीयों की उपलब्धियों को अपने कार्यक्रम में शामिल किया. रेडियो पर प्रसारित 'मन की बात' की 124वीं कड़ी में मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में देश में कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जिन पर हर भारतवासी गर्व महसूस करता है. मन की बात पीएम मोदी ने रविवार को झारखंड की विशेष चर्चा की. उन्होंने कहा कि कभी-कभी सबसे बड़ा उजाला वहीं से फूटता है, जहां अंधेरे ने सबसे ज्यादा डेरा जमाया हो. ऐसा ही एक उदाहरण है-झारखंड के गुमला ज़िले का. एक समय था, जब ये इलाका माओवादी हिंसा के लिए जाना जाता था. गुमला के बासिया ब्लॉक के गांव वीरान हो रहे थे. लोग डर के साए में जीते थे. रोज़गार की कोई संभावना नज़र नहीं आती थी, ज़मीनें खाली पड़ी थीं और नौजवान पलायन कर रहे थे, लेकिन फिर, बदलाव की एक बहुत ही शांत और धैर्य से भरी हुई शुरुआत हुई. ओमप्रकाश साहू नाम के एक युवक ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया. उन्होंने मछली पालन शुरू किया. फिर अपने जैसे कई साथियों को भी इसके लिए प्रेरित किया. उनके इस प्रयास का असर भी हुआ. जो पहले बंदूक थामे हुए थे, अब मछली पकड़ने वाला जाल थाम चुके हैं. ओमप्रकाश साहू ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मछली पालन शुरू किया और अपने जैसे कई साथियों को भी प्रेरित किया. आज बासिया ब्लॉक में 150 से ज्यादा परिवार मछली पालन से जुड़े हुए हैं.

अगस्त महीना क्रांति का है : मोदी ने कहा कि अगस्त का महीना क्रांति का महीना है, जिसमें कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुई थीं, जैसे लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि और गांधी जी के नेतृत्व में 'भारत छोड़ो आंदोलन' की शुरुआत. उन्होंने देशवासियों से आग्रह किया कि वे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को याद करें और उनसे प्रेरणा लें. उन्होंने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने की अपील की, जिससे देशवासी उन लोगों को याद कर सकें, जिन्होंने विभाजन की पीड़ा सही. उन्होंने विशेष रूप से स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस का जिक्र किया, जिन्होंने केवल 18 वर्ष की आयु में देश के लिए अपनी जान दी. उन्होंने कहा, बिहार का मुजफ्फरपुर शहर में 11 अगस्त 1908 को सिर्फ 18 साल की उम्र में बोस ने वो साहस दिखाया, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया. तब अखबारों ने भी लिखा था –खुदीराम बोस जब फांसी के फंदे की ओर बढ़े, तो उनके चेहरे पर मुस्कान थी.

सावन की फुहारों के बीच : प्रधानमंत्री ने भोपाल की महिलाओं की टीम 'सकारात्मक सोच' का उदाहरण दिया. ये महिलाएं सिर्फ सफाई नहीं करती, बल्कि समाज में सकारात्मकता फैलाने का कार्य भी करती हैं. उन्होंने गोवा के पणजी शहर का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां कचरे को 16 श्रेणियों में बांटा जाता है और इसका नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं. सावन की फुहारों के बीच प्रधानमंत्री ने सभी को त्योहारों की शुभकामनाएं दी और कहा कि ये पर्व हमें प्रकृति से जुड़ने का संदेश देते हैं.

शुभांशु शुक्ला की सकुशल वापसी ने खुशी दी

पीएम नरेंद्र मोदी ने इसके अलावा विज्ञान, खेल, संस्कृति, और इतिहास में भारतीयों की उपलब्धियों को अपने कार्यक्रम में शामिल किया. उन्होंने शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सुरक्षित वापसी ने पूरे देश को खुशी से भर दिया. मोदी ने याद दिलाया कि कैसे अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग ने देश में एक नया माहौल बनाया था. यह घटना बच्चों में स्पेस साइंस के प्रति नई जिज्ञासा उत्पन्न करने में सहायक बनी है. अगले महीने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाए जाने की बात करते हुए पीएम ने देशवासियों से सुझाव मांगे कि वे इसे कैसे मनाना चाहेंगे. उन्होंने छात्रों की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जब भारतीय छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय रसायन ओलंपियाड में मेडल जीते.

महिलाएं हथकरघा क्षेत्र में पा रहीं सफलता

उन्होंने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस का भी उल्लेख किया और बताया कि कैसे देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाएं इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं. महाराष्ट्र के पैठण गांव की कविता धवले का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वह सरकार की मदद से अब तीन गुना ज्यादा कमा रही हैं. उन्होंने ओडिशा के मयूरभंज की आदिवासी महिलाओं की सफलता की कहानी भी साझा की, जिन्होंने संथाली साड़ी को पुनर्जीवित किया है और अब हजारों रुपये कमा रही हैं. प्रधानमंत्री ने ओडिशा में पर्यावरण संरक्षण के लिए पारंपरिक गीतों का उपयोग करने वाले एक समूह का उदाहरण सामने रखा. राधाकृष्ण संकीर्तन मंडली ने लोगों को जंगलों की सुरक्षा के लिए जागरूक किया है. प्रमिला प्रधान की पहल ने यह साबित किया है कि हमारी लोक परंपराएँ आज भी समाज को दिशा देने की शक्ति रखती हैं.

खेलो भारत नीति की सराहना

प्रधानमंत्री ने 'वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स' में भारत की सफलता को साझा किया, जहां देश ने 600 से अधिक मेडल जीते. उन्होंने 'खेलो भारत नीति 2025' की सराहना की, जिसका उद्देश्य भारत को खेलों में सुपर पावर बनाना है. प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता की कहानियों सुनाई. उन्होंने कहा कि 11 वर्षों में यह मिशन एक जन आंदोलन बन चुका है. स्वच्छ सर्वेक्षण ने इस भावना को और बढ़ाया है. उन्होंने विभिन्न शहरों में स्वच्छता के उपक्रमों की चर्चा की, जैसे उत्तराखंड में कीर्तिनगर का उदाहरण, जहां लोग पहाड़ों में वेस्ट मैनेजमेंट की नई मिसाल कायम कर रहे हैं.

सीजेआई बीआर गवई का बड़ा बयान, कहा

कश्मीर को पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

चीफ जस्टिस बीआर गवई ने रविवार को कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार किसी काम के नहीं हैं. उन्होंने नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया. जस्टिस गवई ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के उत्तरी क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि अतीत की विसंगतियों को दूर करने और कश्मीर को उसके पुराने स्वरूप में लौटाने की जरूरत है, जहां सभी समुदाय सद्भाव के साथ रहते थे. उन्होंने कहा, जजों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा. नालसा इसी दिशा में काम करता है. हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने की कोशिश कर रहे, चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान. जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक इन अधिकारों का कोई मतलब नहीं है.

न्यायाधीशों और वकीलों के बीच संवाद : कश्मीर की पिछले 35 सालों की स्थिति का स्पष्ट संदर्भ देते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा, कुछ विसंगतियां रही हैं, लेकिन हमें इन्हें दूर करने के लिए काम करना होगा. न्यायाधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा. मुझे विश्वास है कि यह कार्यक्रम उस पारंपरिक कश्मीर के पुनर्निर्माण में मदद करेगा, जहां सभी समुदाय-हिंदू, मुस्लिम और सिख-एक साथ रहते थे. उन्होंने कहा, देश के संविधान के जरिये हमने खुद से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर न्याय का वादा किया है. हमारा दायित्व है कि हम न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुरूप लागू करें. कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए.

एक व्यक्ति, एक वोट से राजनीतिक न्याय

जस्टिस गवई ने कहा कि जहां बाबासाहेब बीआर आंबेडकर एक व्यक्ति, एक वोट' के माध्यम से राजनीतिक न्याय ले आए, वहीं संविधान के सृजक ने सामाजिक विभाजन और एक खंड से दूसरे खंड में जाने में कठिनाई के बारे में बात की थी. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की अपनी पिछली यात्राओं को याद करते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि उन्हें दोनों केंद्र-शासित प्रदेशों के लोगों से अपार प्रेम और स्नेह मिला. उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने गृहनगर आ गया हूं. मुझ पर बरस रहे प्यार और स्नेह के लिए मैं आपका आभारी हूं. मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी हिस्सों में घूम चुका हूं.

बिहार एसआईआर पर बोले विपक्षी नेता : नागरिकता असली मुद्दा है, यही विवाद की जड़

चुनाव बहिष्कार का अभी नहीं लिया फैसला

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार में एसआईआर पर विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है. कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नागरिकता महत्वपूर्ण मुद्दा है, आपने इसे राजनीतिक रंग दे दिया और इसे छिपाने की कोशिश की,जबकि असली मुद्दा नागरिकता का ही है. बिहार में चुनाव बहिष्कार को लेकर विपक्षी गठबंधन ने अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन विकल्प खुले हैं. राजद सांसद मनोज झा ने कहा, जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने पद संभाला था, तो कहा था कि कोई भी फैसला राजनीतिक दलों से सलाह के बिना नहीं लेंगे. मुझे लगता है कि पिछले 22 वर्षों में इससे बड़ा कोई फैसला नहीं हुआ, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल से कोई राय नहीं ली गई.

24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर का निर्देश दिया था. यह 25 जून से 26 जुलाई के बीच होना था. आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और दो जगहों पर पंजीकृत मतदाताओं को हटाने के उद्देश्य से पुनरीक्षण किया जा रहा है. विपक्ष का आरोप है कि इसकी आड़ में बड़े पैमाने पर लोगों से अधिकार छीना जा सकता है. हालांकि, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाए, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गई है.

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ से आठ लोगों की मौत

एजेंसियां। हरिद्वार

उत्तराखंड के हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर भगदड़ मचने से रविवार को बड़ा हादसा हो गया. भगदड़ में कम से कम आठ लोगों की मौत की खबर है. इसके अलावा कई लोग बुरी तरह से घायल भी हैं. जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैला दी, जिससे श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई. अफरा-तफरी में लोग एक-दूसरे पर गिर गए. चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए. गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने बताया कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भारी भीड़ जमा होने के बाद मची भगदड़ मच गई. भगदड़ में सात लोगों की मौत हो गई. कई लोग घायल भी हुए हैं. एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि हादसे में घायल हुए कुल 35 श्रद्धालुओं को अस्पताल में लाया गया है, जिसमें सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई है. गंभीर अवस्था वाले मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया गया है.

पीएम और सीएम ने जताया दुख

मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है. उन्होंने लिखा कि भगदड़ में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं. अपनों को खोने वालों के प्रति संवेदना. घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं. वहीं, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी घटना पर गहरा दुख जताया है. उन्होंने हादसे के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए हैं. साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार की सहायता राशि प्रदान की जाएगी.

आस्था : टोक्यो का बिजनेसमैन करोड़ों की कंपनी छोड़ बना शिवभक्त !

अब देहरादून में बांट रहे कांवड़ियों को खाना

शुभम संदेश डेस्क

आज के समय में जहां दुनिया दौलत के पीछे भाग रही है, वहीं, जापान से भारत आकर एक शख्स धर्म और सेवा का रास्ता चुनता है, ये अपने आप में बहुत बड़ी प्रेरणा है. दरअसल, एक जापानी व्यापारी ने अपने करोड़ों के बिजनेस को अलविदा कहकर भगवान शिव की भक्ति में खुद को समर्पित कर दिया है. आपको बता दें कि 41 साल के होशी ताकायुकी, जो पहले टोक्यो में 15 ब्यूटी प्रोडक्ट स्टोर के मालिक थे, अब "बाला कुंभ गुरुमुनि" बन चुके हैं.

क्या है ताकायुकी की कहानी : एक 41 वर्षीय जापानी व्यक्ति अपने व्यापारिक साम्राज्य को छोड़ कर भगवाधारी शिवभक्त बनने के कारण सुर्खियां बटोर रहा है. अब बाला कुंभ गुरुमुनि के नाम से प्रसिद्ध, होशी ताकायुकी कभी टोक्यो में 15 सफल ब्यूटी प्रोडक्ट्स के मालिक थे. लेकिन अब? वह उत्तराखंड में आत्म-खोज की यात्रा पर

निकले भगवान शिव भक्त हैं. पारंपरिक भगवा वस्त्र पहने और 20 जापानी अनुयायियों के साथ, उन्हें हाल ही में कांवड़ यात्रा के दौरान पवित्र गंगा जल लेकर नंगे पैर चलते देखा गया. बताया जाता है कि उन्होंने अपनी तीर्थयात्रा के दौरान देहरादून में साथी कांवड़ियों के लिए दो दिवसीय भोजन शिविर का भी आयोजन किया था.

शिव भक्ति का चुना नया रास्ता : इस अनुभव से प्रेरित होकर, ताकायुकी ने अपना व्यापारिक साम्राज्य अपने अनुयायियों को सौंपने का फैसला किया और एक नई आध्यात्मिक पहचान अपना कर अपना नाम बदलकर बाला कुंभ गुरुमुनि रख लिया. इसके साथ ही टोक्यो का घर भी शिव मंदिर बना दिया है. वहीं, जापान में एक और नया मंदिर बनवाया है और पुडुचेरी में 35 एकड़ जमीन पर अब एक विशाल शिव मंदिर बनवाने जा रहे हैं. इसके साथ ही जल्द ही उत्तराखंड में भी आश्रम खोलने की योजना है. होशी ताकायुकी ने बताया कि मुझे लगता है कि मैंने अपना पिछला जन्म यहीं बिताया है. मैं अब भी उन पहाड़ों में अपने गांव को खोज रहा हूं. इसके अलावा, पौड़ी गढ़वाल निवासी और लंबे समय से जापान में रह रहे उनके मित्र रमेश सुंदरियाल के अनुसार, 41 वर्षीय इस व्यक्ति ने पुडुचेरी में 35 एकड़ जमीन खरीदी है, जहां वह एक बड़ा शिव मंदिर बनवाने की योजना बना रहे हैं. वह जल्द ही उत्तराखंड में एक आश्रम भी खोलने की योजना बना रहे हैं.

क्या है सब कुछ छोड़ने की वजह

होशी ताकायुकी की आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत 20 साल पहले तमिलनाडु से हुई थी. यात्रा के दौरान, उनकी नज़र नाड़ी ज्योतिष पर पड़ी – एक प्राचीन सिद्ध पद्धति जो ताड़-पत्र पांडुलिपियों से जीवन की व्याख्या करती है, जो कथित तौर पर हज़ारों साल पुरानी हैं. पढ़ने के दौरान, उन्हें कथित तौर पर बताया गया कि उन्होंने पिछला जन्म हिमालय में बिताया था और हिंदू आध्यात्मिकता का अनुसरण करना उनके लिए नियति है. ताड़ के पत्तों में लिखा था – तुम्हारा पिछला जन्म उत्तराखंड में बीता था. इसके कुछ समय बाद उन्हें एक सपना आया, जिसमें उन्होंने खुद को उत्तराखंड के एक गांव में देखा. बस वहीं से उनकी ज़िंदगी बदल गई.

वन विभाग की अनोखी पहल : झारखंड में ड्रोन लगा रहे बांस और फलदार पौधे, बढ़ेगी हरियाली

हाथियों को उनके प्रवास में मिलेगा भरपूर चारा, नहीं करेंगे जनहानि

शुभम संदेश। रांची

झारखंड एक खनिज संपन्न होने के साथ-साथ हरा-भरा राज्य भी है. हरियाली इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाती है. यहां करीब 27,765 वर्ग किलोमीटर में जंगल फैला हुआ है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 29.81 प्रतिशत है. यहां की यही खासियत हाथियों को भी खूब भाती है. इनके संरक्षण के लिए दलमा में एलिफेंट प्रोजेक्ट भी चल रहा है. लेकिन चारा की कमी होने पर अक्सर हाथी जंगलों से बाहर आ जाते हैं और गांव में घरों के साथ-साथ जान-माल को भी नुकसान पहुंचाते हैं. हाथियों को उनके प्रवास वाले इलाके में ही भरपूर चारा मुहैया कराने के मकसद से कोल्हान के डीएफओ सबा आलम ने एक सराहनीय पहल शुरू की है. उन्होंने दलमा, सिंहभूम और सरायकेला के वैसे दुरूह इलाकों में ड्रोन की मदद से सीड बॉल तकनीक का इस्तेमाल कर बांस और फलदार पौधे लगाने की कवायद शुरू की है.

करीब 25 से 30 लाख बीज जंगलों में ड्रॉप करने का लक्ष्य: वन विभाग के मुताबिक हाथियों को बांस खाना बहुत पसंद हैं. लिहाजा, उनके प्रवास वाले क्षेत्र में बांस के साथ फलदार पौधों के बीज ड्रॉप किए जा रहे हैं. बारिश के मौसम में बीज से पौधों के तैयार होने की संभावना काफी होती है. कुल 5 लाख सीड बॉल्स तैयार किए गये हैं. एक सीड बॉल में 5-6 पौधों के बीज हैं. लिहाजा, करीब 25 से 30 लाख बीज को जंगलों में ड्रॉप किया जा रहा है. जाहिर है कि यह एक्सपेरिमेंट अगर सफल होता है तो हाथियों को जंगल से बाहर गांव या रिहायशी इलाकों में भोजन के लिए आने की जरुरत नहीं पड़ेगी. इससे जान-माल को भी नुकसान नहीं होगा.

ड्रोन से कैसे हो रहा पौधरोपण

डीएफओ सबा आलम ने बताया कि काफी मंथन के बाद हाथियों का ख्याल रखते हुए ड्रोन की मदद से पौधारोपण की कवायद शुरू की गई है. इसके लिए करीब 5 लाख सीड बॉल्स तैयार किए हैं. इनमें मिट्टी और पोषक तत्वों के साथ बांस और फलदार पौधों के बीज मिलाए गये हैं. इन सीड बॉल्स को ड्रोन की मदद से वैसी जगहों पर गिराया जा रहा है, जहां पहुंच कर प्लांटेशन करना संभव नहीं है. जमीन पर गिरने से सीड बॉल्स के टूटते ही बीज बिखर जाते हैं और अंकुरित होकर पौधों का रूप लेते हैं. इस विधि से पूरे मानसून के दौरान 5 लाख सीड बॉल्स ड्रॉप करने की कवायद चल रही है.

किन-किन क्षेत्रों में गिराया जा रहा है सीड बॉल्स

डीएफओ सबा आलम ने बताया कि जीपीएस की मदद से जंगली हाथियों के रुट को चिन्हित कर सीड बॉल्स ड्रॉप किए जा रहे हैं. इसके तहत मानगो के पटमदा, घाटशिला, राखा माइंस, मुसाबनी और चाकुलिया रेंज के 47 गांवों के जंगल क्षेत्र को टारगेट किया गया है. सभी गांवों के जंगली क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से ड्रोन के जरिए सीड बॉल्स ड्रॉप किए जा रहे हैं. सीड बॉल ड्रॉप करने से पहले जीपीएस की मदद से एरिया को चिन्हित किया जाता है ताकि बाद में सफलता का आकलन करने में कोई अड़चन ना आए.

एक नजर

हरमू में कई लोगों ने थामा झामुमो का दामन

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम की अगुवाई में मोर्चा के हरमू स्थित कैंप कार्यालय में रविवार को रांची जिला अंतर्गत भाजपा रातू मंडल के कार्यकर्ता रहे सैकड़ों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि मोर्चा केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने सबों को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई. उन्होंने कहा कि झामुमो के संस्थापक संरक्षक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के मार्गदर्शन और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व से आमजन प्रभावित हैं. लगातार झामुमो का जनाधार बढ़ रहा है. इसी के तहत आज सैकड़ों लोगों ने मोर्चा का दामन थामा. मौके पर उन्होंने झामुमो परिवार में सबों का स्वागत पार्टी की नीति सिद्धांतों एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अवगत कराया. पांडेय ने झामुमो को मजबूत कर राज्य के विकास में योगदान देने का संकल्प दिलाया. मौके पर झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि रातू के लोगों ने जिस तरह प्यार भाव दिखाकर मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की उससे झामुमो और भी मजबूत होगा. मुस्ताक आलम के नेतृत्व में सदस्यता लेने वालों में मुख्य रूप से भाजपा के रातू मंडल के पूर्व मंत्री अविनाश लकड़ा, अमित सिंह, पंकज साहू, अभिषेक कुमार, प्रकाश उरांव, वार्ड सदस्य कमड़े रातु ममता कुमारी, अनीता देवी, शोभा कुमारी, रेखा देवी, मंगरा उरांव, तिग्गा, महेंद्र सिंह, अमर सिंह, कुंदन सिंह, सुक्खू उरांव, अशोक गुप्ता, अजय मिर्धा, बबलू लोहरा, अलबेला लकड़ा, अनुभव यादव, बादल मिर्धा, अनूप लकड़ा एवं अन्य सैकड़ों लोग मौजूद थे.

हाजी एहसान अंसारी मेमोरियल छात्रवृत्ति परीक्षा में विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

रांची। शहर के ईरबा स्थित फ्लोरेंस एवं जेए रॉयल ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन्स में हाजी एहसान अंसारी एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई. इस आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा में 312 छात्र-छात्राओं ने शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया. यह परीक्षा विभिन्न पैरामेडिकल और फार्मेसी पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए आयोजित की गई थी. इस योजना के तहत सफल होने वाले छात्रों को संस्थान के द्वारा पैरामेडिकल एवं फार्मेसी की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी. इस परीक्षा में बीएमएलटी, डीएमएलटी, ओटी, ईसीजी, ओफ्थाल्मिक, क्रिटिकल केयर (आईसीयू), रेडियो इमेजिंग, एनेस्थीसिया एवं ड्रेसर जैसे पैरामेडिकल पाठ्यक्रम, साथ ही बी. फार्मा और डी. फार्मा के फार्मेसी पाठ्यक्रम शामिल किये गये हैं. संस्थान के सचिव जीनत कौशर के नेतृत्व में इस छात्रवृत्ति परीक्षा को सफल बनाने में कई लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया.

झारखंड में अब रात 11 बजे तक खुली रहेंगी शराब दुकानें

नई उत्पाद नीति के तहत लॉटरी प्रक्रिया शुरू

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने शराब दुकान संचालन के समय में बदलाव करते हुए दुकानों को अब रात 11 बजे तक खोलने की अनुमति दे दी है. नई व्यवस्था के अनुसार, राज्य भर में शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से लेकर रात 11 बजे तक संचालित की जाएंगी. वर्तमान में यह समय सीमा रात 10 बजे तक थी. इसके साथ ही उत्पाद विभाग की नई नीति के तहत खुदरा शराब दुकानों के लिए लॉटरी प्रक्रिया की तैयारी शुरू कर दी गई है. उत्पाद आयुक्त रविशंकर शुक्ला ने सभी जिलों के सहायक उत्पाद आयुक्तों और अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की. इस बैठक में शराब व्यापार से जुड़े कई इच्छुक कारोबारी भी शामिल हुए.

कुछ इस प्रकार होगा दुकानों का आवंटन: राज्य सरकार द्वारा गठित ग्रुप प्रणाली के अंतर्गत एक ग्रुप में 1 से 4 दुकानें शामिल होंगी। एक आवेदक किसी एक जिले में अधिकतम तीन ग्रुप की लॉटरी में हिस्सा ले सकता है, यानी अधिकतम 12 दुकानों तक का आवंटन संभव है. राज्य स्तर पर अधिकतम 9 ग्रुप में भागीदारी की अनुमति दी गई है, जिससे किसी एक आवेदक को पूरे राज्य में अधिकतम 36 दुकानें मिल सकती हैं. लॉटरी में भाग लेने के लिए आवेदकों को दुकान के न्यूनतम निर्धारित राजस्व का 2% अग्रिम राशि जमा करनी होगी. नगर निगम क्षेत्रों के लिए प्रति दुकान 25,000 की निर्धारित लॉटरी फीस रखी गई है. यदि लॉटरी के बाद दुकान आवंटित होती है, तो शुल्क की राशि को समायोजित किया जा सकता है. विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि असफल आवेदकों को 15 दिनों के भीतर राशि वापस कर दी जाएगी.

कारोबारी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता की कोशिश: नये प्रावधानों के तहत व्यापारियों को हर दिन स्टॉक की जानकारी देनी होगी. शराब बिक्री की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम से जोड़ा जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर नजर रखी जा सके. कारोबारियों को 12% लाभांश निर्धारित किया गया है.

झारखंड पुलिस में नई गाड़ियों की खरीद की मंजूरी मिली

खटारा वाहन से मिलेगा पुलिस को छुटकारा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने नये पुलिस वाहनों की खरीद के लिए हरी झंडी दी है. इसके तहत थानों में नये वाहन खरीद की प्रक्रिया तेज कर दी गई है. जिससे पुलिस विभाग को बड़ी राहत मिलेगी. झारखंड के थानों में सालों से चल रहे खटारा वाहनों को हटाया जाएगा. झारखंड सरकार के द्वारा, पुलिस की गस्ती को तेज और आधुनिक बनाने के लिए काम शुरू कर दिया गया है. राज्य सरकार के द्वारा, झारखंड पुलिस के लिए 3000 से अधिक वाहनों की खरीदारी की जा रही है.

पुराने वाहनों की होगी नीलामी: मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में, वाहनों की खरीद को स्वीकृति प्रदान की गई थी. बैठक में राज्य भर में चिन्हित 2212 अनफिट वाहनों की नीलामी को भी मंजूरी दी जा चुकी है, जिसमें 1004 पहिया और लगभग 1102 पहिया वाहन है. जो वहां पुलिस थानों में पहले से मौजूद हैं. लेकिन वह पुलिस के लिए अनफिट हैं, उन्हें नीलाम कर दिया जाएगा. झारखंड के थानों में नई गाड़ियों के प्रस्ताव पर मोहर लग चुकी है.आपको बता दें कि झारखंड के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य के विभिन्न स्थानों के लिए 2952 नए वाहनों की खरीद की स्वीकृति प्रदान कर दी गई थी. पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक, जिन वाहनों की खरीदारी की जानी है, उनमें बोलेरो और बाइक भी शामिल है. वाहन खरीदारी के लिए फंड भी जारी कर दिया गया है.

कितने वाहन खरीदे जाएंगे

जानकारी के अनुसार, झारखंड पुलिस के लिए 1255 एसयूवी और 1697 हाई स्पीड बाइक की खरीदारी की जा रही है. दोनों तरह के वाहनों की खरीदारी से पुलिस को अपराधियों का पीछा करने और आपात स्थिति में कम समय में घटनास्थल तक पहुंचने में मदद मिलेगी. इस योजना से राज्य के 606 थानों को फायदा मिलेगा, जिनमें से 282 थाने नक्सल प्रभावित इलाकों में है, जहां नए वाहनों की सबसे ज्यादा जरूरत है.

> इससे पुलिस की कार्रवाई और तेज होगी. मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से भी इसके लिए अनुरोध किया गया था, ताकि राज्य की जनता द्वारा पुलिस को कंप्लेंट करने पर त्वरित कार्रवाई हो सके. उम्मीद है कि जल्द नई गाड़ियां थानों को उपलब्ध होगी :
> -अनुराग गुप्ता, डीजीपी झारखंड

पंजाबी हिंदू बिरादरी ने कहा

संजय सेठ को धमकी देनेवाले को पकड़े पुलिस

रांची। पंजाबी हिंदू बिरादरी अपने सदस्य रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को जान से मारने की धमकी की पुरजोर निंदा करती है. साथ ही,दिल्ली एवं झारखंड पुलिस से यह मांग करती है कि इन बेलगाम अपराधियों को यथाशीघ्र ही सलाखों के पीछे पहुंचा कर कठोरतम सज़ा दी जाए. यह सर्वसम्मत मांग रविवार को बिरादरी की पंजाबी भवन में आयोजित एक आकस्मिक बैठक में की गई. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष सुधीर उग्गल ने की. बैठक में उपाध्यक्ष चरणजीत मुंजाल की आकस्मिक मौत पर एक मिनट का मौन रखा गया. बैठक में अध्यक्ष सुधीर उग्गल, राजेश मेहरा, रणदीप आनंद, राजेश खन्ना, मुकुल तनेजा, अरुण चावला मौजूद थे.

कांग्रेस ने साधा निशाना, झारखंड की जमीनी सच्चाई पर खामोश है भाजपा

नेता सिर्फ 'मन की बात' तक सीमित : सतीश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने भाजपा सांसदों और विधायकों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रमन की बातर का 124वां एपिसोड तो पूरे उत्साह से सुना गया, लेकिन झारखंड की असल समस्याओं पर किसी ने एक शब्द नहीं बोला. मुंजनी ने कहा कि राज्य में बेरोजगारी, महंगाई, आदिवासी अधिकारों की उपेक्षा, कोयला क्षेत्र की दिक्कतें, किसानों की बदहाली और केंद्र की योजनाओं में भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दे हैं, लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधि इन पर मौन साधे हुए हैं. उन्होंने तंज कसते हुए पूछा कि क्या भाजपा नेता सिर्फ दिल्ली की बातें सुनने के लिए चुने गए हैं?

मुंजनी ने कहा कि अब जनता यह जानना चाहती है कि उनके प्रतिनिधि जनता की बात करेंगे या सत्ता की तरफदारी निभाएंगे. झारखंड की जनता अब जाग चुकी है और सिर्फ रमन की बातर नहीं, बल्कि रजनता की बातर भी सुनाना चाहती है.कांग्रेस नेता ने देश की व्यापक समस्याओं का भी ज़िक्र किया—बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आत्महत्या, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, आर्थिक विषमता और कश्मीर घाटी में हो रहे आतंकी हमले जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि इन विषयों को एक बार फिर रमन की बातर में नज़रअंदाज़ किया गया, जो चिंताजनक है. मुंजनी ने कहा कि अब वक्त आ गया है, जब जनप्रतिनिधि नाटक नहीं, बल्कि संविधान और जमीर के हिसाब से काम करें.

भारतीय दर्शन और भाषा साहित्य को आत्मसात करने की जरूरत : सीपी सिंह

शुभम संदेश। रांची

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा और अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती, झारखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पुराना विधानसभा सभागार में भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन समाज विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ. इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति कोई बीता हुआ अध्याय नहीं, बल्कि एक जीवंत विरासत है, जिसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि युवाओं को भारतीय दर्शन और भाषा साहित्य को आत्मसात करने करने की जरूरत है. मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ऑनलाइन वीडियो कॉल के माध्यम लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक हम अपनी संस्कृति और मूल्यों को नहीं अपनाएंगे, तब तक भारत को विश्वगुरु बनाना कठिन है. उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की. कार्यक्रम की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री रविन्द्र शुक्ल ने की. उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में संपूर्ण विश्व को दिशा देने की क्षमता है और इसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित किया जाना चाहिए.

गौसेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने इस विचार का उत्सव बताया और कहा कि यह संस्कृति की पुनर्स्थापना की दिशा में सार्थक प्रयास है. केंद्रीय हिंदी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ रंजन कुमार दास ने भारतीयता को एक समसामयिक जीवनशैली बताते हुए शिक्षा, संस्कृति और भाषा के समन्वय पर बल दिया. केंद्रीय महामंत्री रामनिवास शुक्ल ने कहा कि यह समय साहित्य और सांस्कृतिक मूल्यों को संगठित रूप से प्रस्तुत करने का है.

संगोष्ठी के संयोजक अजय राय ने आयोजन के उद्देश्य और पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच भारतीय संस्कृति और झारखंड की परंपराओं के समन्वय का प्रयास है. प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण सज्जन ने स्वागत भाषण में बिरसा मुंडा की धरती को याद करते हुए वैदिक परंपरा को पुनर्स्थापित करने का संकल्प दोहराया. झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों द्वारा 35 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए. कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति-चिह्न भेंट किए गए.

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की अध्यक्षता सोच-विचार पत्रिका के संपादक डॉ नरेंद्र मिश्र ने की और उन्होंने आयोजन की गंभीरता और सफलता की सराहना की. समारोह में मुख्य रूप से बलराम पाठक, राकेश कुमार, संगीता नाथ, आशा गुप्ता, रेणु बाला मिश्रा, स्नेह लता, अनुज कुमार पाठक, संजय सराफ, संजीव दत्ता, दीपेश निराला, अनिकेत सिंह, अभय पांडेय, मनीष मिश्र, पूजा रत्नाकर, रमेश साहू, त्रिपुरेश्वर मिश्र, ब्रजेंद्र मिश्र, डॉ. रामप्रवेश पंडित सहित देशभर से साहित्य, संस्कृति और शिक्षा क्षेत्र के लगभग 150 विद्वानों, साहित्यकारों और शोधार्थी मौजूद थे.

दोषी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, झारखंड हाईकोर्ट ने हफ्तेभर में सुना दिया फैसला, 6 को मिली थी सजा-ए-मौत

शुभम संदेश। रांची

याचिकाओं के निपटारे में देरी के खिलाफ 10 दोषियों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था. दोषियों के इस निर्णय के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने उनकी उन अपीलों पर एक हफ्ते के अंदर फैसला सुना दिया, जो वर्षों से लंबित था. इन 10 दोषियों में से छह को मृत्युदंड सुनाया गया था. उन्होंने अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसले वर्षों पहले सुरक्षित रखे जाने के बावजूद उनके निपटारे में देरी को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था. शीर्ष अदालत ने दोषियों की याचिका पर विचार करने पर 14 जुलाई को सहमति जताते हुए राज्य सरकार और हाईकोर्ट से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 21 जुलाई को मामले की सुनवाई की थी. दोषियों की ओर से पेश वकील फौजिया शकील ने पीठ को बताया कि उच्च न्यायालय ने अलग-अलग तारीखों पर फैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में उल्लेख किया था कि आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अमित कुमार दास और बसंत कुमार महतो के मामले में हाई कोर्ट ने 16 जुलाई और 18 जुलाई को उनकी दोषसिद्धि और सजा को रद्द कर दिया. इसके बाद दास को जेल से रिहा कर दिया गया जबकि महतो फैसला अपलोड नहीं किए जाने के कारण जेल में ही है. पीठ ने राज्य सरकार को बसंत कुमार महतो को जमानत बॉण्ड प्रस्तुत करने की शर्त पर रिहा करने का निर्देश दिया. आजीवन कारावास की सजा काट रहे निर्मल भेंगरा नाम के दोषी के मामले में पीठ ने कहा कि दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उसकी याचिका हाई कोर्ट ने 18 जुलाई को खारिज कर दी थी. पीठ ने झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता से तुरंत संपर्क करें और अगर वह निजी वकील की सेवाएं लेने की स्थिति में नहीं है, तो उसे मुफ्त कानूनी सहायता दें ताकि वह अदालत में अपने मामले के समाधान या छूट के लिए अपील कर सके. कहा गया कि मृत्युदंड का सामना कर रहे नितेश की याचिका भी खारिज कर दी गई है और उसके मामले में भी इसी तरह का रास्ता अपनाया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौत की सजा पाने वाले दो अन्य दोषियों सनातन बास्की और सुखलाल मुर्मू के मामले में उच्च न्यायालय ने 17 जुलाई को फैसला सुनाया था. इस मामले में मतभेद के बाद इसे किसी तीसरे न्यायाधीश को भेज दिया गया था. पीठ ने झारखंड हाई कोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि वह इन मामलों की सुनवाई करे.

जेएसपीसीबी की नई पहल : ग्रीन ट्रैक पोर्टल का शुभारंभ

डिजिटल निगरानी से बढ़ेगा सागवान पौधरोपण

शुभम संदेश। रांची

भारत के नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) ने सामाजिक संगठन सीधा (सोशल इनीसिएटिव थ्रो डेवलपमेंट एंड ह्यूमिटेरियन एक्शन) के सहयोग से एक सॉफ्टवेयर आधारित ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली "ग्रीन ट्रैक' का शुभारंभ किया. यह कार्यक्रम बीएनआर चाणक्य, रांची में बीते शुक्रवार को आयोजित किया गया, जो इस पहल पर आधारित तीसरी कार्यशाला थी. 'ग्रीन ट्रैक' पोर्टल के माध्यम से अब राज्य में सागवान (टीक) वृक्षारोपण की डिजिटल निगरानी संभव होगी. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें जेएसपीसीबी के अध्यक्ष शशिकर सामंता, सदस्य सचिव राजीव लोचन बक्शी, ओएसडी संजय कुमार श्रीवास्तव और सीधा के सचिव हेमंत कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया, इसके बाद उनका सम्मान किया गया.

जेएसपीसीबी के ओएसडी संजय कुमार श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों, उद्योग प्रतिनिधियों और सहभागियों का अभिवादन किया. अध्यक्ष शशिकर सामंता ने अपने भाषण में बताया कि किस प्रकार यह वृक्षारोपण पहल शहरी क्षेत्रों से आगे बढ़कर ग्रामीण घरों तक ले जाई जाएगी. उन्होंने कहा, "आमतौर पर वृक्षारोपण शहरी सड़कों के किनारे या वान महोत्सव और पर्यावरण दिवस पर किया जाता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र भी प्रदूषण से प्रभावित हो रहे हैं." उन्होंने इस पहल को ग्रामीणों के लिए सह-स्वामित्व और उद्योगों के लिए कार्बन क्रेडिट अर्जित करने का एक माध्यम बताया. इस प्रणाली के माध्यम से उद्योग खुद को पंजीकृत कर सकेंगे और ग्रामीण परिवारों को पौधे उपलब्ध कराएंगे. ये पौधे जिओ-टैग किए जाएंगे और उन्हें एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी, जिससे उद्योग अपनी भागीदारी और कार्बन क्रेडिट की प्रगति को ट्रैक कर सकेंगे.

जेएसपीसीबी की सहायक अभियंता रोशनी सिंह ने पोर्टल की विस्तृत जानकारी और प्रस्तुति दी. उन्होंने बताया कि यह पोर्टल मोबाइल-फ्रेंडली है और भविष्य में इसमें और भी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी. पौधों को परिजनों को समर्पित भी किया जा सकता है, जो प्रधानमंत्री जी की पहल "एक पेड़ मां के नाम से जुड़ा हुआ है. प्रश्नोत्तर सत्र में उद्योग प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना की और उपयोगी सुझाव भी दिए. कई उद्योगों ने अपने वृक्षारोपण कार्यों को साझा किया और निकट भविष्य में पोर्टल पर पंजीकरण कराने की मंशा जताई. कार्यक्रम का समापन जेएसपीसीबी के स्थापना प्रमुख अशुतोष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. उन्होंने सभी अतिथियों, उद्योग प्रतिनिधियों और सहभागी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया. साथ ही जेएसपीसीबी के स्टाफ और सीधा की टीम को उनके परिश्रम और योगदान के लिए विशेष धन्यवाद दिया.

सांसद निशिकांत दुबे ने एसआईआर को बताया जरूरी, कहा-

कांग्रेस सरकार ने ही लाया था यह कानून

शुभम संदेश। रांची/देवघर

भाजपा के कद्दावर नेता और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे अपने दो दिवसीय दौरे पर रविवार को देवघर पहुंचे. यहां उन्होंने मंदिर प्रांगण का भ्रमण किया और मेला क्षेत्र में कांवरिया पथ पर भी कई शिविरों का निरीक्षण किया. इसके अलावा उन्होंने गोड्डा से अजमेरशरीफ जाने के लिए एक ट्रेन का भी उद्घाटन किया. देवघर में सांसद निशिकांत दुबे ने एक खास बातचीत में देश-प्रदेश के कई ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी. उन्होंने झारखंड की हेमंत सरकार और बिहार में विपक्ष पर जोरदार प्रहार किया. हेमंत कैबिनेट द्वारा अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लीनिक रखने पर भी सांसद ने राज्य सरकार पर कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि नाम से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन जिसे वेटिकन ने भगवान का दर्जा दिया और भगवान ये नहीं चाहेगा कि मुझे मिटाकर किसी और को स्थापित करो. ऐसे में मदर टेरेसा की आत्मा रोज रोती होगी और वो हेमंत सोरेन को भी रुलाएगी.

शराब घोटाले पर कटाक्ष : झारखंड में शराब घोटाले को लेकर हो रहे विवाद को लेकर सांसद ने कहा कि जिस शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पुत्र को जेल हुई,जिस कारण सचिव विनय चौबे को जेल भेजे गए, अब वही शराब झारखंड सरकार ने उसी प्रेम प्रकाश, उसी अमित और योगेंद्र तिवारी को आवंटन कर दिया. हेमंत सोरेन अपने जेल जाने का रास्ता खुद ही तैयार कर रहे हैं. जब सीएम ने खुद अपने सचिव को जेल में डाला दिया, तो कोई उनको भी जेल भेजेगा. बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश में हो रहे वोटर वेरीफिकेशन (एसआईआर) को लेकर बयान दिया. सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि बिहार में विपक्ष जो भी आरोप लगा रहा है, उसमें कोई दम नहीं है. उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत के नागरिक के साथ होगा बिहार के वोटर के साथ होगा कि बांग्लादेशी नागरिक के साथ होगा. वहां जितने बांग्लादेशी नागरिक हैं, उन्हें हटाया गया.

एसआईआर जरूरी है: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि उनको पता नहीं है कि ये कानून कांग्रेस की सरकार का ही लाया हुआ , जब वोटर्स की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष करने का कानून पूर्व पीएम राजीव गांधी ने पास किया था. हमारी सरकार और चुनाव आयोग उसी कानून का पालन करते हुए काम कर रही है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 28 जुलाई 2025 I श्रावण शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 111 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

स्पोर्ट्स

बुमराह जल्द ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं: मोहम्मद कैफ

डीसी ओपन: रादुकानू और रिबाकिना बाहर

टी20 सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त

इंटर कप के लिए पंजाब एफसी ने किया अपनी टीम का ऐलान

रजरप्पा क्षेत्र में मिली आफताब की लाश, भारी बवाल

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ़ थाना परिसर से फरार आफताब अंसारी की लाश शनिवार की देर रात रजरप्पा थाना क्षेत्र से बरामद हुई. इस मामले में एसपी अजय कुमार ने त्वरित कार्रवाई कराई और हिंदू टाइगर फोर्स के नेता राजेश सिन्हा को गिरफ्तार किया है. इस पूरे मामले की जांच कर रहे पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने आफताब के परिजनों को बताया कि रजरप्पा थाना क्षेत्र के लोदरू बेड़ा गांव के समीप दामोदर नदी के किनारे आफताब की लाश फंसी है. संभावना जताई जा रही है कि 24 जुलाई की दोपहर जब वह थाने से फरार हुआ होगा, तो शायद दामोदर नदी पार करने की कोशिश की होगी. इसी दौरान वह नदी में बह गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई. इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा. पुलिस ने आंदोलन कर रहे लोगों को रजरप्पा जाने को कहा, ताकि शव को बाहर निकाला जा सके. पुलिस ने रविवार को मेडिकल टीम और दंडाधिकारी की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया.

हिंदू टाइगर फोर्स पर दो प्राथमिकी दर्ज हुई: एसपी

एसपी अजय कुमार ने रविवार को बताया कि इस पूरी घटना को शांत करने की कोशिश की जा रही है. हिंदू टाइगर फोर्स संगठन के नेताओं पर दो प्राथमिकी दर्ज हुई है. पहली प्राथमिकी आफताब अंसारी की पत्नी सालेहा खातून के बयान पर दर्ज हुई है. सालेहा ने बताया है कि उसका पति रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार स्थित आर्सी गारमेंट में काम करता था. 23 जुलाई को उसके पति के विरुद्ध रामगढ़ थाने में यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ था. उसी दिन लगभग 3:00 बजे एक आई-10 कार से कुछ लोग दुकान में पहुंचे और घुसकर उसके पति के साथ मारपीट की. उसे घसीटते हुए दुकान से बाहर निकाला गया और कई लोगों ने आफताब को बेदर्दी से पीटा. इसके बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और उसके पति को थाने ले गई. 24 जुलाई को 11:00 बजे तक उसका पति रामगढ़ थाने परिसर में ही उपस्थित था. जिसका गवाह भुरकुंडा निवासी अरुण गोयल है.

सोशल मीडिया पर भी वायरल किया गया था मामला : नेहा सिंह ने प्राथमिकी में कहा है कि मारपीट की घटना के संबंध में शहर के न्यू शांति सिनेमा हाल के पीछे बसंत विहार कॉलोनी निवास से दीपक सिसोदिया के द्वारा सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया था. राजेश सिन्हा की ओर से वाट्सएप ग्रुप में दीपक सिसोदिया के जरिए उक्त घटना के संबंध मे फेसबुक पर लिखे गये बातो को स्क्रीनशॉट करके दुकान मालिक शमीम अंसारी के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें लिखी गई. आफताब के साथ मारपीट करने वालों में से दो लोगों की पहचान भी हुई है जिसमें शहर के दुसाध मोहल्ला निवासी मनीष कुमार पासवान और हेसला गांव निवासी गंगा बेदिया शामिल हैं.

रामगढ़ थाना प्रभारी लाइन क्लोज, ओडी पदाधिकारी सस्पेंड : इस बीच, रामगढ़ थाना से फरार आफताब अंसारी के मामले में आईजी क्रांति कुमार गड़िदेशी के निर्देश पर एसपी अजय कुमार ने कार्रवाई की. रामगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर डॉ प्रमोद कुमार सिंह को लाइन क्लोज कर दिया है. साथ ही ओडी पदाधिकारी सलीमुद्दीन खां को निलंबित कर दिया है. वहीं प्रहरी संत्री में तैनात गृहरक्षक अजय करमाली और नीमा चंद्र महतो को रामगढ़ थाना से सेवा मुक्त कर दिया गया है. साथ ही थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह पर अनुशासनिक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है. एसपी अजय कुमार ने यह जानकारी रविवार को दी.

उपद्रवियों ने की सड़क जाम, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े

इधर, रामगढ़ थाना से देर रात निकलने के दौरान मौजूद भीड़ अचानक अनियंत्रित हो गई. वे लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे. थाना चौक पर लोगों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए. वहां टायर जला कर सड़क जाम कर दिया. हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने भी डंडे चटकाए और उपद्रवियों को खदेड़ा. इस दौरान रामगढ़ एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सार्जेंट मेजर मंटू यादव सहित कई जवान वहां मुस्तैद रहे.

अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज कराई प्राथमिकी

दूसरी प्राथमिकी अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज कराई है. भदानी नगर ओपी की लपंगा कॉलोनी की रहने वाली नेहा सिंह ने बताया है कि अफताब अंसारी को हिंदू टाइगर फोर्स के लोगों ने दुकान से निकाल कर बुरी तरह पीटा. उस पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाकर जान मारने के नियत से पेट, सीना तथा गर्दन पर मुक्का एवं लात से मारपीट करने लगे. मारपीट के दौरान आफताब अंसारी जमीन पर गिर गया. तब भी वे लोग बुरी तरह मारते-पिटते घसीटकर बाहर रोड पर ले गये. जब हमलोग बचाने का प्रयास किये तो वे लोग हमारे साथ भी बतमीजी एवं छेड़छाड़ किए. इसी तरह आफताब को दोबारा भीड़ से छुड़ाया गया. इस दौरान हिंदू टाइगर फोर्स के लोग धर्म विशेष को गाली भी दे रहे थे.

आफताब मौत मामले में मंत्री इरफान अंसारी ने सीएम हेमंत से की उच्चस्तरीय जांच की मांग

शुभम संदेश। रांची

रामगढ़ में पुलिस हिरासत से लापता हुए आफताब अंसारी की मौत के बाद प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है. इस मामले पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है. डॉ. अंसारी ने कहा कि आफताब की मौत कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश है. उन्होंने आरोप लगाया कि आफताब को बजरंग दल के दबाव में पुलिस ने हिरासत में लिया और अब वह मृत अवस्था में मिला है. मंत्री ने कहा कि यह घटना सिर्फ एक युवक की मौत नहीं, बल्कि संविधान, कानून और इंसानियत पर हमला है. भाजपा और बजरंग दल पर हमला बोलते हुए डॉ. अंसारी ने पूछा कि क्या अब झारखंड में कानून नहीं, बजरंग दल का राज चलेगा? उन्होंने भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी को इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताया और कहा कि उनके भड़काऊ बयानों ने माहौल को जहरीला बना दिया. डॉ. अंसारी ने डीजीपी और रामगढ़ एसपी को निर्देश देते हुए कहा कि इस हत्याकांड में जो भी दोषी है, वह चाहे वर्दी में हो या भगवा में, बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने हिंदू टाइगर फोर्स जैसे संगठनों पर भी सवाल उठाते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की. मंत्री ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि वे दिल्ली से लौटते ही पीड़ित परिवार से मिलेंगे. उन्होंने कहा कि जब तक आफताब को न्याय नहीं मिलेगा, वे चैन से नहीं बैठेंगे.

गिरडीह के नामचीन व्यवसाई ने की आत्महत्या

साहब, बंदगी और सुसाइड, जानें नोट में किन बातों का व्यवसायी ने किया जिक्र

शुभम संदेश। गिरिडीह

जिले के नामचीन व्यवसायी सुदीप कपिसवे ने आत्महत्या कर ली है. उन्होंने आईएमएस रोड कृष्णा अपार्टमेंट में अवस्थित फ्लैट के कमरे में खुदकुशी कर ली है. पुलिस के अनुसार संभवतः रविवार की अहले सुबह व्यवसायी ने आत्महत्या की है. पुलिस के अनुसार मृतक ने सुसाइड करने से पहले सुदीप ने अपने एक मित्र को रविवार की अहले सुबह व्हाट्सएप पर मैसेज किया था, जिसमें उसने आत्महत्या का जिक्र किया था. मित्र ने इसकी सूचना सुदीप के रिश्तेदार को दी थी.

शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटी पुलिस : वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर ज्ञान रंजन मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. इस दौरान परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृत व्यवसायी का पुत्र कोलकाता में पढ़ता है. व्यवसायी अपनी पत्नी को 22 जुलाई को कोलकाता लेकर गया था. बेटे के पास पत्नी को छोड़कर सुदीप गिरिडीह वापस लौट आया और रविवार को अचानक यह जानकारी मिली कि सुदीप ने आत्महत्या कर ली है.

घर के कमरे से दो सुसाइड नोट मिले

इधर, मरने से पहले सुदीप ने दो सुसाइड नोट भी लिखा है. बताया जाता है कि सुदीप का एक धार्मिक संस्था से गहरा लगाव रहा है. सुदीप की गहरी आस्था संस्था के प्रति रही है. ऐसे में एक सुसाइड नोट में साहेब जी का जिक्र करते हुए अपनी व्यथा और आस्था को प्रकट किया है. उक्त नोट में एक जमीन और फैक्ट्री का जिक्र है. सुदीप ने सुसाइड नोट में अपने पार्टनर का भी जिक्र किया है. जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे उसे नुकसान हुआ और पार्टनर को फायदा हुआ. सुदीप ने एक जमीन के टुकड़े का भी जिक्र किया है और साहेब जी से यह उम्मीद की है कि वह उसका अधिकार उसके परिवार को दिलवा देंगे. यह पत्र 26 जुलाई की तारीख में लिखा हुआ है. दूसरा पत्र किसी विनय के नाम का लिखा गया है. जिसमें उसने फैक्ट्री के फायदे-नुकसान, जमीन के हिस्सेदारी, उधारी का जिक्र किया है. साथ ही विनय को कोट करते हुए कहा है कि 'मेरे मरने के बाद जरा सा भी इंसानियत होगी तो मेरे हिस्से का जमीन प्रीति को अवश्य दे दीजिएगा' इन दोनों सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस जांच कर रही है.

धार्मिक सभा की आड़ में धर्मांतरण की कोशिश, पुलिस जांच में जुटी

शुभम संदेश। जमशेदपुर

टाटा स्टील के आवासीय परिसर गोलमुरी जीएफएच-1 फ्लैट में शनिवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया. जब वहां चल रही एक प्रार्थना सभा में कथित तौर पर धर्मांतरण की गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की. बताया गया कि फ्लैट में करीब 70 लोग एकत्रित थे, जो ईसाई समुदाय से जुड़े हैं. आरोप है कि वे स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे. स्थानीय निवासियों का कहना है कि इन फ्लैटों में बीते कुछ दिनों से धार्मिक सभाएं हो रही थीं और कुछ महिलाएं आसपास के इलाकों में घूम-घूम कर लोगों को समझा रही थीं कि ईसाई धर्म अपनाने से जीवन की समस्याएं दूर हो जाएंगी और दुखों से मुक्ति मिलेगी. इन गतिविधियों पर संदेह होने पर उन्होंने गोलमुरी थाना को सूचना दी. सूचना मिलते ही गोलमुरी पुलिस और डीएसपी घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही कई लोग मौके से भाग निकले, जबकि कुछ को हिरासत में लेकर थाने ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रविवार को एक बड़ी प्रार्थना सभा आयोजित होने वाली थी, जिसमें अन्य जिलों से भी लोगों को बुलाया गया था. पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि यह केवल धार्मिक आयोजन था या इसके पीछे धर्म परिवर्तन की कोई संगठित योजना थी. जांच में यह भी सामने आया है कि जिस फ्लैट में यह गतिविधि चल रही थी, उसे शादी समारोह के नाम पर अस्थायी रूप से बुक किया गया था. बुकिंग के दौरान कहा गया था कि तीन क्वार्टरों की आवश्यकता विवाह कार्यक्रम के लिए है, लेकिन मौके पर किसी तरह की वैवाहिक तैयारी नहीं मिली. फ्लैट में उपस्थित कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि वे विभिन्न समुदायों से हैं और जीवन की कठिनाइयों से परेशान होकर वहां पहुंचे थे. उनके अनुसार वहां केवल उन्हें भोजन कराया गया और बाइबल के बारे में बताया गया ताकि मानसिक शांति मिल सके. पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी स्तर पर पूछताछ कर रही है और विभिन्न जिलों से आए लोगों के नाम-पते और उद्देश्य की जानकारी एकत्र की जा रही है. गोलमुरी थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और यदि धर्मांतरण से जुड़े आरोप सही पाए जाते हैं तो कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस घटना से इलाके में तनाव की स्थिति है, हालांकि पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा है. फ्लैट परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है.

चाईबासा में माओवादियों की साजिश नाकाम

पुलिस ने 35 लाख रुपये नकद बरामद किए

शुभम संदेश। चाईबासा

माओवादियों की नापाक साजिश को चाईबासा पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया है. गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. सुरक्षाबलों ने इलाके में छिपाकर रखे गए करीब 35 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं. प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह नकदी माओवादियों द्वारा इलाके में बारूदी सुरंग बिछाने और विस्फोटक सामग्री खरीदने के उद्देश्य से छिपाकर रखी गई थी. पुलिस टीम ने बरामदगी के दौरान पाया कि रुपयों की 35 गड्डियों को प्लास्टिक और पेपर में लपेटकर स्टील के केन में रखा गया था. इन केनों को जमीन में गहराई से दफनाया गया था ताकि किसी को शक न हो. चाईबासा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी केनों को जब्त कर थाना ले जाया है, जहां रुपयों की गिनती की जाएगी. फिलहाल अनुमान है कि बरामद रकम लगभग 35 लाख रुपए के आसपास है. गिनती के बाद ही सटीक राशि की पुष्टि की जाएगी. इस कार्रवाई को माओवादियों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है. चाईबासा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस तरह की कार्रवाइयों से माओवादी गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी.

भारी बारिश में आरा-देवरिया-कारी मुख्य पथ की पुलिया तेज बहाव में बह गई

आवागमन ठप, निर्माण में भारी गड़बड़ी का आरोप

चतरा । जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत मोकतमा पंचायत के आरा, देवरिया और कारी गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर बनी पुलिया भारी बारिश के कारण तेज जलप्रवाह में बह गई है. पुलिया बहने से ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है और लोगों को गांव से बाहर निकलने तक में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह पुलिया कुछ वर्ष पूर्व लाखों की लागत से बनाई गई थी, लेकिन पहली ही बड़ी बारिश में इसका ध्वस्त हो जाना निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है. इस आशंका से यह इंकार नहीं किया जा सकता है कि निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार और संबंधित अभियंताओं की मिली भगत और भारी लापरवाही बरती गई है. जिसके चलते पुलिया की मजबूती मात्र दिखावे की रह गई थी.

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में : घटना के बाद भी अब तक प्रशासनिक स्तर पर कोई त्वरित निरीक्षण या वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था नहीं की गई है. इससे लोगों में नाराजगी है.

झारखंड में सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम में 192 मिमी हुई बारिश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में 192.6 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई. इस दौरान रांची में 24 मिमी बारिश रिकार्ड की गई. वहीं राज्य के कई इलाकों में भी भारी बारिश दर्ज की गई है. इनमें मंझारी 189 मिलीमीटर, सरायकेला 129, तांतनगर 125.8, हाटगम्हरिया 122.6,मझगांव 118.6, कुडू 117.2, मांडर 110.6, मुसाबनी 102.4, सिसई 100.6, चांडिल 99.6, गोइलकेरा 98.2, अड़की 98, चाईबासा में 96.5, सरयू में 96, गुदरी 92.6, लातेहार के बालूमाथ में 89, गुरु में 88.2, कुमारडूंगी में 87.4, सोनुआ में 86, जमशेदपुर में 82.6, धालभूमगढ़ में 75.6 मिमी सहित राज्य के अन्य इलाकों में भी भारी बारिश रिकॉर्ड की गई. राज्य भर में भारी बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है. राजधानी रांची में भी लगातार बारिश से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है. कई निचले इलाकों में बारिश का पानी घुसने से लोग परेशान हैं. कई गलियां और सड़के पानी में डूब गई हैं. रांची स्थित धुर्वा डैम, गोंदा और गेतलसूद डैम का जल स्तर काफ़ी बढ़ गया है. मौसम विभाग के अनुसार 29 जुलाई को राज्य के दक्षिण और पूर्वी जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है. इन क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी आशंका है.

हजारीबाग : खराब सड़क पर फंसा वाहन, कीचड़ हटते ही प्रकट हुआ शिवलिंग

ग्रामीण बोले-सड़क की बदहाली से हुआ चमत्कार

शुभम संदेश। हजारीबाग

सावन के पवित्र महीने में हजारीबाग़ जिले के बरही प्रखंड के उज्जैना गांव से एक चमत्कारिक और आस्था से जुड़ी खबर सामने आई है. शनिवार को सुबह गांव की एक कच्ची सड़क से गुजरते समय एक वाहन कीचड़ में बुरी तरह फंस गया. काफी देर की कोशिश के बाद जब वाहन को बाहर निकाला गया, उसी दौरान कीचड़ में कुछ अलग दिखा गौर से देखने पर लोगों को वहां एक शिवलिंग दिखाई पड़ा.

शिवलिंग की आकृति देखते ही आसपास मौजूद ग्रामीण हैरान रह गए. यह खबर पूरे गांव में जंगल की आग की तरह फैल गई. देखते ही देखते वहां भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. विशेष रूप से महिलाओं ने शिवलिंग को सावधानीपूर्वक साफ किया और रविवार से वहां पूजा-अर्चना शुरू कर दी. 'हर हर महादेव' के जयघोष से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा. स्थानीय लोगों का मानना है कि सावन जैसे पवित्र माह में शिवलिंग का इस तरह प्रकट होना कोई साधारण बात नहीं है. ग्रामीण इसे भगवान शिव का चमत्कार मान रहे हैं और इसे अत्यंत शुभ संकेत के रूप में देख रहे हैं. कई श्रद्धालुओं ने वहां स्थायी मंदिर निर्माण की मांग भी उठाई है. एक महिला श्रद्धालु ने बताया, "हमने अपनी आंखों से देखा कि कीचड़ में से शिवलिंग प्रकट हुआ. यह भोलेबाबा का संकेत है. अब यहां मंदिर जरूर बनना चाहिए." गांव के कई लोग मिलकर मंदिर निर्माण की योजना पर विचार कर रहे हैं. फिलहाल वहां पूजा-पाठ और जलाभिषेक का सिलसिला जारी है. यह स्थल धीरे-धीरे आसपास के इलाकों के श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है.

अफीम तस्करों से दोस्ती पिपराटांड़ थानेदार को पड़ी महंगी, एसपी ने कर दिया सस्पेंड

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पंजाब से आए फोन ने खोला था तस्करी का राज

अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पलामू पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली थी. पंजाब के रहने वाले अफीम तस्कर हरमीत सिंह और सतबीर सिंह की डॉक्टर बहन ने पलामू एसपी को सूचना दी थी कि झारखंड घूमने गए उनके भाई का अपहरण हुआ है. फिरौती केरूप में अब तक 7.50 लाख रुपये दिए जा चुके हैं. एसपी की स्पेशल टीम ने कार्रवाई करते हुए चौंकाने वाला खुलासा किया था. पंजाब के रहने वाले चार तस्कर झारखंड घूमने के बहाने अफीम खरीदने पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के तितलंगी गांव पहुंचे थे, लेकिन उन्हें डब्लू यादव के बेटों द्वारा फिरौती के लिए बंधक बना लिया गया था. अपहरण की जानकारी देकर छोड़ने के एवज में 10 लाख मांगी की गई थी. इसकी जानकारी थाना को भी थी. इस कहानी में थाना प्रभारी की भी भूमिका सामने आयी, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है.

पंजाब के अफीम तस्करों से साठ गांठ रखना पिपराटांड़ थाना प्रभारी राजवर्धन को काफी महंगी पड़ी. जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने थाना प्रभारी की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए शनिवार रात तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. मेदिनीनगर शहर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार को पिपराटांड़ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है. साथ ही पूरे मामले की जांच करने का निर्देश लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दिया है. एसडीपीओ की जांच रिपोर्ट के बाद बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जाएगी. बताते चलें कि पलामू पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए आठ अंतरराज्यीय अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया था. गिरफ्तार तस्करों में चार पंजाब के रहने वाले हैं, जबकि चार पलामू के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के निवासी हैं. इनमें एक स्थानीय चौकीदार का बेटा भी शामिल है. गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने 32 लाख 90 हजार 400 रुपए, तीन किविंटल 14 किलो अफीम डोडा, चार वाहन बरामद किया था. एसपी के अनुसार अफीम तस्करों को पिपराटांड़ थाना से मदद मिली थी और उनकी जानकारी में तस्करी की जा रही थी. इसी आरोप में थाना प्रभारी को निलंबित किया गया. एसपी ने रविवार को कहा कि मामले में आगे की छानबीन की जा रही है.

हिंसक झड़प मामले में छह के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जमशेदपुर। साकची थाना क्षेत्र के मोहन कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह दुकान पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला हिंसक झड़प तक पहुंच गया. इस दौरान तलवार, हॉकी स्टिक और बेसबॉल बैट जैसे घातक हथियारों से हमला किया गया. घटना में एक पक्ष द्वारा शनिवार देर रात साकची थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. शिकायतकर्ता सुखविंदर सिंह सोनी ने पुलिस को बताया कि दुकान पर जबरन कब्जा करने की नीयत से राजा भाटिया, रोमी भाटिया, करण भाटिया, अर्जुन भाटिया, रीत्रि भाटिया और एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास पहुंचे. उन्होंने जान से मारने की धमकी दी और हथियारों से हमला कर मारपीट की. झड़प के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया.

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा झारखंड का पदभार ग्रहण समारोह, प्रणय कुमार ने संभाली प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी

शुभम संदेश।रांची

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की झारखंड प्रदेश शाखा के पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण सह सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष प्रणय कुमार के अशोकनगर, रांची स्थित आवास पर किया गया. इस अवसर पर झारखंड एवं ओडिशा के प्रभारी एके श्रीवास्तव ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे. पदभार ग्रहण करने के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष प्रणय कुमार ने भी प्रभारी श्रीवास्तव को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और कहा कि उन्हें जो दायित्व केंद्रीय नेतृत्व ने सौंपा है, उसे पूरी टीम के सहयोग से निभाने का हरसंभव प्रयास करेंगे.

मौके पर प्रदेश अध्यक्ष प्रणय कुमार ने घोषणा की कि प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 31 अगस्त को रांची में आयोजित की जाएगी. साथ ही, इससे पहले सभी जिलों का दौरा किया जाएगा. वर्तमान में प्रदेश समिति को यथावत बनाए रखते हुए यह निर्णय लिया गया कि जरूरत पड़ने पर कार्यकारिणी में बदलाव किया जाएगा. प्रदेश कार्यालय की जिम्मेवारी फिलहाल शैलेश कुमार सिन्हा को सौंपी गयी है. समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभय कुमार सिन्हा को प्रदेश महामंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया, जबकि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुबोध कुमार श्रीवास्तव को शैलेश कुमार सिन्हा ने सम्मानित किया. वहीं, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय कुमार वर्मा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष से कोष की स्थिति की जानकारी ली.

समारोह का समापन शैलेश कुमार सिन्हा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. उन्होंने सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों के प्रति आभार जताते हुए उम्मीद जतायी कि नवनियुक्त अध्यक्ष प्रणय कुमार के नेतृत्व में झारखंड में कायस्थ समाज को एक नई दिशा मिलेगी और महासभा आपसी भाईचारा व सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करेगी.

जेएलकेएम ने राज्यपाल से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात की. झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल में व्याप्त भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने संबंधित छह सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा. महतो ने राज्यपाल से कहा कि झारखंड राज्य लूट के लिए नहीं बना है, और फार्मेसी काउंसिल में जिसतरह भ्रष्टाचार अनियमितताएं हो रही है. उसपर अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि काउंसिल में गंभीर घोटालों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने बताया कि बीते 19 जुलाई को स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा गया था. 23 जुलाई को काउंसिल के समक्ष धरना भी दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद पद पर जमे निबंधक प्रशांत कुमार पांडे की जांच के लिए एसआईटी गठित करने, फार्मेसी काउंसिल में सिर्फ मूल झारखंडी फार्मासिस्टों को मनोनीत किए जाने, निर्वाचन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराने और फर्जी तरीके से मान्यता प्राप्त कॉलेजों की जांच किए जाने सहित अन्य छह सूत्री मांगें शमिल है. देवेंद्रनाथ ने प्रेस रिलीज के माध्यम से बताया कि जेएलकेएम प्रतिनिधिमंडलों की बातें गंभीरता से सुनने के बाद राज्यपाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है. महतो ने बताया कि ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, एंटी करप्शन ब्यूरो और सेंट्रल विजिलेंस कमिशन को भी भेजी गई है. राज्यपाल से मुलाकात के दौरान मौजूद प्रतिनिधिमंडल में रविन्द्र नाथ महतो, लक्की रामू राज, गुलाम सरवर, विनय कुमार, आशीष चौधरी और पंकज कुमार सहित अन्य लोगों के नाम शामिल थे.

रांची में सड़क सुरक्षा से हो रहा खिलवाड़ संज्ञान लें उपायुक्त : बाबूलाल मरांडी

रांची। राजधानी रांची में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने बूटी मोड़ से कांटाटोली जाने वाली मुख्य सड़क पर बने एक नए स्पीड ब्रेकर को लेकर प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जिमखाना गेट के सामने हाल ही में एक बड़ा स्पीड ब्रेकर बनाया गया है, लेकिन इस पर न तो पेंट किया गया है और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है. इसी कारण एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. उन्होंने रांची डीसी से तुरंत संज्ञान लेने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है. मरांडी ने कहा कि सड़क सुरक्षा मानकों की अनदेखी करना लापरवाही है और इससे भविष्य में और भी हादसे हो सकते हैं.

ओरमांझी में डकैती की साजिश रच रहे अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

बंगाल के 3 अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश।रांची

जिले के ओरमांझी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पावर ग्रिड में डकैती की साजिश रच रहे एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार, वाहन, नकद रुपए और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है. पुलिस को 26 जुलाई को लगभग 10:30 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ अपराधी बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर पावर ग्रिड क्षेत्र में रेकी कर रहे हैं और कॉपर तार की डकैती की योजना बना रहे हैं.

इस सूचना के आधार पर रांची के पुलिस उपमहानिरीक्षक-सह-एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई की गई. टीम ने ग्राम चेतनबाड़ी (निर्माणाधीन भारतमाला प्रोजेक्ट रोड) के पास घेराबंदी कर तीन अपराधियों, जय प्रकाश पासवान, दिनेश चौधरी और भोला चौधरी को गिरफ्तार किया. ये सभी पश्चिम बंगाल के पश्चिमी बर्दवान जिले के निवासी हैं.

पावर ग्रिड में डाका डाल लूटा गया सामान 1.73 लाख में बेचा, पुलिस ने नौ को गिरफ्तार किया

शुभम संदेश।रांची

रांची के नामकुम पावर ग्रिड में 15 जुलाई को हुई डकैती की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है. इस कांड में शामिल नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन भुईया उर्फ बौना, जितु सिंह उर्फ जिजुवा, फुरकान मलिक, बिरेन्द्र बेदिया, दीपक सोनी और जितेन्द्र कुमार शामिल है. अपराधियों के पास से एक टेंपो, कटर मशीन, कॉपर स्ट्रिप, प्लेट एंगल, कनेक्टर और नौ मोबाइल फोन बरामद हुए हैं.

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि 15 जुलाई की रात करीब 20-25 अपराधियों ने नामकुम पावर ग्रिड पर धावा बोलकर कर्मचारियों को बंधक बना लिया और भारी मात्रा में कीमती सामान लूट लिया था. घटना की जांच के लिए ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई थी, जिसकी निगरानी मुख्यालय डीएसपी अमर पांडेय कर रहे थे.

पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से दिनेश और उसके साथियों को धर दबोचा. पूछताछ में आरोपियों ने अपराध कबूलते हुए बताया कि लूटा गया सामान पुंदाग स्थित फुरकान और दीपक की कबाड़ी दुकानों में बेचा गया है. बाद में यह सामान पटना के परेव स्थित जितेंद्र की फैक्ट्री को चार लाख रुपये में बेच दिया गया. पुलिस अब बाकी फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है.

ये अपराधी हुए गिरफ्तार

जय प्रकाश पासवान (30 वर्ष), पिता - स्व. राजेन्द्र पासवान, ग्राम - पस्साबेडा, थाना - डीटीपीएस दुर्गापुर, जिला - पश्चिम बर्दवान, पश्चिम बंगाल.

दिनेश चौधरी (22 वर्ष), पिता - स्व. लालजी चौधरी, ग्राम - वरियामाना, थाना - डीटीपीएस दुर्गापुर, जिला - पश्चिम बर्दवान, पश्चिम बंगाल.

भोला चौधरी (27 वर्ष), पिता - मदन चौधरी, ग्राम - वरियामाना, थाना - डीटीपीएस दुर्गापुर, जिला - पश्चिम बर्दवान, पश्चिम बंगाल.

गिरफ्तारी के दौरान बरामद सामग्री

- एक देसी कट्टा
- दो जिंदा कारतूस
- चार मोबाइल फोन
- दो जियो सिम कार्ड
- नगद 1710
- एक उजले रंग की स्कॉर्पियो
- तार काटने वाला कटर, प्लास और अन्य उपकरण

हटिया विस्थापित परिवार समिति की बैठक में विधानसभा घेराव स्थगित

11 अगस्त को आईआईएम संस्थान का ऐतिहासिक घेराव करने का निर्णय

शुभम संदेश।रांची

हटिया विस्थापित परिवार समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव की अध्यक्षता में रविवार को कुटे में संपन्न हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड विधानसभा का घेराव, जो पूर्व में तय किया गया था, फिलहाल स्थगित कर दिया जाए. समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने बताया कि झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो से समिति की वार्ता सकारात्मक रही है, ऐसे में घेराव करना इस समय उचित नहीं होगा. बैठक में 11 अगस्त को आईआईएम संस्थान का घेराव करने का निर्णय लिया गया. इस दिन हजारों की संख्या में विस्थापितों के जुटान की योजना है. शाहदेव ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि विस्थापितों की एकजुटता ही उनकी ताकत है और सरकार को अंततः विस्थापितों के अधिकार देने ही होंगे.

समिति के महासचिव एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता कलाम आज़ाद ने कहा कि सरकार विस्थापितों की समस्याओं को लेकर गंभीर है. उन्होंने सभी लोगों से हौसला बनाए रखने का आग्रह करते हुए विश्वास जताया कि विस्थापितों को उनका हक अवश्य मिलेगा. साथ ही उन्होंने आईआईएम घेराव को ऐतिहासिक बनाने की अपील की.

समिति के सचिव महावीर मुंडा ने कहा कि सभी लोग तन, मन और धन से इस आंदोलन में भाग लें, ताकि आईआईएम प्रबंधन को झुकना पड़े और विस्थापितों को रोजगार देना पड़े.बैठक को विनय उरांव, फिरोज अंसारी, तरुण शाहदेव, विजय सिंह, मनोज बैठा, सोमारी मुंडा, पारस शाहदेव, जयप्रकाश साहू सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया. बैठक मे मुख्य रूप से अजित शाहदेव, रामेश्वर महतो,महावीर नायक,बाहा उरांव,अर्जुन महतो, दिनेश लाल गुप्ता, रामेश्वर सिंह, राहुल बैठा,सुभाष महली, ध्रुव सिंह,राजेश मुंडा, अमरोज अंसारी, शंकर लोहार,जौहर अंसारी,पवन लोहार, संदीप लोहार,राजेश बैठा, मोनु बैठा, सुरज मुंडा, तनवीर आलम,रवि लोहार,विशाल गुप्ता,हबीबुल अंसारी,जय नारायण सिंह, राजेश गाड़ी सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोग शामिल थे.

शहर में बने एरोबिक बायो टॉयलेट्स बदहाल

राहगीरों को नहीं मिल रहा लाभ!

शुभम संदेश।रांची

राजधानी रांची में स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखकर नगर निगम द्वारा बनाए गए एरोबिक बायो टॉयलेट अब खुद ही गंदगी और बदइंतजामी के प्रतीक बन गए हैं. करीब चार करोड़ रुपये की लागत से चार अलग-अलग स्थानों पर बनाए गए हैं. लेकिन कुछ जगहों पर इन टॉयलेट्स की हालत आज इतनी जर्जर हो चुकी है कि राहगीरों के लिए ये उपयोगी होने के बजाय परेशानी का कारण बन रहे हैं.इन बायो टॉयलेट्स की खासियत यह है कि इससे पॉल्यूशन नहीं होता. टॉयलेट के नीचे बायो डाइजेस्टर कंटेनर लगा होता है. जिसमें मौजूद एनेरोबिक बैक्टीरिया शौच को गैस और पानी में परिवर्तित कर देता है. इस पूरी प्रक्रिया के बाद सिर्फ मिथेन गैस और पानी ही रह जाता है. इससे कोई बदबू नहीं आती और न ही प्रदूषण फैलता है. तैयार गैस का उपयोग किया जा सकता है जबकि पानी को रिसाइक्लिंग कर शौचालय या बागवानी में लगाया जा सकता है.

लेकिन इस पूरे वैज्ञानिक प्रयास का असर जमीनी स्तर पर नदारद दिखता है. हरमू रोड स्थित बायो टॉयलेट की हालत सबसे खराब है. यात्री छांव के लिए लगाए गए शेड पूरी तरह टूट चुके हैं, टॉयलेट की दीवारें जर्जर हो चुकी हैं और अंदर सफाई की कोई व्यवस्था नहीं है. स्थिति यह है कि इन टॉयलेट्स के बगल में ही लोग लघु शंका करने को मजबूर हैं, जिससे पूरे इलाके में दुर्गंध फैली हुई है. बायो टॉयलेट्स में यूरिन स्टोर करने के लिए विशेष टैंक लगाया गया है, जिसमें केमिकल मिलाकर उसे पानी में बदलने की व्यवस्था है. लेकिन यह तकनीक भी अब बेकार पड़ी है, क्योंकि टॉयलेट्स फिलहाल चालू स्थिति में नहीं हैं.स्थानीय और राहगीर नगर निगम की लापरवाही से नाराज हैं. उनका कहना है कि इन टॉयलेट्स की न तो समय-समय पर सफाई होती है और न ही कोई निगरानी होती है. करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद ये परियोजना लोगों के किसी काम की नहीं रही. बायो टॉयलेट्स के निर्माण का उद्देश्य था कि यात्रियों को स्वच्छ और वैज्ञानिक टॉयलेट की सुविधा मिले. जिससे खुले में शौच पर रोक लगे और स्वच्छ भारत मिशन को जमीन पर लागू किया जा सके. विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के बायो टॉयलेट्स का इस्तेमाल रेलवे, सेना और दुर्गम क्षेत्रों में सफलतापूर्वक हो रहा है. लेकिन शहरी क्षेत्रों में यदि इन्हें नियमित रखरखाव नहीं मिले, तो ये बहुत जल्द अनुपयोगी हो जाते हैं.

आस्था हर-हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा रांची का पहाड़ी मंदिर

श्रावण मास में नन्हे कांवड़ियों ने किया महादेव का जलाभिषेक

शुभम संदेश।रांची

श्रावण मास के पावन अवसर पर राजधानी रांची में भक्ति, श्रद्धा और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला. रविवार को राजभवन स्थित नक्षत्र वन से निकली बाल कांवड़ यात्रा ने शहर को 'हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान कर दिया. शिव-पार्वती के रूप में सजे रथ के आगे सैकड़ों गेरुआ वस्त्रधारी बच्चों ने कांवर में पवित्र जल भरकर पहाड़ी बाबा मंदिर तक पदयात्रा की.यात्रा की शुरुआत शिव-पार्वती के स्वरूप की विधिवत आरती से हुई. इसके बाद नन्हे भक्त कांवड़ लेकर रवाना हुए. रातू रोड चौराहा, दुर्गा मंदिर चौक होते हुए कांवड़िए पहाड़ी मंदिर परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने महादेव का जलाभिषेक किया. बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता और समाजसेवी संगठनों के सदस्य भी मौजूद रहे.इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि यात्रा में रांची के अलावा पलामू, दुमका, हजारीबाग समेत राज्य के अन्य जिलों से भी बच्चे शामिल हुए. आयोजन स्थल पर पहुंचने के बाद सभी बच्चों को उपहार स्वरूप रेनकोट, फल, स्नैक्स, पेंसिल बॉक्स आदि दिए गए. यात्रा में नानीलिया अग्रवाल संघ और मारवाड़ी युवा मंच रांची द्वारा बच्चों का भव्य स्वागत किया गया.आयोजन के संस्थापक अध्यक्ष राजेश साहू ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को सनातन धर्म, संस्कृति और सभ्यता से जोड़ना है ताकि वे बड़े होकर समाज के प्रति जागरूक, धर्मनिष्ठ और सकारात्मक सोच वाले नागरिक बनें. उन्होंने कहा कि बच्चों को जीवन की शुरुआत से ही आध्यात्मिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना बेहद जरूरी है.प्रवक्ता बादल सिंह ने बताया कि बाल कांवड़ यात्रा की शुरुआत वर्ष 2022 से की गई थी और अब यह एक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है. लोगों में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है. हर वर्ष नए जिलों से बच्चे शामिल हो रहे हैं और परिवार भी बच्चों के इस धार्मिक उत्साह में पूरा सहयोग दे रहे हैं.इस अवसर पर शहर की कई प्रमुख हस्तियां भी मौजूद रहीं. रांची विधायक सीपी सिंह, समेत कई गणमान्य शामिल हुए. समिति के प्रवक्ता बादल सिंह ने कहा कि यह आयोजन निरंतर चल रहा है और जब बाल कांवड़ शिव यात्रा में निकलते हैं तो वह नजारा मनोरम होता है. श्रावण मास में शिवभक्ति का यह आयोजन न सिर्फ एक धार्मिक आयोजन रहा, बल्कि बच्चों को संस्कार, श्रद्धा और सामाजिकता का पाठ पढ़ाने का सशक्त माध्यम भी साबित हुआ.,

रांची को जल्द मिलेगा नया फ्लाईओवर

सहजानंद चौक से कांके रोड तक होगा निर्माण

रांची। राजधानी रांची के लोगों को जल्द ही एक और फ्लाईओवर की सौगात मिलने जा रही है. सहजानंद चौक से कांके रोड स्थित जज कॉलोनी तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण होगा. इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 326 करोड़ रुपए है और इसे स्टेट हाइवे अथॉरिटी ऑफ झारखंड द्वारा बनाया जाएगा.

अक्टूबर से शुरू होगा निर्माण कार्य : फ्लाईओवर का निर्माण इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर किया जाएगा. इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. 8 सितंबर 2025 तक टेंडर भरे जा सकेंगे और 9 सितंबर को टेंडर खोला जाएगा. योजना है कि अक्टूबर 2025 से निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाए. यह फ्लाईओवर रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर से होकर गुजरेगा. इससे हरमू चौक-सहजानंद चौक से आने वाले वाहन सीधे कांके रोड की ओर जा सकेंगे.

एक नजर

पर्ल क्रेस्ट सोसायटी में मनाया गया सावन महोत्सव, चेतना झा चुनीं गईं सावन क्वीन

रांची। बाहर बरसती बूंदे और भीतर सावन के नए पुराने फिल्मी गानों पर थिरकती, हंसी-ठिठोली करती हरी साड़ियों में सजी-धजी महिलाएं. यह नजारा अरगोड़ा पुंदाग रोड स्थित पर्ल क्रेस्ट सोसायटी में शनिवार देर रात तक नजर आया. मौका था सावन महोत्सव का. सोसायटी की सीनियर महिलाओं ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की. सोसायटी की रहवासी और नृत्य गुरु ऋचा वर्मा ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से समां बांध लिया. भोजपुरी गीतों पर जब बैजन्ती सिंह और स्मिता नारायण ने प्रस्तुति दी, तो पूरा सभागर साथ -साथ झूमने लगा. मोनालिसा का बिटिया संग थिरकना मन मोह गया, तो सिम्मी, प्रीति प्रिया, अंशु तिवारी, सीमा, रूही आदि की प्रस्तुति भी खास रहीं. पिंकी दरद ने तबला वादन कर तालियां बटोरी. इस मौके पर चेतना झा सावन क्वीन चुनी गईं, जिसे सोसायटी की मिसेज प्रेसिडेंट बैजंन्ती सिंह और पूर्व सावन क्वीन स्मिता नारायण ने क्राउन पहनाया. अंत में रात्रि सह-भोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. इस वार्षिक आयोजन को सफल बनाने में चंचला, बैजन्ती सिंह, स्मिता नारायण, संचिता मुखोपाध्याय आदि का खास योगदान रहा.

भाषाई अस्मिता को लेकर भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच के प्रतिनिधि विधायक-मंत्री से मिलेंगे

रांची। अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच की बैठक हरमू में अध्यक्ष कैलाश यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि भाषाई अस्मिता को लेकर मंच एक विशेष प्रतिनिधिमंडल गठित करेगा, जो राज्य सरकार में संबंधित भाषाओं को बोलने वाले मंत्री व विधायकों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा. मंच ते अध्यक्ष कैलाश यादव ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, संजय प्रसाद यादव और विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मिलेगा. विदित हो कि भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका व भूमिज भाषाओं को हाल ही में नियोजन नीति की क्षेत्रीय भाषाओं की सूची से बाहर कर दिया गया है. मंच इसके पुनः समावेश हेतु जनजागरण अभियान चला रहा है. बैठक में अमरनाथ झा, सुरेंद्र मिश्रा, राधेश्याम यादव, चंद्रदेव मंडल, रामकुमार सिंह, सुधीर गोप, कुंदन सिंह, सुनील पांडेय, उमेश राय, बबन यादव, जितेंद्र यादव, विभाकर कुमार, राजेश झा, ब्रजकिशोर झा, दीनानाथ पासवान, शिवकुमार राय, महानंद भुवन, किशोर झा, सुबोध ठाकुर सहित कई अन्य लोग शामिल थे.

मुक्ति संस्था ने 47 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची। राजधानी रांची में मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 47 अज्ञात शवों का संपूर्ण विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया. मुक्ति संस्था के अध्यक्ष औप सदस्यों ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के शव गृह से अज्ञात शवों को निकाला, उन्हें पैक किया और जुमार नदी के तट पर लेकर गए. यहां संपूर्ण विधि-विधान के साथ सभी शवों का अंतिम संस्कार किया गया. संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने शवों को मुखाग्नि दी। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया. संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने इस मौके पर बताया कि मुक्ति संस्था के जरिये अबतक कुल 2034 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है. मौके पर संस्था से जुड़े प्रवीण लोहिया, रवि अग्रवाल, उज्जवल जैन, आर के गांधी, हरीश नागपाल, संदीप कुमार, संजय सिंह, सुनील अग्रवाल, राहुल जायसवाल, विजय धानुका सहित अन्य मौजूद थे.

श्रीलक्ष्मी के अंश से अवतरित श्रीगोदांबा-आंडाल देवी का दिव्य प्राकाट्य महोत्सव आज

रांची। श्रावण शुक्ल चतुर्थी, तुला लग्न एवं पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र जैसे मंगलकारी संयोगों के साथ सोमवार को दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में श्रीगोदांबा (आंडाल देवी) के प्राकाट्य महोत्सव का आयोजन द्रविड़ परंपरा में भव्यता से मनाया जाएगा. इस अवसर पर भगवान श्रीश्रीनिवास, श्रीदेवी, भूमिदेवी एवं चक्रराज सुदर्शन सहित सभी विग्रहों का महाभिषेक, श्रृंगार, महाआरती व महास्तुति संपन्न होगी. श्रीआंडाल देवी के अवतरण की स्मृति में रक्षा-सूत्र बांटा जाएगा, जो आयु, आरोग्य, समृद्धि व शांति की कामना हेतु होगा. श्रीगोदांबा का जन्म लगभग 2000 वर्ष पूर्व तमिलनाडु के श्रीबिल्लपुत्तुर में हुआ था, जब संत विष्णुचित्त तुलसीवन में कार्य कर रहे थे. पृथ्वी से प्रकट इस दिव्य कन्या को गोदा नाम मिला. ये कन्या श्रीलक्ष्मी का ही अवतार थीं, जिनका उद्देश्य भक्ति से विमुख जनों को भगवान से जोड़ना था. भगवान श्रीरंगनाथ से उनका दिव्य विवाह हुआ.

रिसर्च विंग के रूप में विकसित होगा एंपावर : जायसवाल

रांची। शहर के एक होटल में रविवार को आदित्य विक्रम जायसवाल की अध्यक्षता में एंपावर झारखंड की बैठक हुई. बैठक में राज्यहित और जनकल्याण से जुड़े कई मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ. मौके पर आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि एंपावर झारखंड को एक रिसर्च विंग के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया, जो राज्य सरकार को आजीविका, कृषि, हॉर्टिकल्चर, ट्राइबल इकोनॉमी, टूरिज्म कॉरिडोर तथा स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने जैसे विषयों पर शोध कर सुझाव और रिपोर्ट उपलब्ध कराएगा. जायसवाल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य झारखंड को मजबूती से आगे बढ़ाना और युवाओं को राज्य में ही रोजगार उपलब्ध कराकर पलायन रोकना है. उन्होंने बताया कि एक समर्पित रिसर्च टीम का गठन किया जाएगा. कार्यक्रम में अनूप शाहदेव ने अक्टूबर माह में टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित करने की घोषणा की, जिसमें पर्यटन के जरिए स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा होगी. बैठक में भुवनेश ठाकुर, अपूर्वा बरियार, किनीता सिन्हा, सरवर पॉल और एलन एंड्रयू सहित अन्य लोग मौजूद थे.

रोटरी क्लब ऑफ रांची ने चलाया पौधरोपण अभियान

रांची। रोटरी क्लब ऑफ रांची के तत्वावधान में रविवार को झारखंड जगुआर कैंपस में पौधारोपण अभियान चलाया गया. इस अभियान के तहत 800 से अधिक फलदार और छायादार पौधे लगाए गए. अभियान में झारखंड जगुआर पुलिस टीम का विशेष सहयोग रहा. पौधारोपण अभियान में सहयोग के लिए क्लब की ओर से पुलिस विभाग को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया, जिन्होंने इस अभियान के लिए स्थान, सहयोगी टीम, सभी आवश्यक सुविधाएं की व्यवस्था की. इस अवसर पर रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर (एजी) रोटेरियन हरमिंदर सिंह का भी विशेष आभार प्रकट किया गया, जिन्होंने इस अभियान की योजना से लेकर क्रियान्वयन तक हर स्तर पर जिम्मेदारी निभाई और अभियान को सफल बनाया. हरमिंदर ने इस मौके पर कहा कि यह केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

ब्रीफ न्यूज

मिशन समृद्धि ने किया रोटी का वितरण

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था ने अपने समृद्धि की रोटी अभियान के तहत शनिवार को दोना, पत्तल और दातून बेचनेवालों के बीच रोटी सब्जी खिचड़ी का वितरण किया. इस दौरान शनि मंदिर तथा उसके आसपास बैठे दिव्यांग, वृद्ध, बच्चों व राहगीरों के बीच भी रोटी सब्जी वितरित किया. बता दें कि यह संस्था प्रत्येक शनिवार को गरीबों के बीच समृद्धि की रोटी अभियान चलाती है. टीम के सदस्यों ने बताया कि समृद्धि टीम उनलोगों के नहीं आने से दुखी हो जाती है जो हमेशा हमलोगों के इंतजार में रहते हैं. बरसात के कारण शायद उनलोगों का आना संभव नहीं हो पाया है. मौके पर अहिल्या गिरि, आशा शर्मा, रंजीता, शिल्पी गोस्वामी, शालिनी श्रीवास्तव, बेबी पाण्डेय आदि मौजूद थीं.

कंप्यूटर आपरेटर को संघ ने की हटाने की मांग रखी

मेदिनीनगर। झारखण्ड पशुपालन विभागिय एआई कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने जेएसआईए पलामू के कंप्यूटर आपरेटर जितेन्द्र खत्री को हटाने की मांग की है. इस संबंध में उन्होंने पलामू के जिला पशुपालन पदाधिकारी को लिखे पत्र में कहा है कि दिनांक 26 जुलाई को जब फोन कॉल कर मासिक मानदेय से संबंधित जानकारी मांगी तब उन्होंने धमकी भरे भाषा का प्रयोग करते हुए मेरे साथ गाली-गलौज भी किया. उन्होंने यह भी कहा है कि इससे संबंधित कॉल रिकार्डिंग जिला पशुपालन पदाधिकारी को भेजने के साथ ही कहा है कि यह मेरे पास मौजूद है. पत्र में कहा है कि यदि विभाग कंप्यूटर आपरेटर जितेन्द्र खत्री को कार्यमुक्त नहीं करता है तो अपने संवैधानिक मौलिक अधिकारों के हनन किए जाने को लेकर न्यायालय की शरण लेंगे . झारखंड पशुपालन विभागिय एआई कर्मचारी संघ के सदस्य सामूहिक हड़ताल पर जाने को विवश होंगे.

हरिहरगंज में बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

हरिहरगंज(पलामू)। हरिहरगंज सीओ मनीष कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को थाना स्थित अंतर-राज्यीय चेक नाका पर अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर को जब्त किया है. सीओ ने स्थानीय थाना में कांड संख्या 95/2025 दर्ज कराया है. जांच के दौरान अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर चेक पोस्ट पर पहुंची और पुलिस को देख ट्रैक्टर को खड़ा कर दोनों चालक फरार हो गये.

पीडीएस दुकानदारों के साथ सौतेला रवैया अपना रही है सरकार: रविंद्र पांडेय

मांगों को लेकर पीडीएस दुकानदारों का धरना 1 अगस्त को

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

पलामू फेयर प्राईस आफ्फ डीलर्स एसोसिएशन की बैठक रविवार को सदर प्रखंड सभागार में हुई. बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष सह कार्यकारी जिलाध्यक्ष रविंद्र पांडेय ने की. बैठक में जिले भर के डीलरों की समस्याओं और सरकार की उदासीनता को लेकर गहरी चिंता जताई गई.

सर्वसम्मति से मांगों को लकर एक अगस्त को कचहरी परिसर में धरना का निर्णय लिया गया. कहा गया कि जिले के सभी डीलर कचहरी परिसर में धरना देंगे और उसके बाद मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा. कार्यकारी जिलाध्यक्ष श्री पांडेय ने कहा कि राज्य सरकार डीलरों के प्रति लगातार सौतेला व्यवहार कर रही है. महीनों से भुगतान लंबित है, तकनीकी संसाधनों की कमी है और समस्याओं के समाधान को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिख रही. अब आर-पार की लड़ाई का समय आ गया है. यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो चरणबद्ध आंदोलन होगा. जिला कार्यकारी सचिव प्रेम प्रकाश ठाकुर ने कहा कि डीलरों के समस्या समाधान के प्रति राज्य सरकार गंभीर नहीं है. डीलरों को उचित हक व अधिकार मिले इसके लिए डीलर प्राईस एसोसिएशन बेहतर पहल करने के लिए संकल्पित है. डीलरों की मांगों में कोरोना काल की बकाया राशि का अविलंब भुगतान, मार्च 2023, सितंबर 2023, दिसंबर 2024, जनवरी से मार्च 2025, अप्रैल से जुलाई तक की राशि बकाया भुगतान, सभी पीडीएस दुकानों में अगस्त माह तक 4जी ई-पॉस मशीनों की आपूर्ति, जन वितरण प्रणाली डीलरों को तकनीकी और प्रशासनिक परेशानियों से राहत तथा उन्हें सम्मानजनक दर्जा के साथ सुरक्षा की मांग शामिल है. बैठक में एसोसिएशन के प्रदेश कार्यकारी सदस्य युगल किशोर तिवारी, पारसनाथ सिंह, ब्रजकिशोर तिवारी, मो. इकबाल, मिथिलेश राम, सतीश तिवारी, विष्णु राम, भानु प्रसाद सिंह, मो. नौशाद अनवर, रामरेश चौरसिया, मनोज प्रसाद, नंदलाल सिंह, पुनीत कुमार शुक्ला, सुनील पांडेय, रामलखन राम, विनोद पासवान सहित कई डीलर उपस्थित थे.

लगातार हो रही बारिश के कारण भदई फसल की नहीं हो सकी बुआई

मेदिनीनगर । पलामू जिला में इस वर्ष मानसून की लागतार बारिश होने के कारण भदई फसल की बुआई नहीं हो सकी है. जून महीना में औसत वर्षापात 152.4 मिलीमीटर के विरुद्ध 285 मिलीमीटर हुई वहीं जुलाई महीना का औसत वर्षापात 344.7 मिलीमीटर बारिश के विरुद्ध शनिवार तक 341.8 मिलीमीटर बारिश हो चुका है. लगातार बारिश के कारण जिले में भदई फसल की बुआई बहुत कम हुई है. पलामू जिला में शनिवार तक भदई फसल में मक्का की बुआई 27 हजार 520 हेक्टेयर लक्ष्य के विरुद्ध केवल 10 हजार 872.46 हेक्टेयर भूमि में बुआई हुई है जो लक्ष्य के करीब 60% पीछे है.इसी तरह अरहर की बुआई केवल 36.10%, उरद की बुआई 29.47% , मूंग की बुआई 13.60% और मोटे अनाज में ज्वार की बुआई एक फीसदी से भी कम 0.12 % हुई है तो मड़ुआ (रागी) की बुआई 28.62% हुई है जबकि बाजरा की बुआई पलामू जिले में अभी तक नहीं हुई है. छतरपुर के किसान लक्ष्मण राम ने बताया कि लगातार बारिश के कारण मक्का और अरहर की बुआई नहीं हो पाया. कुछ जमीन में मक्का की बुआई किए थे वह भी लगातार बारिश होने के कारण बीज सड़ गए इसके कारण काफी नुकसान हुआ है. तुकबेरा के किसान अवधाकिशोर मेहता ने बताया कि जून और जुलाई में लगातार बारिश होने से खेतों से पानी नहीं सूखा लगातार अधिक नमी होने के कारण भदई फसल नहीं लगा सके हैं.

तैलिक साहू समाज की लातेहार जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

समाज को संगठित करने का सभी ने लिया संकल्प

शुभम संदेश । लातेहार

शहर के थाना चौक स्थित श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर परिसर में रविवार को तैलिक साहू समाज के जिला कार्यकारिणी की बैठक की गई. अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजीत गुप्ता ने की. बैठक में समाज को संगठित करने पर बल दिया गया. जिला अध्यक्ष रंजीत साहू ने कहा कि लातेहार जिले में तैलिक साहू समाज का एक बड़ा कार्यक्रम किया जाना है. उसे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक की गई है.

उन्होंने कहा कि लातेहार जिले में समाज काफी मजबूत है. उसे और धार देने की जरूरत है. उन्होंने आगे कहा कि समाज के लोग जितना मजबूत होंगे, उसे उतना लाभ मिलेगा. प्रमंडलीय महामंत्री धर्मेंद्र प्रसाद ने कहा कि समाज के लोग एकजुट हो और अपने हक अधिकार की लड़ाई एक मंच में आकर लड़े. ताकि समाज के लोगों को इसका फायदा मिल सके.

आगामी 24 अगस्त को स्टेशन रोड चटनाही में लक्ष्मी प्रसाद के घर में तैलिक साहू समाज के जिला कार्यालय का शुभारंभ किया जाएगा. मौके पर जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद, पवन गुप्ता, गोपाल प्रसाद, देवनंदन प्रसाद, नेपाली साहू, पुरुषोत्तम प्रसाद, राजू प्रसाद, रवि प्रसाद, आनंद गुप्ता, रंजीत कुमार, संतोष प्रसाद, मनोज प्रसाद, रामकुमार प्रसाद समेत समाज के कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

विश्व आदिवासी दिवस मनाने को लेकर चंदवा में बैठक संपन्न

चंदवा.स्थानीय पथ निर्माण विभाग के विश्रामागार में नौ अगस्त दो हजार पचीस को विश्व आदिवासी दिवस मनाने को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता जितेन्द्र सिंह खखार के द्वारा किया गया. बैठक को भव्य तरीके से मनाने के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया जिसमें समिति का अध्यक्ष सुरेश कुमार उरांव उपाध्यक्ष राजीव कुमार उरांव एवं सुरेश नाथ लोहरा,सचिव विमल उरांव सह सचिव चंद्रदेव उरांव,राहुल उरांव कोषाध्यक्ष मनीजर उरांव उप कोषाध्यक्ष विनोद भगत के साथ संरक्षक मंडली में रंजीत उरांव मुखिया चंदवा पूर्वी जितेंद्र सिंह, हरिकुमार भगत,धनेश्वर उरांव, रतिलाल उरांव,चंद्रदेव उरांव प्रधान, बाबूलाल उरांव, शंकर उरांव, अजीत भगत समेत सभी उपस्थित लोग कार्य कारिणी का सदस्य बनाए गए.

पलामू कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड की नई समिति का किया गया गठन

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड की पलामू जिला इकाई ने रविवार को संगठन विस्तार के तहत नई समिति की घोषणा की. इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष विक्रमजीत सिंह और पलामू जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे.नई समिति में हुसैनाबाद विधानसभा प्रभारी के रूप में हेमंत कुमार, डाल्टनगंज विधानसभा प्रभारी विकास कुमार सिंह, विश्रामपुर विधानसभा प्रभारी विकास कुमार यादव, छतरपुर-पिपरा प्रखंड अध्यक्ष संजीत कुमार, नवाबाजार प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव तथा पलामू जिला महासचिव रोशन कुमार सिंह को नियुक्त किया गया है.विक्रमजीत सिंह ने कहा कि सेवादल यंग ब्रिगेड का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं बल्कि युवाओं को देशभक्ति, अनुशासन और समाज सेवा की राह पर अग्रसर करना है. उन्होंने विश्वास जताया कि नए सदस्य कांग्रेस पार्टी की रीढ़ साबित होंगे.जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार ने नवगठित समिति को संगठन के लिए मील का पत्थर बताया और कहा कि यह टीम हर प्रखंड और विधानसभा स्तर पर सक्रिय होकर कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएगी.कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों को नियुक्ति-पत्र सौंपे गए और उन्हें संगठन हित में कार्य करने के निर्देश दिए गए. युवा कार्यकर्ताओं और कांग्रेस समर्थकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति इस समिति विस्तार की सफलता का परिचायक रही.

देशवासियों के लिए मलय समीर है कारगिल विजय: अविनाश देव

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

भारत का विभाजन एक त्रासदी था. विभागन के समय से ही पड़ोसी मुल्क भारत की जन्नत कश्मीर पर कुदृष्टि लगाए हुए है और मौका मिलते गिद्ध की तरह नोचना चाहता है. ऐसी ही घटना आज के पच्चीस साल पहले घटा जिसे कारगिल युद्ध के नाम से जाना जाता है. आज ही के दिन 26 जुलाई 99 को भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस शौर्य पराक्रम एवं कुर्बानी के बदौलत कारगिल फतह किया गया था. उक्त बातें अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पलामू द्वारा स्थानीय नगर भवन में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह में विशिष्ट अतिथि संत मरियम स्कूल के अध्यक्ष अविनाश देव ने कही. उन्होंने शहीद जवानों की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया. उन्होंने कहा कि सीमा पर सैनिकों के रतजगा से हम घर में गहरी नींद लेते हैं नहीं तो रात के नींद और दिन के चौन गायब रहता. कारगिल का युद्ध हमने देखा नहीं सिर्फ सुना है जिससे रोंगट खड़ा हो जाता है. जो शहादत देकर भारत को सिरमौर बनाया जो लड़कर सुरक्षित घर लौटे उससे हम रोमांटिक होते हैं. हम भारतीय कारगिल युद्ध को अब सिर्फ अहसास कर सकते हैं. इसलिए हमने कहा कारगिल विजय देशवासियों के लिए अब मलय समीर है जिसे घ्राणशक्ति से महसूस कर सकते है. मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे.

बुनियादी सुविधाएं बहाल कराना प्राथमिकता: सिंह

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रकाश राम ने अमरजीत सिंह (बाजकुम, रेलवे स्टेशन, लातेहार) को नगर पंचायत लातेहार के लिए अपना प्रतिनिधि मनोनित किया है. इस संबंध में विधायक प्रकाश राम ने एक पत्र जारी किया है और उपायुक्त, लातेहार को इससे अवगत कराया है. विधायक ने पत्र में कहा कि उनकी अनुपस्थिति में अमरजीत सिंह नगर पंचायत लातेहार से जुड़ी विभिन्न बैठकों में विधायक का प्रतिनिधित्व करेंगे. इधर, अमरजीत सिंह ने कहा कि जिस भरोसे और विश्वास के साथ विधायक श्री राम ने उन्हें अपना प्रतिनिधि बनाया है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे. लोगों को नियमित बिजली और पानी मिले, इसके लिए प्रयासरत रहेंगे. नगर की समस्याओं को उचित मंच पर रखेंगे ताकि उनका निराकरण हो सके. स्वच्छ और सुंदर लातेहार के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने उन्हे प्रतिनिधि बनाए जाने पर विधायक प्रकाश राम को धन्यवाद दिया है. बताते चलें कि अमरजीत सिंह लातेहार जिले में सामाजिक और जनकल्याण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं. कोरोना काल में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया था. युवाओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ है. उन्हे विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे, सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, बंशी यादव, मुकेश पाण्डेय, छोटू राजा, आनंद सिंह, प्रमोद प्रसाद, रघुवीर यादव, विवेक चंद्रवंशी, अश्विनी सिंह, ललित पांडेय, नरेश लाल अग्रवाल, संजय सिंह, प्रदीप अग्रवाल, मुकेश कुमार सिंह, अरविंद कुमार और आशीष प्रसाद आदि ने बधाई दी है.

एक अगस्त को होगा सिनेमा हॉल का उद्घाटन

गढ़वा। गढ़वा प्रखंड के बघौता मोड स्थित द रॉयल ग्रैंड रिजॉर्ट एंड रेस्टोरेंट में 1 अगस्त को छोटू महाराज सिनेमा हॉल का शुरूआत किया जाएगा.जिसका उद्घाटन उपायुक्त दिनेश कुमार यादव करेंगे. उक्त जानकारी डॉ अनिल कुमार साह ने रविवार को द रॉयल रिजॉर्ट एंड रेस्टोरेंट में प्रेस वार्ता कर दी है. उन्होंने बताया कि विगत 20 वर्षों से गढ़वा जिला में सिनेमा हॉल नहीं होने के कारण यहां के लोगों विशेष कर युवा लोगों को रांची, बनारस, रेणुकूट जैसे शहरों में नई मूवी देखने के लिए जाना पड़ता है. गढ़वा में सिनेमा हॉल नहीं होने के कारण यहां की युवाओं को आर्थिक एवं समय की बर्बादी होती है छोटू महाराज सिनेमा हॉल खुल जाने से यहां के युवा वर्ग एवं आम जनमानस को नए-नए सिनेमा देखने में आसानी होगी एवं समय तथा पैसों का बचत होगा.

महोत्सव

लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि, बच्चों को बताया 'देश का भविष्य'

कला को प्रोत्साहित करना हमारी जिम्मेदारी: शंकर

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

आर्ट एजुकेशनल एंड स्किल्ड सोसायटी के तत्वावधान में रविवार को बाइपास रोड स्थित उत्सव भवन में संस्कृति कला महोत्सव का आयोजन किया गया. आर्ट एंड टैलेंट की थीम पर आधारित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे कलाकारों ने नृत्य, संगीत और अभिनय की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं.

इससे पूर्व सभी कलाकारों ने लता मंगेशकर चौक पर पुष्पांजलि अर्पित कर की. मेदिनीनगर की प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने स्वर कोकिला लता मंगेशकर के लोकप्रिय गीत गाकर शमां बांध दिया. श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रीमती शंकर ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को मंच देना समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने जैसा है. इन बच्चों के भीतर छिपी कला को पहचानकर उसे प्रोत्साहन देना हम सभी की जिम्मेदारी है. मैं आर्ट एजुकेशनल एंड स्किल्ड सोसायटी को इस अद्भुत प्रयास के लिए बधाई देती हूँ.

ऐसे आयोजन बच्चों को आत्मविश्वास देते हैं और उनमें छिपी संभावनाओं को निखारते हैं. उन्होंने सत्कार भवन में दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया तथा एक और मधुर गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया. कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ने एक से एक आकर्षक संगीत व नृत्य की प्रस्तुति दी.

सोसायटी के विजय कुमार दूबे ने बताया कि यह कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए इस तरह का आयोजन किया गया है. इसमें चयनित बच्चों की फाइनल प्रतियोगिता तीन अगस्त को आयोजित की जाएगी.

निर्णायक मंडल में शालिनी श्रीवास्तव, कुंदन डिसूजा और सूरज मिश्रा शामिल थे. वहीं आयोजन को सफल बनाने में आकाश राज, अनिषा तिवारी, पवन कुमार, संजीत कुमार, रौशन कुमार, प्रियांशु दुबे और राहुल राज ने सक्रिय भूमिका निभाई. मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता नवीन तिवारी, अजीत पाठक, अजीत कुमार, मनोज झा, चंदा झा, पवन कुमार, सच्चिदा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और अभिभावक उपस्थित थे.

एक नजर

सौमित्र भट्टाचार्य ने 75 वीं बार रक्तदान किया

मेदिनीनगर। स्थानीय प्रकाशचंद जैन सेवा सदन में रविवार को स्वीकृति रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का शुभारंभ सेवा सदन के संयुक्त सचिव सौमित्र भटाचार्य ने स्वयं रक्तदान कर किया. यह उनका 75वां बार रक्तदान था. रक्तदान के बाद उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने जैसा है. यह सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है. इससे पूर्व उदघाटन मौके पर सेवा सदन के महासचिव सुरेश कुमार जैन ने कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक दायित्व है. इससे जहां एक ओर जरूरतमंद को जीवन मिलता है, वहीं रक्तदाता को भी स्वास्थ्य लाभ होता है. समाज में ऐसे प्रयास सराहनीय और प्रेरणादायक हैं. शिविर में सुशील लाठ, मुरारी गोयल, नवल तुलस्यान, दुर्गा जौहरी समेत कई समाजसेवी और संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे और सभी लोगों ने रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया. शिविर में रक्तदान करने वालों में सौमित्र भटाचार्य के अलावा कृष्ण कुमार ओझा, सूरज कुमार सोनी, दिलीप कुमार और सुमित कुमार वर्मा प्रमुख रूप से शामिल हैं.

अंजू माला लकड़ा को चंदवा में किया गया सम्मानित

लातेहार। जिले के चंदवा के सुदूरवर्ती इलाका सेरक गांव की रहने वाली अंजू माला लकड़ा को चंदवा में एक सादे समारोह में सम्मानित किया गया. विधायक प्रतिनिधि राजकुमार पाठक ने अंजू माला लकड़ा के जेपीएससी में अनुसूचित जनजाति वर्ग में 34वीं रैंक और ओवरआल में 290 रैंक लाने पर शॉल ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया. श्री पाठक ने कहा कि यह गौरवान्वित होने वाला पल है. ग्रामीण परिवेश में पढ़ी-बढ़ी लड़की अब अधिकारी बनेगी, इससे ग्रामीण क्षेत्रों में खासकर बालिकाओं में भी शिक्षा के प्रति ललक बढ़ेगी. विधायक प्रतिनिधि आदर्श रविराज ने अंजू माला लकड़ा को शुभकामनायें देते हुए कहा कि आप क्षेत्र के लिए एक रोल मॉडल बनेगी, आपको देखकर और बच्चे भी इस प्रकार की तैयारियों में जुटेंगे. रविराज ने अंजू माला लकड़ा से आग्रह किया कि पदभार लेने के बाद भी चंदवा आकर उच्च विद्यालय के बच्चों को सिविल सर्विसेज की तैयारियों के बारे में गाइडलाइंस दें. सम्मान समारोह में अरुण प्रिंस, श्रवण प्रसाद गुप्ता,महेंद्र अग्रवाल,रोहित तिवारी, अनुज तिवारी, रंजन सिंह, अक्षय यादव, बिनीत कुमार,योगेंद्र यादव,आशीष शाहदेव,कलावती देवी,दीपू कुमार समेत कई लोग मौजूद थे.

टीओपी-टू प्रभारी राकेश सिंह ने किया रुद्राभिषेक

मेदिनीनगर। पवित्र सावन माह के मौके पर टीओपी-टू प्रभारी राकेश सिंह ने टीओपी-टू थाना परिसर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में रविवार को भव्य रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया. उन्होंने अपनी धर्मपत्नी के साथ मिलकर पूर्ण श्रद्धा और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की. भगवान शिव को समर्पित इस विशेष पूजा का उद्देश्य क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और सौहार्द की कामना करना था. पूजा के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान था. प्रभारी राकेश सिंह और उनकी धर्मपत्नी ने विधि-विधान से शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक कर बेलपत्र, फूल और फल अर्पित किए. पूजा में धर्मपत्नी निर्मला सिंह के साथ उनकी बेटी खुशी भारद्वाज और रुचि भारद्वाज, टाइगर जवान मुकेश कुमार और उनकी धर्मपत्नी अंजू देवी, पुत्री राजलक्ष्मी व पुत्र मयंक सूर्यनाथ सिंह, अमित कुमार, जयंत दुबे, विकास कुमार, प्रमोद यादव, धर्मेंद्र कुमार पासवान, अलविना करकटा आदि शामिल हुए. सभी ने पूजा कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया. पूजा के उपरांत थाना परिसर में दोपहर 1 बजे से विशाल भंडारा का आयोजन किया गया.

मेदिनीनगर में मनी भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति की पुण्यतिथि

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डा. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम डॉ कलाम की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया. श्री राम ने कहा कि डॉ कलाम भारत के अनमोल रत्न थे. उनका निधन 27 जुलाई 2015 को हुआ था. डॉ कलाम महान वैज्ञानिक व अभियंता के रूप में विख्यात थे. उन्होंने देश की सेवा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया. मोर्चा अध्यक्ष ने युवाओं से अपील की डॉ कलाम के आदर्श व व्यक्तित्व से ही शिख लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है. शिवनाराय साव ने डॉ कलाम की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने संघर्ष के बदौलत ही देश के सर्वोच्च पद पर सुशोभित किया. मौके पर उपेंद्र तिवारी, संजय मिस्त्री, गणेश चंद्र, मनोज सिंह, अजय साव, राजेश रंजन, यशवंत कुमार, उत्तम कुमार, दीपक कुमार, आयुष कुमार आदि उपस्थित थे.

कारगिल दिवस पर साइकिल रैली का आयोजन

लातेहार। 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लातेहार द्वारा कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, वीरता एवं बलिदान को स्मरण करने के लिए 27 जुलाई को फिट इंडिया मिशन के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया.यह रैली कमांडेंट राजेश सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित की गई. जो वाहिनी मुख्यालय से प्रारंभ होकर लातेहार रेलवे स्टेशन होते हुए पुनः मुख्यालय पर संपन्न हुई. इस आयोजन में वाहिनी के सभी अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण एवं बलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा स्वस्थ जीवन शैली, 'राष्ट्रीय चेतना' और देशभक्ति का संदेश जनमानस तक पहुँचाया. इस रैली के माध्यम से न केवल वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, बल्कि निकटवर्ती क्षेत्र के जनमानस में शारीरिक फिटनेस, अनुशासन एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने का प्रयास भी किया गया.

पंचशील के साथ अष्टांगिक मार्ग का अनुसरण जरुरी: शत्रु

मेदिनीनगर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को प्रातः में बुद्ध वंदना, त्रिशरण, पंचशील व संविधान की प्रस्तावना पाठ किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ लोचन बैठा की अध्यक्षता व रवि पाल के संचालन में आयोजित हुआ. कार्यक्रम की शुरूआत में वयोवृद्ध डा. मोती राम व पेंशनर समाज के उपाध्यक्ष जंगाली महतो ने संविधान निर्माता परमपूज्य डा. भीमराव अम्बेडकर की आदमकद प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन व पुष्पांजलि के साथ किया गया. बौद्धाचार्य दिलकेश्वर मेहता बौद्ध ने तथागत बुद्ध की शिक्षाओं का पाठ कर बौद्ध ग्रंथों में वर्णित जीवन के सार तत्वों के अनुगमन पर जोर दिया. श्यामदेव मेहता ने संविधान चर्चा के क्रम में आर्टिकल 29 व 30 पर प्रकाश डालते हुए अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों की स्वतंत्रता व मौलिक अन्य अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की. झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने कहा कि आज भारत का लोकतंत्र मोदी सरकार की तानाशाही की वजह से विश्व स्तर पर प्रहसन में तब्दील हो गया है.

ब्रीफ न्यूज

हंटरगंज से मां-बेटी 14 जुलाई से लापता, परिजन परेशान

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र के उरैली पंचायत अंतर्गत पाती गांव से एक महिला और उसकी दो वर्षीय बेटी 14 जुलाई से लापता हैं. इस संबंध में महिला के पिता चमन यादव ने हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है.चमन यादव ने बताया कि उनकी बेटी सुधा देवी की शादी छह वर्ष पूर्व बिहार के शेरघाटी थाना क्षेत्र के नकन्नूपा निवासी अशोक यादव से हुई थी. कुछ दिन पहले सुधा देवी अपनी दो वर्षीय बेटी के साथ मायके आई थी. 14 जुलाई को वह अपने ससुराल लौटने की बात कहकर निकली. चमन यादव की पत्नी ने उसे हंटरगंज कौलेश्वरी मोड़ पर एक टेंपो में बैठाया था.अगले दिन जब बेटी से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उसका मोबाइल बंद मिला.

योगा प्रतियोगिता में सोनाली ने जीते तीन गोल्ड

हंटरगंज (चतरा)। डीएवी क्लस्टर खेलकूद प्रतियोगिता के योगा स्पर्धा में चतरा डीएवी की छात्रा सोनाली कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल्ड मेडल अपने नाम किए हैं. सोनाली हंटरगंज प्रखंड के तरवागड़ा पंचायत अंतर्गत सोखा गांव निवासी देवधारी यादव की पुत्री हैं.रांची के हेहल में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सोनाली को विजेता घोषित किया गया. इसके उपरांत उन्हें तीन गोल्ड मेडल और एक कप देकर सम्मानित किया गया. सोनाली की इस उपलब्धि पर डीएवी चतरा के योग शिक्षक धर्मेंद्र कुमार ने भी गर्व जताया और बताया कि बेटी की मेहनत रंग लाई है.रविवार को सोनाली के घर स्थानीय मुखिया दिलीप कुमार दास और ग्रामीण पहुंचे, जहां मिठाई खिलाकर उसे सम्मानित किया गया.

विशेष समुदाय के दबाव में हुई राजेश की गिरफ्तारी

रामगढ़। हिंदू संगठन के नेता राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद रविवार को बड़कागांव भाजपा विधायक रोशन लाल चौधरी ने जोरदार विरोध किया है. वह अपने समर्थकों के साथ भुरकुंडा ओपी पहुंचे जहां राजेश सिन्हा को पुलिस ने हाजत में बंद कर रखा था. विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. एक विशेष समुदाय के दबाव में निर्दोष राजेश सिन्हा को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस की कार्रवाई बेहद संदेहास्पद है. उन्होंने कहा कि इस गिरफ्तारी की घोर निंदा हो रही है. अगर पुलिस अभिलंब उन्हें रिहा नहीं करती है, तो वह भी जोरदार आंदोलन करेंगे. उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला का यौन शोषण होता है. उसने थाने में प्राथमिक की भी दर्ज कराई. उसके समर्थक थाना परिसर में जिला प्रशासन के खिलाफ ही नारेबाजी करते हैं.

कृष्णा यादव बने जेकेएलएम पार्टी के केंद्रीय सचिव

चंदवारा (कोडरमा)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेकेएलएम) के चंदवारा प्रखंड के उरवां गांव निवासी कृष्णा यादव को पार्टी का केंद्रीय सचिव नियुक्त किया गया है. पार्टी नेतृत्व द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है.बता दें कि कृष्णा यादव इससे पहले पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर थे और लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे. संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यक्षमता को देखते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कृष्णा यादव ने कहा कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे .

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का घाटो के लईयो लुगू बाबा मैदान में शानदार आगाज

48 टीमें मैदान में दिखाएंगी दम, सांसद ने किया उदघाटन

शुभम संदेश ।हजारीबाग

सांसद खेल महोत्सव-2025 के तहत हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आगाज रविवार को घाटो भाजपा मंडल के लईयो स्थित लुगू बाबा मैदान में हुआ. मुख्य अतिथि हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने मशाल जलाकर, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और किक मारकर टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन किया. यह इस क्षेत्र में चौथा टूर्नामेंट है, जिसमें कुल 48 टीमें भाग ले रही हैं. उद्घाटन मैच शार्क स्टेट एफसी घाटो और एंजेल एफसी बॉयज़ लईयो टीम के बीच हुआ.सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि खेल जीत-हार के लिए नहीं, बल्कि संघर्ष कर आपसी सौहार्द बरकरार रखने के लिए खेला जाता है. उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी इसी प्रकार का फुटबॉल टूर्नामेंट 22 प्रखंडों में आयोजित किया गया था और इसका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना और नशामुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना है.उद्घाटन समारोह में दर्जनों टीमों के खिलाड़ी आकर्षक नमो जर्सी पहनकर मैदान में मार्च पास्ट करते हुए आए और सांसद के साथ नशा मुक्त जीवन जीने का संकल्प भी लिया. निर्णायक मंडल में जगमोहन महतो, नमन कुमार, जीवलाल महतो सहित अन्य गणमान्य सदस्य शामिल हैं.इस टूर्नामेंट की विजेता टीम को 25 हजार रुपए नगद, ट्रॉफी और मेडल से सम्मानित किया जाएगा, जबकि उपविजेता टीम को 15 हजार रुपए नगद के साथ ट्रॉफी और मेडल प्रदान किए जाएंगे. इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया जाएगा.उद्घाटन से पहले सांसद मनीष जायसवाल ने लुगू बाबा स्थल पर पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति और खुशहाली की कामना की. लुगू बाबा स्थल इस क्षेत्र का पवित्र स्थल माना जाता है, जहां जितिया पर्व के दौरान विशाल मेला लगता है और लोगों की गहरी आस्था जुड़ी है.सांसद के आगमन पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया. कार्यक्रम में रामगढ़ जिला भाजपा महामंत्री राजू चतुर्वेदी, घाटो भाजपा मंडल अध्यक्ष गिरधारी महतो, पूर्व अध्यक्ष रणधीर सिंह, मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे.इस प्रकार सांसद खेल महोत्सव-2025 के अंतर्गत नमो फुटबॉल टूर्नामेंट ने हजारीबाग में ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए सामाजिक और खेल भावना को बढ़ावा दिया.

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 76वें वन महोत्सव का आयोजन

उज्ज्वल भविष्य के लिए एक पौधा लगाएं : सांसद

शुभम संदेश ।चतरा

जिले के सिमरिया प्रखण्ड अन्तर्गत गोवा गांव स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में रविवार को 76 वां वन महोत्सव मनाया गया. महोत्सव का आयोजन वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल के सौजन्य किया गया. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद कालीचरण सिंह, विधायक (सिमरिया) कुमार उज्ज्वल दास, विधायक (चतरा) जनार्दन पासवान, जिप उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, एसडीओ सिमरिया सन्नी राज, बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद, दक्षिणी प्रमंडल डीएफओ मुकेश कुमार, उतरी प्रमंडल डीएफओ राहुल मीणा मुख्य रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम में अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया. कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चियों द्वारा एक से बढ़कर एक झारखंडी नृत्य संगीत प्रस्तुत किया गया. बच्चियों ने मनमोहक नृत्य संगीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि पेड़ पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग है. उन्होंने लोगो से कहा कि अपने जीवन में एक एक पौधा लगाये, भविष्य उज्ज्वल होगा. उन्होंने डीएफओ से पक्षियों के लिए पीपल, बरगद, करंज और जामुन का पेड़ पौधा लगाने को कहा, ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके. सांसद ने लोगो से सभ्य नागरिक बनकर वनों की रक्षा करने का संकल्प दिलाया. इस दौरान सांसद ने कहा कि मैं स्वयं सड़क के किनारे काफी पौधे लगाये है.

प्रत्येक मनुष्य को एक एक पेड़ लगाना और उसे बचाना चाहिए. सिमरिया विधायक ने कहा कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में वन का होना बहुत ही जरूरी है. किसी भी प्रदेश के लिए 33% भूभाग पर वन होना आवश्यक है. उन्होंने वन विभाग से सिमरिया में इक्को पार्क बनाने की मांग की, ताकि पर्यटन के रूप में विकसित हो सके. जिप उपाध्यक्ष ने कहा कि वन महोत्सव आजादी के 15 साल पहले से ही मनाते आ रहे है. किसान मनरेगा योजना के तहत प्लांटटेशन कर पौधा रोपण कर रहे है, साथ ही इसकी रक्षा कर जीवन को संवार रहे हैं. उन्होंने कहा कि चतरा में 25 एकड़ भूमि पर इक्कों पार्क का निर्माण किया जा रहा है. जिप उपाध्यक्ष ने वन विभाग से वन भूमि पर अफीम की खेती पर रोक लगाने पर जोर दिया. कडीएफओ ने कहा कि वनों को बचाने के लिए विभाग के साथ साथ वन समिति और ग्रामीणों का अहम योगदान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि वन सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे. उन्होंने लोगो को वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया. उन्होंने कहा कि हाथी गांव में ना आए इसके लिए सोलर लैंप का निर्माण किया जाएगा. कार्यक्रम के दौरान सांसद ने 150 लोगो के बीच हाथी से हुए नुकसान का मुआवजा, दस लोगो के बीच सोलर लैंप और दस लोगो के बीच चूल्हा का वितरण किया. इसके बाद अतिथियों के द्वारा विद्यालय परिसर में फलदार व छायादार पौधा लगाया गया. मौके पर प्रमुख रोहन साव, रेंजर सूर्यभूषण कुमार, डीईओ दिनेश मिश्र, जिप देवनन्दन साव, रोहिणी देवी, मुखिया नरेश साव, शकुंतला देवी, इफ्तेशाम प्रवीण, सुनीता कुमारी, चंदा देवी, अनिता देवी, अरविंद सिंह, दयानिधि सिंह, लखन प्रसाद साहू, प्रवीणचंद पाठक, वार्डन अनिता कुमारी, नीतेश्वरी कुमारी के अलावा वन समिति, वनरक्षी सहित कई अन्य लोग मौजूद थे.

राष्ट्र विरोधी ताकतों को संरक्षण दे रही सरकार: मनीष जायसवाल

रामगढ़। जिले के भुरकुंडा से हिंदू नेता राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद भाजपा उबल पड़ी है. रविवार के शाम सांसद मनीष जायसवाल रामगढ़ पहुंचे और उन्होंने राज्य सरकार पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को संरक्षण देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला का सहयोग करना हिंदू नेता राजेश सिन्हा को भारी पड़ गया. उन्होंने एक ऐसे अपराधी को पड़कर पुलिस को सौंपा था, जो आदिवासी महिला का यौन शोषण कर रहा था. उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था. पुलिस की लापरवाही से आरोपित आफताब अंसारी थाने से भागा और दुर्घटना का शिकार हो गया. लेकिन राज्य सरकार के मंत्रियों और सत्ता में शामिल नेताओं ने दबाव बनाकर अनैतिक तरीके से निर्दोष हिंदू नेता को साजिश का शिकार बनाया.रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में राजेश सिन्हा पर जो कार्रवाई की, उसकी भाजपा कड़ी भर्त्सना करती है. इस मौके पर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, रणंजय कुमार, रंजीत पांडे, राजीव जायसवाल, शीतल सिंह, राजू चतुर्वेदी, रंजन फौजी, धनंजय कुमार पुटुस, सरदार अनमोल सिंह, विजय जायसवाल, सूर्यवंश श्रीवास्तव सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे.कांग्रेसी नेताओं के जरिये भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर टिप्पणी की गई थी. सांसद मनीष जायसवाल ने उस टिप्पणी का भी करारा जवाब दिया है. उन्होंने कहा है कि एक आदिवासी महिला के साथ अन्याय हुआ.

बुद्धिजीवी मंच का प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

शिक्षा के क्षेत्र में बुद्धिजीवी मंच अमिट छाप छोड़ रहा है: चौधरी

शुभम संदेश ।रामगढ़

बुद्धिजीवी मंच, बरकाकाना क्षेत्र द्वारा सामुदायिक भवन नया नगर बरकाकाना में क्षेत्र के पांच उच्च विद्यालयों के टॉप टेन अर्थात कुल 50 विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित की गया. समारोह की आगाज मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली द्वारा स्वागत भाषण से किया गया. उसके बाद उद्घाटन भाषण मंच के सचिव डॉ शाहनवाज खान ने दिया जबकि धन्यवाद ज्ञापन नेपाल विश्वकर्मा ने किया. मंच संचालन में पंचदेव करमाली और स्वेता यादव ने संयुक्त रूप से किया.समारोह के मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश चौधरी ने विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बुद्धिजीवी मंच एक मिसाल है इंकलाब का अन्य विषयों के साथ सबसे ज्यादा जोर शिक्षा के क्षेत्र में दे रहा है. विशिष्ट अतिथि सीसीएल सेंट्रल रिपेयर शॉप बरकाकाना के महाप्रबंधक प्रवीन कुमार ने कहा कि बुद्धिजीवी मंच जो जागरूकता फैलाने और क्षेत्र को सही दिशा देने में बहुमूल्य योगदान दे रहा है.समारोह में उपस्थित बच्चों की प्रेरक और मार्गदर्शक भाषण देने वालों में मनोज महतो, पनेश्वर महतो, डॉ मनोज अगरिया, अध्यक्ष प्रदीप करमाली, सचिव डॉ शाहनवाज खान, सब इंस्पेक्टर विक्की करमाली, अधिवक्ता उमेश महतो, सुशील कुमार बुद्धिजीवी मो सलीम मुख्य रूप से शामिल थे. अलावा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भी समारोह को संबोधित किया. मौके पर नीता बेदिया, संजय शर्मा, संजय लाला, सतपाल वोहरा, मुंगालाल करमाली, भीष्म महतो, नरेश प्रजापति, दिलदार अंसारी, जलील अंसारी, आफताब आलम, मो इमरान, दिनेश करमाली, भगवान सिंह, जितेंद्र दास, मदन दांगी, शिबू महतो आदि उपस्थित थे.

खेल में भी बनाया जा सकता है बेहतर भविष्य: कल्याणजी प्रसाद

शुभम संदेश ।रामगढ़

सीसीएल रजरप्पा स्थित डीएवी मैदान में चल रहे दो दिवसीय डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स क्लस्टर लेबल नेटबॉल एंड एथलेटिक्स मीट 2025 का रंगारंग कार्यक्रम के बीच रविवार को समापन किया गया. समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रजरप्पा क्षेत्र के महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद व विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिला एथलेटिक्स एशोसिएशन के अध्यक्ष सीडी सिंह मौजूद थे. मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल को खेल भावना से खेले. हार जीत खेल का हिस्सा हैं पर इसमें निराश होने की जरूरत नही हैं. वर्तमान में जितना जरूरी शिक्षा है, उतना खेलकूद भी हैं. खेल में भी बेहतर भविष्य बनाया जा सकता हैं. उन्होंने आगे कहा कि नेशनल स्पोर्ट्स क्लस्टर लेबल टूर्नामेंट का रजरप्पा में होना हमारे क्षेत्र के लिए गौरव की बात हैं. इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत डीएवी रजरप्पा के प्राचार्य डॉ एसके शर्मा द्वारा बुके देकर किया गया. समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सफल प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया. मौके पर प्राचार्य डॉ एसके शर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत से ही सफलता मिलती है . उन्होंने आगे कहा कि क्लस्टर लेवल की प्रतियोगिताओं के विजेता अगले महीने राज्यस्तरीय टूर्नामेंट खेलेंगे. कार्यक्रम संचालन शिक्षिका अंजनी पांडेय व नंदिता गुप्ता ने किया. मौके पर डीएवी तापिन के प्राचार्य यूके रॉय, डीएवी बरकाकाना के प्राचार्य मो मुस्तफा माजिद, डीएवी आरा के प्राचार्य आलोक कुमार, डीएवी उरीमारी की प्राचार्या डॉ सोनिया तिवारी, डीएवी रजरप्पा के खेल शिक्षक मनीष कुमार, शुभलता कुमारी सहित कई मौजूद थे.

जेपीएससी में सफलता पर सांसद ने सम्मानित किया

चतरा। सांसद कालीचरण सिंह ने रविवार को चतरा स्थित अपने आवास पर जिले के गिद्धौर प्रखण्ड भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष लखन दांगी के सुपुत्र विश्वजीत कुमार को जेपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मानित किया. विश्वजीत कुमार को झारखंड वित्त सेवा में चयनित होने पर सांसद ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर मिठाई खिलाई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इस अवसर पर सांसद श्री सिंह ने कहा कि विश्वजीत कुमार की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे चतरा जिला सहित गिद्धौर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी है. उन्होंने कहा कि परिश्रम और लगन से किसी भी मुकाम को पाया जा सकता है, और विश्वजीत कुमार ने यह साबित कर दिखाया है. सांसद ने युवाओं से अपील की कि वे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें और समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं.

रोड

वर्षों बाद रहनुमा बन कर पुरनपनिया पहुंचे डीसी, दी सड़क की सौगात

अब पक्की सड़क पर चल कर लोग पहुंचेंगे पुरनपनिया

शुभम संदेश ।हजारीबाग

इचाक प्रखंड मुख्यालय से लगभग 23 किलोमीटर दूर जंगलों में बसा आदिवासी बहुल गांव पुरनपनीया में अब पक्की सड़क पहुंचेगी. यहां के ग्रामीण पगडंडी और कच्ची सड़क से आवागमन करते थे. यहां के ग्रामीणों का वर्षों का सपना था कि आवागमन के लिए गांव तक पक्की सड़क बने जो अब पूरा होता दिख रहा है. पुरनपनीया गांव डाडी घाघर पंचायत का एक गांव है जहां 60 से 65 घर आदिवासी परिवार रहते हैं. यह गांव जंगलों ई और पहाड़ों से घिरा है. फॉरेस्ट के द्वारा एनओसी नहीं मिलने के कारण गांव अब तक सड़क से महरूम रहा.

कई बार सड़क बनाने की मांग को लेकर यहां के ग्रामीण आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर डीसी और सरकार तक फरियाद कर चुके है, मगर उनकी मांग पूरी नहीं हुए. हजारीबाग के नए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को जब इसकी जानकारी मिली तो वे पानी में भींगते पुरनपनीया गांव पहुंच गए. वहां ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिल समस्या को नजदीक से जाना और स्थल से ही वन विभाग और पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी से बात कर सभी अड़चनों को दूर करने को कहा. 10 दिन बाद ही पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी और वन विभाग के पदाधिकारी पुरनपनीया गांव तक पथ निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी. पथ निर्माण विभाग द्वारा स्थल का मुआयना कर डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. अब ऐसा प्रतीत हो रहा की ग्रामीणों की वर्षो की प्रतिक्षा समाप्त होने वाली है. बता दें कि गांव में सड़क नही होने के कारण प्रसव से कराहती महिला और बीमार मरीज को खाट के सहारे अस्पताल पहुंचाया जाता था. कई बार खाट पर ले जाते मरीज अखबारों की सुर्खियां भी बनी है. स्थानीय मुखिया नंदकिशोर मेहता ने बताया कि मैं यहां की समस्या को लेकर वर्षों से प्रयासरत था. कई बार पूर्व में भी डीसी, सांसद, विधायक को समस्या से अवगत कराया था मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया. जब नए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मिलकर आवेदन सौंपा और मामले से अवगत कराया तो उन्होंने मामले का संज्ञान लिया और खुद पुरनपनीया गांव पहुंच गए. आज सड़क निर्माण के लिए मापी हो रही उम्मीद है जल्द सड़क बन जाएगी और यहां के ग्रामीणों का वर्षों का सपना पूरा होगा.

एक नजर

चौपारण में आवारा मवेशियों का बढ़ता आतंक

चौपारण। जीटी रोड, चतरा रोड समेत प्रमुख मार्गों पर आवारा मवेशियों का आतंक बढ़ता जा रहा है. खासकर बरसात के मौसम में पशुपालकों की लापरवाही के कारण मवेशी खुलेआम सड़कों पर घूमते नजर आते हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है. दिन में वाहन चालक सावधानी बरत लेते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में अचानक मवेशियों के सामने आने से कई सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें जान-माल की भारी क्षति हुई है.कोडरमा और धनबाद जिलाधिकारियों ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सख्त निर्देश जारी कर मवेशियों को सड़कों से हटाने और मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया है, जिसका क्षेत्र में स्वागत किया जा रहा है.इसी बीच हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड के ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और वाहन चालक भी इस समस्या को लेकर जिला प्रशासन से अनुरोध कर रहे हैं कि वे भी इसी प्रकार का सख्त निर्देश जारी करें. उनका कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लापरवाही बड़े हादसों को जन्म दे सकती है. ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि वह आमजन की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए.

उम्मीद फाउंडेशन के नेतृत्व में 28 शिवभक्त रवाना होंगे

हजारीबाग। उम्मीद फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के महीने में भव्य निःशुल्क कांवर यात्रा का आयोजन किया जाएगा. जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक विजय सिंह ने दिया इस अवसर पर श्री सिंह ने बताया कि इस वर्ष 28 जुलाई को 110 शिव भक्तों का जत्था हजारीबाग स्थित पंचमुखी मंदिर से सुल्तानगंज के लिए रवाना होगा. कांवरियों के रवाना होने से पहले पंचमुखि मंदिर में आचार्य आशुतोष शास्त्री के नेतृत्व में रुद्राभिषेक और भंडारा का आयोजन किया जाएगा इस दौरान ढोल नगाड़े के साथ रीझ रंग करते नगर भ्रमण किया जाएगा .इस यात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु शामिल होंगे पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है आगे श्री सिंह ने कहा कि सभी पंजीकृत कांवरियां को फोटो और मोबाइल नंबर सहित पहचान पत्र जारी किया जाएगा, जो यात्रा के दौरान सभी स्थलों पर प्रवेश का प्रमाण होगा . यात्रा में शामिल श्रद्धालु बस के माध्यम से सुल्तानगंज पहुंचेंगे. वहां से उत्तरवाहिनी गंगा जल भरकर पैदल बाबा नगरी देवघर जाएंगे और जल अर्पण के बाद बाबा बासुकीनाथ धाम में दर्शन कर बस से हजारीबाग लौटेंगे. यह यात्रा कुल छ दिनों की होगी. मौके पर फाउंडेशन के सचिव निरंजन भारती, धर्मेंद्र सिंह, प्रतीक सिंह, संतोष साहू, सुमन राज टाइगर, नयन कुमार, दीप नारायण साहू, सोनू, अर्जुन यादव उपस्थित रहे .

जीएम ने टोरी-शिवपुर रेलखंड का औचक निरीक्षण किया

चतरा। हाजीपुर रेल जोन के जीएम छत्रपाल सिंह और धनबाद रेल डिविजनल के डीआरएम अखिलेश मिश्रा शनिवार को टोरी और अम्रपाली के शिवपुर रेलवे साइडिंग निरीक्षण करने पहुंचे थे. इससे पूर्व दोनों अधिकारियों ने टोरी-शिवपुर रेलखंड का भी औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान हाजीपुर रेल जोन के जीएम और डीआरएम ने शिवपुर कोल साइडिंग का जायजा लिया. कोयला परिवहन में बढ़ोतरी को लेकर रेलवे अधिकारियों और सीसीएल के सीएमडी एनके सिंह को आवश्यक निर्देश दिये गये. रेल जोन जीएम ने साइडिंग संचालन में सभी मानकों और नियमों का कड़ाई से पालन करने का सख्त निर्देश दिया. रेलवे के एक अधिकारी ने बताया शिवपुर साइडिंग में निरीक्षक में कई खामियां देखा गया. साइडिंग संचालन में कई नियमों होती जो नही मिला, वही कुछ खामियां को छुपाने का प्रयास किया गया. मौके पर मुख्य परिचालन प्रबंधक प्रभात कुमार, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक इंदु रानी दुबे, आरपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट, स्टेशन अधीक्षक रंजीत कुमार, यातायात निरीक्षक संजय कुमार, आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी रंजीत रंजन सहाय, सौरभ कुमार सहित अम्रपाली के जीएम अमरेश सिंह अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे.

मिनी बस अनियंत्रित होकर पलटी, चार लोग घायल

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्यमार्ग के एनएच 20 पर स्थित जामूखांडी में रविवार को एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गए. जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. मिली जानकारी के अनुसार राजनंदनी नामक एक मिनी बस हजारीबाग से सवारी लेकर बरही के रास्ते झुमरीतिलैया आ रही थी. इसी बीच जामुखांडी के समीप बस का पिछला टायर ब्लास्ट हो गया. जिससे बस चालक घबरा गया और बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और वहीं पर पलट गई. जिससे बस में बैठे चार लोग घायल हो गए. जिसे स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया. जहां सभी का ईलाज जारी है. घायलों में एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है. इधर बस पलटने के बाद से बस चालक व खलासी फरार है. वहीं घटना की सूचना मिलते ही चंदवारा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल में जुट गई. पुलिस फिलहाल बस को सड़क से उठाकर थाना लाने में जुटी हुई है. घायलों में शावना खातून, रवि पासवान और दुर्गेश्वरी पासवान का ईलाज सदर में जारी है, जबकि एक अन्य को हल्की चोटें आने के कारण वे अपने घर चले गए हैं.

अफताब के हत्यारों पर दर्ज हो हत्या का केस : साजिद

हजारीबाग : रामगढ़ अफताब अंसारी हत्याकांड पर हजारीबाग जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष सह कांग्रेस नेता साजिद अली खान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है की अफताब अंसारी हत्याकांड भारत के संविधान,कानून एंव इंसानियत के साथ साथ झारखंड प्रदेश की एकता एंव अखंडता पर हमला है . पुलिस हिरासत मे लाये गए अफताब अंसारी अखिरकार गायब कैसे हुआ फिर युवक मृत अवस्था में कैसे मिला. ये पूर्ण रुप से सुनियोजित ढंग से की गई साजिश प्रतित होता है जो जाचोपंरात ही स्पष्ट हो पाएगा उक्त पूरे प्रकरण कि सीआईडी जांच की जानी चाहिए जिससे कोई भी दोषी हो बच नही पाये .साजिद ने इस बर्बरतापूर्ण हत्याकांड पर आगे प्रतिक्रिया देते हुए कहा की ₹ झारखंड में कानून व्यवस्था ध्वस्त कर भाजपा अपनी धार्मिक उन्माद वाली व्यवस्था लागू कर प्रदेश का माहौल खराब करना चाहती है .साजिद अली ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को इस पूरे प्रकरण की जानकारी है .अफताब को न्याय दिलाने के लिए सख्त से सख्त शीघ्र कार्रवाई कि अवश्यकता है. बरही के रूपेश पाण्डेय हत्याकांड मामले कि तरह मृतक अफताब अंसारी के परिजनो को शीघ्र आर्थिक सहयोग के रूप दस लाख रुपए एंव मृतक के परिजनो को सरकारी नौकरी दें .

ब्रीफ न्यूज

सावन की तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़

पिपरवार। सावन की तीसरी सोमवारी के पावन अवसर पर कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है. इस मौके पर मंदिर कमेटी ने जलाभिषेक सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष इंतजाम किए हैं. मंदिरों में साफ-सफाई के साथ जलाभिषेक के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की गई है ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपने आस्था के अनुसार पूजा कर सकें. बचरा चार नंबर चौक स्थित जय बाबा सिद्धेश्वर नाथ शिव मंदिर में भी सावन की तीसरी सोमवारी पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं.

श्री दक्ष प्रजापति के जयंती सम्मेलन में शामिल हुए युवा

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बेंती पंचायत के प्रजापति युवा संगठन के सदस्यों ने रविवार को चतरा में आयोजित महाराजा श्री दक्ष प्रजापति की जयंती सम्मेलन में हिस्सा लिया. संगठन के अध्यक्ष सिकेन्द्र प्रजापति के नेतृत्व में सभी सदस्य बेंती बाजार के पास एकत्रित हुए और एकसाथ वाहनों पर सवार होकर सम्मेलन स्थल के लिए रवाना हुए. कार्यक्रम में प्रजापति युवा संगठन के कई सदस्य शामिल हुए, जिनमें अध्यक्ष सिकेन्द्र प्रजापति के साथ उमेश प्रजापति, दिलीप प्रजापति, भोला प्रजापति, सुगन प्रजापति प्रमुख थे. सम्मेलन में महाराजा दक्ष प्रजापति की जीवन गाथा और उनके योगदान पर चर्चा की गई .

महामंत्री बनने पर कोलफील्ड मजदूर यूनियन ने दी बधाई

पिपरवार। कोलफील्ड मजदूर यूनियन के महामंत्री राघवन रघुनंदन को हिंद मजदूर खदान फेडरेशन का सहायक महामंत्री नियुक्त किए जाने पर कोलफील्ड मजदूर यूनियन पिपरवार क्षेत्रीय समिति के सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है. इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अनिल कुवंर, क्षेत्रीय सचिव भीम सिंह यादव, रामू गोप, गांधीराम साहू, बलदेव महतो, रविंद्र सिंह, हरिवंश मेहता, रूपलाल महतो, सुरेश कुमार सहित अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद थे. सभी ने रघुनंदन के इस नए पद के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता एवं समर्पण से मजदूरों के अधिकारों की रक्षा और सुधारों में नया आयाम जुड़ेगा. उनका यह पद मजदूर समुदाय के लिए गर्व का विषय है और इससे मजदूर वर्ग को और भी मजबूती मिलेगी. उन्होंने आशा जताई कि रघुनंदन नई जिम्मेदारी निभाते हुए मजदूरों के हित में लगातार कार्य करेंगे और उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में अहम भूमिका निभाएंगे.

रांगामाटी चौक के पास वाहन की टक्कर से दो युवक घायल

तमाड़। रांची-टाटा मार्ग पर रांगामाटी चौक के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना में घायल युवकों की पहचान जमशेदपुर निवासी विवेक कुमार और शंकर कुमार सिंह के रूप में हुई है. दोनों मोटरसाइकिल से रांची से जमशेदपुर लौट रहे थे. मिली जानकारी के अनुसार कीर्तनडीह चौक के पास पीछे से आ रही एक अज्ञात ट्रक ने मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए. आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है.

गुमला के बसिया में नशे में बाइक सवार युवकों ने खड़े ट्रक में मारी जोर की टक्कर

दो युवकों की मौत, एक घायल रिम्स रेफर

शुभम संदेश । गुमला

जिले के बसिया प्रखंड मुख्यालय में रांची-सिमडेगा मुख्य पथ पर हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई.

मिली जानकारी के अनुसार बसिया पेट्रोल पम्प के निकट स्थित पुरुषोत्तम राम चक्रवर्ती के फ़ास्ट फ़ूड होटल में काम करने वाले दो मिस्त्री रविवार होने के कारण होटल को बंद कर छुट्टी मना रहा थे. इसमें से दो मिस्त्री कामडारा के गरई निवासी रामजीत महतो (30), नेपाल निवासी जीवन थापा (28) और शिवपुरी बसिया निवासी रामा गोप उर्फ छोटू (30) रामजीत महतो के घर गए . वहां खाना के साथ नशा का सेवन किया और लोग बसिया लौट गये .इसके बाद बसिया पेट्रोल पम्प में काम कर रहे रामजीत अपने भाई से मोटरसाइकिल लिया और एक ही मोटरसाइकिल में बैठकर तीनो कोनबीर की और आए थे. बाईक की रफ्तार काफी तेज थी और तीनों नशे की हालत में थे.

जहां से लौटने के क्रम में मनोज साहु के घर के निकट एक खड़ी ट्रक को मोटरसाइकिल से पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इसमें रामजीत महतो और जीवन थापा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

वहीं गंभीर रूप से घायल रमा गोप उर्फ़ छोटू को ग्रामीणों की मदद से रेफरल अस्पताल में भर्ती किया गया. जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर कर दिया गया. रांची ले जाते वक्त रास्ते में ही रामजीत उर्फ़ छोटू ने भी दम तोड़ दिया. बताया जाता है कि तीनों तेज रफ़्तार से कोनबीर की ओर से बसिया लौट रहे थें.उल्लेखनीय है कि अत्यधिक नशापान और अनियंत्रित वाहन चालन के कारण लगभग हर महीने आधा दर्जन से अधिक युवाओं की मौत हो रही है. अनियंत्रित वाहन चालन के कारण सिर्फ बसिया क्षेत्र में पिछले छह महीने के अंदर लगभग 20 से भी अधिक युवकों की दुर्घटना में मौत हो चुकी है.

बस और दो ट्रकों की टक्कर में एक की मौत

सिमडेगा। सिमडेगा से रांची जा रही मूनलाइट यात्री बस रविवार को कोलेबिरा घाटी में दो मालवाहक ट्रकों से टकरा गई, जिससे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 10:45 बजे मूनलाइट बस यात्रियों को लेकर रांची की ओर रवाना हुई थी. कोलेबिरा घाटी में ओवरटेक के प्रयास में बस एक ट्रक से आमने-सामने टकरा गई, और उसी समय पीछे से एक अन्य ट्रक भी आकर भिड़ गया. टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. हादसे में बस के खलासी रोशन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक अनूप क्षतिग्रस्त केबिन में फंस गया, जिसे स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला. घायलों में बस का कंडक्टर सुरजीत सिंह, यात्री क्रिस्टीना, इसीका डुंगडुंग, कॉर्नेलियस डुंगडुंग और एक बच्ची शामिल हैं. स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है.पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है.

कारगिल विजय दिवस पर डीसी डॉ. ताराचंद ने दी सैनिकों को श्रद्धांजलि, कहा

हमारे सैनिकों ने कारगिल की चोटियों पर तिरंगा लहराया

शुभम संदेश। लोहरदगा

सदर प्रखंड मुख्यालय के नये नगर भवन में भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट लोहरदगा द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में ₹ऊर्जित भारतीयम् दिवस₹ के रूप में समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. ताराचंद, उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों को सम्मानित किया.

कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने कहा कि वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान हमारे वीर सैनिकों ने दुश्मन देश पाकिस्तान के नापाक इरादों को पूरी तरह से विफल कर दिया. उन्होंने बताया कि उस समय पाकिस्तान ने यथास्थिति बदलने का प्रयास किया था, लेकिन हमारे सैनिकों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद युद्ध लड़कर विजय हासिल की और तिरंगा कारगिल की चोटियों पर लहराया. डॉ. ताराचंद ने कहा, जब हम घरों में चैन की नींद सो रहे होते हैं, तब हमारे सैनिक सीमा पर कड़ी पहरेदारी करते हैं.

हमें सैनिक परिवारों के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए और उनके सुख-दुख में साथ देना चाहिए.उन्होंने आगे कहा कि एक सैनिक अपने परिवार को छोड़कर देश की रक्षा के लिए सीमा पर खड़ा रहता है और जिला प्रशासन भी हर परिस्थिति में सैनिक परिवारों के साथ खड़ा है.

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने भी कहा कि कारगिल में हमारे सैनिकों ने अद्भुत वीरता दिखाई और विजय प्राप्त की.

उन्होंने यह भी कहा कि केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि देश के अंदर भी हमें भेदभाव समाप्त कर एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा ताकि भारत विश्वगुरू बन सके. कार्यक्रम में आजीवन संरक्षक डॉ. टी. साहू ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने देश सेवा में सिपाही के रूप में कई साल लगाए हैं और देश की जरूरत पड़ने पर हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहेंगे.

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धर्मराज महतो, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे. कार्यक्रम का समापन सभी शहीदों के सम्मान में एक मिनट का मौन रखकर किया गया. इस आयोजन ने सैनिकों के साहस और बलिदान को याद करते हुए एकजुटता और देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया.

मुठभेड़ में मारे गए दो उग्रवादियों के शव लेने पहुंचे परिजन

शुभम संदेश। गुमला

पुलिस और नक्सली संगठन जेजेएमपी के साथ मुठभेड़ में मारे गए दिलीप लोहरा और समुद्र लोहरा के परिजन समाचार पत्रों में खबर पढ़ने के बाद घाघरा थाना पहुंचे.जहां से समुचित कागजी कार्रवाई के बाद उग्रवादियों का शव को लेने के लिए परिजनों को गुमला सदर अस्पताल पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया.उग्रवादियों के परिजन अपने-अपने शव लेकर गांव में लेकर अंतिम संस्कार भी कर दिए.दिलीप के भाई बीगू लोहरा ने दिलीप का शव लिया वहीं समुद्र का शव को उसके पिता साधु लोहरा ने लिया.दिलीप के भाई बीगू बताता है कि दिलीप 2012 में जेजेएमपी उग्रवादी संगठन में शामिल हुआ था.उग्रवादी संगठन में शामिल होने का कारण बताया कि उसके जीजा और बहन की हत्या डायन बिसाही के आरोप में आंजन कासी टोली में 2011 में कर दिया गया था. उसी का प्रतिशोध में वह उग्रवादी संगठन ज्वाइन किया. जिसके बाद से कई बार परिवार वालों ने उसे सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन अंतिम में पुलिस के हाथों मारा गया. बिगू ने बताया कि दो महीने बाद सितंबर महीना में दिलीप सरेंडर करने वाला था इसको लेकर के गुमला के एक वकील से कानूनी सलाह भी दो दिन पूर्व लिया जा चुका था.दिलीप सात भाई बहन में सबसे छोटा था.दिलीप का भाई बिगु राज मिस्त्री का काम करता है वहीं एक और भाई मोहित ट्रैक्टर चला कर अपना जीवन यापन करता है. दिलीप की पत्नी और 4 साल की बेटी और 6 महीने का बेटा भी है. वही समुद्र के पिता साधु लोहरा बताते हैं कि उसका चार बेटा है. जिसमें सबसे बड़ा समुद्र था. सभी परिवार ईट भट्ठा में काम करने के लिए हर साल जाते थे.साथ में समुद्र भी जाता था.दो महीने पहले समुद्र ने बताया कि वह इस बार ईट भट्ठा नहीं जाकर चेन्नई कंपनी में काम करने जा रहा है.हम लोगों ने खुशी-खुशी उसे दो महीना पहले घर से भेजा इसके बाद से कोई संपर्क नहीं था. वह दिलीप के प्रभाव में आकर जेजेएमपी संगठन में चला गया और अंतिम में पुलिस की गोली के साथ उसकी मौत हो गई.साधु बताता है कि समुद्र उससे झूठ बोलकर गुमराह किया और धोखा दिया वह समुद्र को कभी माफ नहीं करना चाहता है.

श्री राम बॉल बियरिंग्स के अस्थाई कामगारों की बैठक

रातू। श्री राम बॉल बियरिंग्स लिमिटेड (एसबीएल) कंपनी के अस्थाई कामगारों की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को कंपनी गेट पर आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता अरुण उरांव ने की. बैठक में अस्थाई मजदूरों ने एकजुट होकर कंपनी से अपने बकाया वेतन और मुआवजा राशि की मांग की. कामगारों का कहना था कि जिस प्रकार स्थाई कर्मचारियों को मुआवजा दिया गया है, उसी आधार पर अस्थाई मजदूरों को भी समान मुआवजा मिलना चाहिए. बैठक में मजदूर नेता रमाकांत गुप्ता, उदय साहु, मिथलेश मिश्रा, सुरेन्द्र गोप, कृष्ण उरांव, अमित देवरिया और केशव तिवारी सहित कई लोग उपस्थित थे.

डेवीडीह और उरुं गांव में सर्प दंश से दो लोग अचेत

शुभम संदेश गुमला

जिले के अलग-अलग प्रखंडों में सर्प दंश से दो लोग घायल हो गए.शनिवार के शाम 6 बजे दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है.पहली घटना गुमला थाना क्षेत्र के डेवीडीह गांव की है जहां 40 वर्षीय एतवा उरांव खेत से काम कर अपने घर लौट रहा था.तभी रास्ते में पैर के नीचे सांप आ गया.सांप उसके पैर को काटकर तेजी से बिल में घुस गया. जानकारी के मुताबिक एतवा खेत से काम कर घर लौट रहा था रास्ते में पैर हाथ धोने के लिए चूआँ जा रहा था तभी एक सांप उसके पैर को काट लिया.इसके बाद घर आकर उसने कटे हुए स्थान पर तुलसी लगाया. दूसरी घटना कुरूम गढ़ थाना क्षेत्र के उरूं गांव की है जहां 61 वर्षीय फ्रांसिस टोप्पो अपने घर के आंगन में बाथरूम से निकल रहे थे.तभी एक करेंत सांप उनके पैर के नीचे आ गया.जिसके बाद उसके पैर को डस लिया.वृद्ध सोचा की कुछ नहीं होगा वही गांव के एक व्यक्ति ने गुड में जड़ी बूटी मिलकर उसे खाने के लिए दिया.लेकिन शाम होने तक उसके पैर में तेज लहर व जलन होने लगी. जिसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया.

अभय कुजूर बने जेपीएससी में झारखंड स्टेट टापर्स, बधाइयों का लगा तांता

पूर्व डीसी दिलीप कुमार टोप्पो के मार्गदर्शन में रचा सफलता का इतिहास

लोहरदगा। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में खूंटी जिले के गोविंदपुर निवासी अभय कुजूर ने अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए राज्य में अनुसूचित जनजाति (ST) कोटे से स्टेट टॉपर और सामान्य श्रेणी (General) में झारखंड राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है. अभय ने यह सफलता लोहरदगा के पूर्व उपायुक्त दिलीप कुमार टोप्पो के मार्गदर्शन और माता-पिता के आशीर्वाद से प्राप्त की है. अभय कुजूर शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं.

उनके पिता स्वर्गीय अविनाश कुजूर भारतीय सेना में सेवा देते हुए शहीद हो गए थे. अभय की मां सुशीला कुजूर बेटे की इस सफलता से गदगद हैं. अभय की प्रारंभिक शिक्षा संत अलोइज स्कूल, रांची से हुई, इंटरमीडिएट सुरेन्द्रनाथ चटर्जी कॉलेज से, बीए उन्होंने जेवियर्स कॉलेज, रांची से तथा पीजी रांची कॉलेज से पूरा किया.अभय ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व डीसी दिलीप कुमार टोप्पो को देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा ने उन्हें लगातार मेहनत करने की ताकत दी. उन्होंने कहा कि यदि दिल से मेहनत की जाए तो कोई भी कठिन लक्ष्य हासिल किया जा सकता है.पूर्व उपायुक्त दिलीप कुमार टोप्पो ने भी अभय को बधाई देते हुए कहा कि वह शुरू से ही परिश्रमी और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्र था.

भाजपा नेता इमरान खान ने किया ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन

रातू। रविवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा रांची जिला ग्रामीण क्षेत्र के अध्यक्ष इमरान खान ने रातू प्रखंड अंतर्गत हुरहुरी पंचायत के अली नगर गांव में 63 केवीए के नए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया. इस गांव में अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं था, जिससे ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था. लोग बांस के सहारे दूर-दराज से बिजली खींचते थे. ग्रामीणों ने पहले हटिया विधायक नवीन जयसवाल को इस समस्या से अवगत कराया था. इसके बाद इमरान खान ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर लगातार प्रयास किया. उनकी पहल पर विभाग ने नया ट्रांसफॉर्मर, पोल और तार की व्यवस्था की. इमरान खान ने फीता काटकर इसका विधिवत उद्घाटन किया. ट्रांसफॉर्मर लगने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और भाजपा नेता इमरान खान के प्रति आभार जताया.

परेशानी

गुमला में लगातार हो रही बारिश से जगह-जगह जलजमाव से लोगों की बढ़ी परेशानी

भारी वर्षा से टूटी पुलिया, प्रखंड मुख्यालय से कटा गांवों का संपर्क

शुभम संदेश। चैनपुर

चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में शंख नदी मोड़ से जनावल तक लगभग साढ़े चार किलोमीटर सड़क निर्माण में तकनीकी खामियां का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है. शुक्रवार को हुई भारी बारिश में जनावल और बंडोटोली के बीच का पुलिया टूट गया. जिससे बीजापाठ, कांकरंग पाठ, जनावल, जरहा टोली और बुंडू टोली के ग्रामीणों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट गया. आवाजाही बाधित हो गया है. स्कूली बच्चों को भी भारी कठिनाई हो रही है. पंचायत में बने अस्पताल तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया है. ज्ञात हो कि शंख मोड़ से जनावल तक रोड तो बना लेकिन नया प्राक्कलन में

पुलिया नहीं था.

संपर्क पथ कटने से लोगों की बढ़ी चिंता : जिस कारण पुराना पुलिया पर ही रोड बना दिया है. ग्रामीण पवन तिग्गा, विनिता तिग्गा, रेणु बाड़ा ने कहा कि पुरानी पुलिया पर नया रोड का निर्माण जनता के साथ धोखा हुआ है. जर्जर पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से खतरा हो सकता है. आवाजाही के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता भी नहीं है. वार्ड सदस्य जीवित बाड़ा ने पुलिया टूटने के बाद स्कूली बच्चों को लेकर चिंतित हैं.

जिप सदस्य ने डीपीआर निर्माण पर उठाए सवाल : जनावल व बोंडोटोली के बीच पुलिया टूटने की घटना को जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने गंभीरता से ली है और इसे पूर्ण रूप से अधिकारियों की लापरवाही करार दी है. कहा कि वाहन गुजरने के दौरान पुलिया के टूटने से जान माल की क्षति हो सकती थी. जिप सदस्य ने कहा कि रोड निर्माण के डीपीआर पर ही पुलिया का प्राक्कलन बनना चाहिए था. जर्जर पुलिया में रोड का निर्माण कराना विभाग अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है.

आदिम जनजाति की गर्भवती महिला को पति ने पीठ पर लादकर पहुंचाया अस्पताल

चैनपुर (गुमला)। आजादी के 75 साल पूरा होने पर देश एक ओर अमृत महोत्सव मना रहा है वहीं झारखंड राज्य भी सिल्वर जुबली वर्ष मनाने की ओर आगे बढ़ रहा है. आदिम जनजातियों के विकास के लिए अनेकों योजनाएं उनके घर तक पहुंचाने का दावा कर जहां अपना पीठ थपा-थपा रही है, वहीं चैनपुर प्रखंड के कातिंग पंचायत स्थित ब्रह्मपुर जोबला पाठ की आदिम जनजाति के सदस्य सुरेंद्र कोरवा की गर्भवती पत्नी गुड़िया देवी को प्रसव पीड़ा होने पर एंबुलेंस को सूचना दी गई लेकिन एंबुलेंस आधा दूर में आ कर रुक गई. इसका कारण गांव तक पहुंचने के लिए सुलभ संपर्क पथ नहीं है. गर्भवती महिला को सुरेंद्र कोरवा ने पीठ पर ढोकर जोबला पाठ से ब्रह्मपुर तक लाया गया उसके बाद उसे एंबुलेंस की सुविधा मिली. गांव में बुनियादी मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है.

एक नजर

स्थानीय छोटे वाहन चालकों की बैठक संपन्न

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा पंचवटी सभागार में स्थानीय छोटे वाहन चालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई. इस बैठक की अध्यक्षता जनता मजदूर संघ के जोनल सचिव प्रताप यादव ने की. बैठक में छोटे वाहन चालकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके अधिकारों को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए. बैठक में मुख्य रूप से स्थानीय वाहन चालकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, बीटीसी, सीएमपीएफ एवं पेंशन जैसी सुविधाएं प्रदान करने की मांग की गई. साथ ही वाहन चालकों के लिए ड्रेस कोड लागू करने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने, मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने और नियमित हाजिरी बनाने की भी बात कही गई. वाहन चालकों ने बताया कि सीसीएल प्रबंधन को उनकी मांगों का ज्ञापन पहले भी दिया जा चुका है. प्रताप यादव ने बताया कि 28 जुलाई को प्रबंधन एवं वाहन चालकों के बीच वार्ता होगी, जिसमें उनकी सभी मांगों पर चर्चा की जाएगी. यदि वार्ता में उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 5 अगस्त को वाहन चालक एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेंगे. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगर किसी ऑनर के द्वारा चालकों को हटाया गया तो सभी वाहन चालक एकजुट होकर आंदोलन करेंगे. वाहन चालकों ने वर्तमान में मजदूरी कम मिलने के कारण महंगाई में हो रही कठिनाइयों को उजागर करते हुए 22 हजार रुपये वेतन भुगतान की मांग की. इस मौके पर बबलू राम, पीपी बरियार, किशुन महतो, मुकेश महतो, विकी कुमार, सोनू लोहार, अशोक कुमार महतो, मोहम्मद रिंकू, कीर्तन गोप, निखिल कुमार सहित अनेक वाहन चालक मौजूद थे.

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बहेरा पंचायत भवन में कश्यप मेमोरियल नेत्र अस्पताल, रांची के द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में गांव के सैकड़ों लोग अपनी आंखों की जांच कराने पहुंचे और सभी को निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गईं. कश्यप मेमोरियल अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर अहमद रशीद ने सभी उपस्थित लोगों का बारीकी से नेत्र परीक्षण किया. डॉक्टर अहमद रशीद ने बताया कि शिविर में आंखों की विभिन्न समस्याओं जैसे आंखों में जलन, लालिमा, दर्द, पानी आना, दूर की धुंधली दृष्टि, नजदीक की दृष्टि में कमी आदि की जांच की गई. साथ ही, मोतियाबिंद जैसी गंभीर बीमारियों की भी पहचान की गई. गंभीर रोगियों को कम शुल्क में चश्मा भी उपलब्ध कराया गया ताकि उनकी दृष्टि में सुधार हो सके. जांच के बाद लोगों को आंखों की देखभाल और संबंधित समस्याओं से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी गई. शिविर में मुख्य रूप से रूप सिंह, शीला देवी, करण महतो, मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद असगर, मोहम्मद जमाल, फहीम रजा, अब्दुल रउफ, मोहम्मद एजाजुक सहित कई स्थानीय लोग मौजूद थे .

गुमला में नुकसानदायी साबित हो रहा है अतिवृष्टि

गुमला। गुमला में पिछले एक माह से हो रही वर्षा अब नुकसानदायी साबित हो रहा है. जगह-जगह जल जमाव और कीचड़ से अब गली मुहल्ला किच-किच हो गया है. ग्रामीण क्षेत्रों से प्रत्येक दिन कच्चा मकान गिरने की खबरें मिल रही है. गुमला थाना क्षेत्र के धोधरा गांव में शुक्रवार और शनिवार की रात आधा दर्जन लोगों के घर का दीवार गिर गया है. पूरा गांव जलजला हो गया है. जिन लोगों का घर गिरा है उनमें रामजी लोहरा, संजय सिंह, कल्याण सिंह, अर्जुन सिंह, भुनेश्वर सिंह आदि के नाम शामिल हैं. अन्य लोगों के घर का दीवार भी वर्षा के पानी से गिला हो गया है. लोगों का कहना है कि बारिश बंद नहीं होगा तो कई घरों के गिरने की संभावना है. ज्ञात हो कि कामडारा में दीवार के गिरने और मिट्टी से दबने के कारण एक वृद्ध की मौत हो गई है. इसी तरह लगभग ग्रामीण क्षेत्रों से वर्षा के कारण घर गिरने आदि की सूचना आ रही है. अति वृष्टि के कारण किसानों की भी परेशानी बढ़ गई है. खेती किसानी के अनुकूल मौसम नहीं है जिस कारण किसानों को काफी नुकसान होने की संभावना है.

हेसल में अगलगी से बकरी की मौत, लाखों की क्षति

लोहरदगा। सदर प्रखंड के हेसल ग्राम पंचायत में अगलगी की एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें सावना उरांव के परिवार को लगभग दो से ढाई लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है. पीड़ित की पत्नी आशा देवी ने बताया कि बीती रात मच्छरों से बचाव के लिए घर में अंडे की ट्रे का एक टुकड़ा जलाया गया था. रात करीब 12 बजे अचानक घर में आग की लपटें दिखने लगीं और बकरियों के रोने की आवाज सुनाई दी.परिवार के लोग और पड़ोसी तुरंत आग बुझाने में जुटे, लेकिन तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी. इस हादसे में तीन बकरियां झुलस गईं, जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो घायल हैं. आग से घर में रखा अनाज, आटा, कपड़े आदि पूरी तरह जलकर राख हो गए.आशा देवी ने बताया कि इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है. पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद और मुआवजे की मांग की है ताकि वे अपने जीवन को फिर से सामान्य कर सकें.

आज से हड़ताल पर रहेंगे 108 एंबुलेंस कर्मी

गुमला। झारखंड प्रदेश एबुलेंस कर्मचारी संघ के आह्वान पर एक बार फिर गुमला के 108 एंबुलेंस कर्मचारी 28 जुलाई दिन सोमवार को अनिश्चित कालीन हड़ताल पर रहेंगे. एंबुलेंस कर्मचारी के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान ने बताया कि पिछले आंदोलन में हुए समझौते पर सम्मान फाउंडेशन खरा नहीं उतरा. मानदेय भुगतान सहित कई मुद्दों को लेकर एंबुलेंस कर्मचारी आंदोलनरत थे. कर्मचारियों ने राज्य के सभी उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर 28 जुलाई से हड़ताल की सूचना दी है. दी गई सूचना में कहा है कि वे लोग सम्मान फाउंडेशन के अधीन काम करते हैं. फाउंडेशन राज्य सरकार और श्रम विभाग के निर्धारित मानक मापदंड को पूरा नहीं कर रहा है और कर्मचारियों का शोषण कर रहा है. कहा कि झारखंड में 108 एंबुलेंस पूर्ण रूप से बाधित रहेगा. किसी प्रकार की अप्रिय घटना के लिए संबंधित पदाधिकारी जिम्मेवारी होंगे.

गंदे जल की आपूर्ति से हाहाकार, लोग खरीद रहे मिनरल वाटर

बुंडू। बुंडू नगर में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) द्वारा लगातार गंदे जल की आपूर्ति से लोग परेशान हैं. नगरवासियों का कहना है कि पानी न तो फिल्टर किया जा रहा है और न ही उसमें फिटकरी या ब्लीचिंग पाउडर की गंध आती है, जिससे साफ जाहिर होता है कि बिना शुद्धिकरण के जलापूर्ति हो रही है. लोगों ने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी और पीएचईडी के अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई. यहां तक कि शांति समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया, जिसमें एसडीएम समेत कई अधिकारी उपस्थित थे. नागरिकों का कहना है कि यदि बरसात में डायरिया जैसी बीमारियां फैलती हैं, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पंचायत और पीएचईडी विभाग की होगी. शुद्ध पेयजल की अनुपलब्धता के कारण लोग रोज जार में मिनरल वाटर खरीदने को मजबूर हैं. पहले एक जार पानी 10 रुपये में मिलता था, अब वह 15 रुपये हो गया है.

मंथन

जेपीएससीः न्याय में देरी हुई, लेकिन फैसला आया

रांची स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने आखिरकार 21 साल पुराने एक गंभीर भ्रष्टाचार मामले में अपना फैसला सुना दिया है. यह मामला झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष दिलीप प्रसाद सहित तीन व्यक्तियों द्वारा साजिश और धोखाधड़ी कर सरकार को 28.66 लाख रुपए का राजस्व नुकसान पहुंचाने से जुड़ा था. अदालत ने दोष सिद्ध होने पर तीनों को दो-दो वर्ष की सजा सुनाई और एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।यह फैसला भले ही कानून के दायरे में है, लेकिन यह कई गहरे सवाल खड़े करता है. सबसे बड़ा सवाल है – क्या 21 वर्षों बाद मिलने वाला न्याय, वाकई न्याय है? न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति इस देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को कमजोर बनाती है. इतने लंबे समय तक टलते रहने से न केवल अपराधियों को समय मिलता है, बल्कि आम जनता का भरोसा भी डगमगाने लगता है. जेपीएससी जैसे संवैधानिक संस्थान के शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा किए गए भ्रष्टाचार से यह साफ है कि यदि चयन प्रक्रिया में ही भ्रष्ट आचरण हो, तो सिस्टम की पूरी नींव हिल जाती है. ऐसे मामलों में अपेक्षा होती है कि सख्त और समयबद्ध कार्रवाई हो, जिससे एक स्पष्ट संदेश जाए कि पद और पहुंच किसी को सजा से बचा नहीं सकते. हालांकि कोर्ट ने कानूनी प्रावधानों के तहत दोषियों को जमानत दे दी, लेकिन जनता की नजर में यह एक और उदाहरण है कि कैसे प्रभावशाली लोग सजा के बावजूद जेल जाने से बच जाते हैं. न्याय की प्रक्रिया में तेज़ी लाने और सार्वजनिक संस्थानों को जवाबदेह बनाने की जरूरत अब पहले से कहीं ज़्यादा महसूस हो रही है.

नजरिया

मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत

झारखंड के आठ जिलों में 29 जुलाई को भारी बारिश को लेकर जारी किया गया ऑरेंज अलर्ट एक महत्वपूर्ण चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. पूर्वी और दक्षिणी जिलों-जैसे पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, गिरिडीह और गोड्डा में संभावित भारी बारिश के चलते प्रशासन और आम नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है. पिछले 24 घंटों में सिमडेगा के बोल्बा में 94.6 मिमी और राजधानी रांची में 38.8 मिमी बारिश दर्ज होना इस बात का संकेत है कि मौसमी गतिविधियां तेज हो रही हैं. मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार बंगाल की खाड़ी से झारखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा दबाव आने वाले 36 घंटों में और अधिक प्रभाव डाल सकता है. इस परिस्थिति में जिला प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है. निचले इलाकों में जलजमाव, ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों को नुकसान, और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका को देखते हुए पहले से तैयारी जरूरी है. स्कूलों में छुट्टी, ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का आकलन और राहत दलों को अलर्ट पर रखना चाहिए. साथ ही नागरिकों को भी जिम्मेदार बनना होगा. मौसम की चेतावनियों को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है. बिना आवश्यक कार्य के यात्रा से बचें, और सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करें. प्राकृतिक आपदाएं हमारे नियंत्रण से बाहर हैं, लेकिन सजगता और तैयारी से उनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

बांग्लादेश में तालिबानी साए की आहट?

भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश की घटनाएं वहां के एक बड़े सामाजिक और वैचारिक बदलाव की ओर इशारा कर रही हैं. जहां सरकारी तंत्र रिलीजन, संस्कृति और सत्ता के एक त्रिकोण में सिमटता जा रहा है, जिसमें ऐसे अंकुश लगाए जा रहे हैं.

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बांग्लादेश में सरकारी ड्रेस कोड आदेश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. यह मामला सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, इसने लैंगिक स्वतंत्रता, धार्मिक हस्तक्षेप, सरकारी सख्ती व नागरिक आज़ादी जैसे बड़े मुद्दों को जन्म दे दिया है कि आखिर आनेवाले समय में बांग्लादेश एक लोकतंत्रात्मक देश रहेगा या यहां भी तालिबानी शासन कायम होगा! इसके साथ ही वहां अभिव्यक्ति पर अंकुश लगा देने के निकाले गए आदेश के बाद लगातार मोहम्मद यूनुस सरकार की आलोचना हो रही है. दरअसल, हाल ही में बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी किया गया सर्कुलर ऐसा लग रहा था जैसे यह किसी धार्मिक संस्थान की आचार-संहिता हो. इसमें महिला कर्मचारियों को स्लीवलेस, टाइट कपड़े, लेगिंग्स और छोटे वस्त्र पहनने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई थी. केवल साड़ी या सलवार-कमीज़ (दुपट्टा या हिजाब के साथ) की ऑफिस में महिलाओं को आने की अनुमति दी गई थी. पुरुषों के लिए जींस पहनकर आने पर रोक लगा दी गई. सर्कुलर में उल्लेख था कि आदेश न मानने पर कार्रवाई होगी और इसके पालन हेतु विभागीय मॉनिटरिंग भी की जाएगी.

पड़ोसी देश में आए दिन शरीया को थोपने की हरसंभव कोशिश की जा रही है.

ड्रेस कोड आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया. लोगों ने सवाल उठाया कि शालीन और पेशेवर कपड़े की परिभाषा तय करने का हक सरकार को किसने दिया? महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मुस्लिम ने कहा कि यह आदेश महिलाओं की पसंद पर हमला है. एक खास मजहबी एजेंडे को थोपने की कोशिश है.

आखिर सोशल मीडिया पर भारी विरोध और गवर्नर डॉ. अहसान एच. मंसूर की नाराजगी के बाद बैंक ने यह आदेश वापस ले लिया. प्रवक्ता आरिफ हुसैन ने इसे सिर्फ एक सलाह करार दिया और कहा कि यह आधिकारिक नीति नहीं. अब पूछने वाले अपनी सरकार से प्रश्न कर रहे कि अगर ये सलाह थी, तो इसे विभागीय अनुशासन से क्यों जोड़ा गया? और फिर वापस लेने में इतना समय क्यों लेना पड़ा? इस विवाद के ठीक बाद एक और फैसला सामने आया है, एक संशोधित अध्यादेश, जिसके तहत अब सरकारी कर्मचारी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर सकते. बांग्लादेश का नया कानून कहता है कि ऐसे मामलों में न तो कोई अपील होगी और न सुनवाई. कर्मचारी को नौकरी से निकाला जा सकता है या पदावनत किया जाएगा.

इस आदेश के साथ ही ध्यान गया उन संगठनों और नेताओं की ओर जो पिछले कुछ वर्षों से बांग्लादेश में शरिया कानून लागू करने की मांग कर रहे हैं. इनमें सबसे मुखर संगठन हैं, जमात-ए-इस्लामी जोकि बांग्लादेश की एक इस्लामी राजनीतिक पार्टी है. यह लंबे समय से देश के संविधान को इस्लामी रंग देने की मांग कर रही है. यह संगठन 1971 के युद्ध अपराधों में शामिल रहा है और बार-बार मजहब इस्लाम के नाम पर कानूनों में बदलाव की मांग करता रहा है.

इसी तरह से हिफाज़त-ए-इस्लाम एक कट्टरपंथी मदरसा आधारित संगठन हाल के वर्षों में महिलाओं के पहनावे, मूर्तियों और शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ उग्र प्रदर्शन कर रहा है. हिफाज़त की मांग है कि नैतिक पतन रोकने के लिए महिलाओं को इस्लामी परिधान अनिवार्य किया जाए. इसके अलावा जमात-चार मोनई आज बांग्लादेश में एक ऐसे संगठन के रूप में सामने आया है जो खुलकर बांग्लादेश को शरीया-आधारित इस्लामी राष्ट्र बनाने की बात करता है. मई 2025 में इस संगठन ने ढाका विश्वविद्यालय के पास एक रैली की थी, जिसमें हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए थे. इस संगठन ने विश्वविद्यालय के उन शिक्षकों के खिलाफ भी विरोध किया जो विचारधारा से आधुनिक हैं. जबकि इससे पहले शेख हसीना सरकार ने कट्टर इस्लामी संगठन जमात-ए-इस्लामी और उससे जुड़े छात्र संगठन शिबिर के खिलाफ कठोर कार्रवाई की थी. इसके कई नेताओं को 1971 के युद्ध अपराधों के लिए सजा हुई. यहां 1971 की मुक्ति संग्राम के दौरान हुए अपराधों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराध ट्रिब्यूनल बनाया गया. इसमें कई कट्टरपंथी नेताओं को फांसी की सजा तक दी गई, जिससे कट्टर ताकतों को बड़ा झटका लगा था. जब 2016 में ढाका पर आतंकी हमला हुआ तो इसके बाद सरकार ने कट्टरपंथ के खिलाफ एक बड़ी मुहिम शुरू की. कई मदरसों की निगरानी बढ़ाई गई, सैकड़ों संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई, और आतंकवादी ठिकानों पर छापे मारे गए. सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर कट्टरपंथी सामग्री फैलाने वालों पर नज़र रखी गई. आईसीटी कानूनों का सहारा लेकर डिजिटल निगरानी भी बढ़ाई गई थी.

शेख हसीना के कार्यकाल की विशेषता यह थी कि बांग्लादेश की छवि मॉडरेट मुस्लिम डेमोक्रेसी की तरह थी, जहां इस्लाम धर्म है, लेकिन शासन कानून आधारित है, न कि शरीया आधारित. लेकिन अब यूनुस के शासनकाल में यहां का माहौल पूरा बदला हुआ नजर आ रहा है. आज यहां कट्टरपंथी संगठनों के नाम और उनके घोषित इरादों से स्पष्ट है कि अब यह केवल वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संयुक्त सभी कट्टर जिहादी संगठनों का सामाजिक अभियान बन चुका है. अब यह देखना बाकी है कि क्या बांग्लादेश की जनता और सरकार इस चुनौती का सामना मजबूती से कर पाएगी, या एक और लोकतांत्रिक देश धीरे-धीरे शरिया के शिकंजे में आ जाएगा.

भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में घट रहीं ये घटनाएं वहां के एक बड़े सामाजिक और वैचारिक बदलाव की ओर इशारा कर रही हैं. जहां सरकारी तंत्र रिलीजन, संस्कृति और सत्ता के एक त्रिकोण में सिमटता नजर आ रहा है जिसके चलते यहां हर रोज व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के प्रयास हो रहे हैं. यहां के अधिकांश लोग डरे हुए हैं, वे आपस में पूछ रहे हैं कि क्या बांग्लादेश में अभिव्यक्ति की आजादी आनेवाले दिनों में पूरी तरह समाप्ता हो जाएगी? क्या बांग्लादेश भी इस्लामिक जिहादी शरिया कानून लागू करनेवाले देश के रूप में बदल जाएगा?

आज का इतिहास

1741: कैप्टन बेरिंग ने माउंट सैंट एलियास, अलास्का की खोज की.
1821: पेरू ने स्पेन से स्वतंत्रता की घोषणा की.
1858: सर विलियम जेम्स का जन्म, जिन्होंने फिंगर प्रिंट को पहचान का जरिया बताया.
1866: अमेरिका में मापने की मीट्रिक प्रणाली को वैधानिक मान्यता मिली.
1914: प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत.
1976: चीन में रिक्टर पैमाने पर 8.3 की तीव्रता का भूकंप आने से लाखों लोगों की मौत.
1979: चरण सिंह देश के पांचवें प्रधानमंत्री बने.
1995: वियतनाम आसियान का सदस्य बना.
2001: पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद सिद्दिकी ख़ान कंजू की हत्या.
2005: सौरमंडल के दसवें ग्रह की खोज.
2005: आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने अपने सशस्त्र संघर्ष को रोकने का ऐलान किया और लोकतांत्रिक तरीके से अपना अभियान चलाने की बात कही.

चाहे दुःख हो या सुख हिसाब तो सबको देने ही होते हैं

चिंतन

दो जुड़वां भाई पोलर बेयर थे . मां के साथ दोनों के दिन अच्छे गुजर रहे थे कि एक दिन मां ने कहा- कल से तुम्हें खुद अपना ख्याल रखना होगा, न मैं तुम लोगों को खाना दूंगी. न शिकार करने में साथ दूंगी. अब दोनों भाई अपने दम पर थे. कुछ देर बाद उन्हें भूख लगी, और वे सील का शिकार करने निकल पड़े. दोनों समुद्र के किनारे पर पहुंचे. दोनों बैठ गए कि अभी कोई सील आएगी और वे उसे पकड़ कर खा लेंगे. पर कोई सील वहां नहीं आई. तब पहला भाई पानी छूते हुए बोला, कितना ठंडा पानी है. लगता है हमें इसमें उतारना ही पड़ेगा नहीं तो भूखे ही रह जाएंगे. पर दूसरा भाई बोला, पागल हो, इतने ठंडे पानी में कूद कर जान दोगे क्या. थोड़ा रुको, कोई न कोई सील आ ही जाएगी. पर पहला भाई पानी में कूद पड़ा. कुछ देर बाद वो वापस आया, पर उसके हाथ में कोई सील नहीं थी और वो एकदम गीला होकर ठंड से कांप रहा था. दूसरा भाई उस पर हंसा, मैंने मना किया था अब भुगतो. लेकिन पहले भाई ने तो मानो सील पकड़ने की ठान रखी थी, वो फिर पानी में कूदा, इस बार उसने अधिक प्रयास किया, पर अफ़सोस, उसे सफलता नहीं मिली.क्यों एक ही गलती बार-बार करते हो? दूसरे ने समझाया. लेकिन वो नहीं माना, उसने फिर छलांग लगा दी. और इस बार जब वो लौटा तो उसके हाथ में एक बड़ी सी सील थी! दूसरा भाई देखता रह गया, और उसे खाली पेट ही लौटना पड़ा. उसने भगवान को कोसा, मेरा भाई कितना लकी है,और मैं कितना अनलकी हूं.

और बाकी की ज़िंदगी भी पहला भाई ऐसे ही जीतता गया और दूसरा भाई अपने भाग्य को कोसता रहा.

दोस्तों, दोनों भाई बिलकुल एक जैसे थे, बस अंतर था तो सोच में. एक भाई रिस्क लेकर खुद अपनी किस्मत लिखने को तैयार था, वहीं दूसरा सिर्फ भाग्य-भरोसे जीना चाहता था. और इसी तरह ही हमारी असल में भी ज़िन्दगी उसी को सबकुछ देती है जो डर को जीतना जानता है. जो जानता है कि अगर पहला प्रयास सफल न हो तो दूसरा ट्राई करना चाहिए. बस ज़रूरत है खुद पर भरोसा करने की और अपने डर को पीछे छोड़ कर अपने दिल की आवाज़ सुनने की. नहीं तो हम जीने को तो जी लेंगे, पर अंदर ही अंदर घुटते रहेंगे कि ये जीना भी कोई जीना है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #APJAbdulKalam
2. अब्दुल कलाम
3. पूर्व राष्ट्रपति
4. #DMKSurrendersToBJP
5. देवी मंदिर
6. #MeharTeaser
7. #Haridwar
8. #MannKiBaat
9. महान वैज्ञानिक
10. केंद्रीय रिजर्व पुलिस

बहुरंग

इंजीनियर से बनीं एक्ट्रेस, 24 की उम्र में डेब्यू

फिल्म इंडस्ट्री में स्टारडम और नेम-फेम कमाने से पहले बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस एक रैंप वॉक के बीच में नम आंखों से खड़ी थीं. उस वक्त उसे पता नहीं चला कि उनके साथ क्या हो रहा है. लेकिन, उसने हार नहीं मानी और चुपचाप आगे बढ़ने का फैसला किया. आज, वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं. हालांकि, उसका सफर सिर्फ रेड कार्पेट और स्पॉटलाइट तक ही सीमित नहीं रहा. उसने तापसी पन्नू, अमीषा पटेल, रकुल प्रीत सिंह और विद्या बालन जैसे ही इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और फिर ग्लैमर की दुनिया में खास पहचान बनाई. एक्ट्रेस ने इंजीनियरिंग का रास्ता छोड़ एक्टिंग में कमाल कर दिखाया. 27 जुलाई, 1990 को साधारण मिडिल क्लास परिवार में जन्मीं कृति सेनन के पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट और मां एक प्रोफेसर थीं. कृति बचपन से ही फिल्मी दुनिया में काम करना चाहती थीं. उन्होंने 2014 में महेश बाबू के साथ तेलुगु 'फिल्म 1: नेनोक्कादीन' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया, जिसने उन्हें पहचान दिलाई और बॉलीवुड में एंट्री करने का मौका दिया. उसी साल उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ 'हीरोपंती' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा. एक फार्महाउस में शुरुआती मॉडलिंग असाइनमेंट के दौरान कृति की एड़ी रैंप वॉक के बीच गीली मिट्टी में धंस गई थीं. इसके बाद उनके कोरियोग्राफर ने उन्हें सरेआम सबके सामने बहुत डांटा. एक्ट्रेस ने खद खुलासा किया था, 'मुझे अपमानित महसूस हुआ... मैं वहीं रो पड़ी.' लेकिन, उस पल ने उन्हें और ज्यादा मजबूत बना दिया. 'दिलवाले', 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी' और 'राब्ता' जैसी फिल्मों में नजर आईं कृति को अपना पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 'मिमी' (2021) के लिए मिला था, जिसमें उन्होंने 31 साल की उम्र में एक सरोगेट मां की भूमिका निभाई. अपने 11 साल के फिल्मी करियर में कृति ने इंडस्ट्री के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है. इसके साथ ही वह फिल्म 'दो पत्ती' से निर्माता भी बन गई हैं.

'हेरा फेरी 3' में लौटे बाबू भैया परेश रावल और सुनील शेट्टी बोले, 'नजर न लग जाए'

निर्देशक प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'हेरा फेरी 3' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है. शुरुआत में अभिनेता परेश रावल के फिल्म छोड़ने की खबरें सामने आई थीं, लेकिन अब पुष्टि हो चुकी है कि वह फिर से 'बाबू भैया' के आइकॉनिक किरदार में वापसी कर रहे हैं. सुनील शेट्टी ने कहा कि मैं फिल्म की रिलीज़ से पहले ज़्यादा कुछ नहीं बोलूंगा, क्योंकि नज़र लग जाती है.

इसी बीच सुनील शेट्टी, जो फिल्म में श्याम की भूमिका निभा रहे हैं, एक इंटरव्यू में अपने सह-कलाकारों और इंटरनेट पर वायरल हो रहे मीम्स को लेकर खुलकर बात की. उन्होंने कहा कि 'हेरा फेरी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक इमोशन है, और यह फैन्स की वजह से आज भी ज़िंदा है. सुनील ने हंसी-हंसी में यह भी स्वीकार किया कि बाबू भैया के मीम्स देखकर वह खुद भी हंसते हैं और ये मीम्स इस फ्रेंचाइज़ी की विरासत को और मजबूत करते हैं.

सुनील शेट्टी ने 'हेरा फेरी' की यादों को ताज़ा करते हुए कहा, ₹फिल्म के जितने भी मजेदार डायलॉग्स और पंचलाइन हैं, वो सब प्रियदर्शन सर की देन हैं. हमने बस थोड़ी बहुत इम्प्रोवाइजेशन की थी, लेकिन हर एक लाइन उन्होंने खुद लिखी थी.₹ उन्होंने आगे कहा, ₹मैंने आज तक प्रियदर्शन जैसा निर्देशक नहीं देखा. कॉमेडी के मामले में उनकी पकड़ अद्भुत है. वो वो चीज़ें भी देख और समझ लेते हैं जो आमतौर पर हमारी पकड़ में नहीं आतीं. वो सच में कॉमेडी के जीनियस हैं.सुनील शेट्टी ने हाल ही में फिल्म में परेश रावल की वापसी की खबर पर मुहर लगाई. उन्होंने

कहा, हां, हां, वो फिल्म में हैं और मैं वाकई बहुत एक्साइटेड हूं. लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा, मैं फिल्म की रिलीज़ से पहले ज़्यादा कुछ नहीं बोलूंगा, क्योंकि नज़र लग जाती है. कई बार हम खुद को भी अच्छी या बुरी नज़र से देख लेते हैं.

उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह 'श्याम' का किरदार उनके लिए एक नई पहचान बन गया है, ₹आजकल बच्चे मुझे श्याम के किरदार से ही जानते हैं. अगर कोई मां अपने 8 साल के बच्चे से पूछती है कि क्या वो मुझे पहचानता है, तो वह मना कर देता है. लेकिन जैसे ही हेरा फेरी का नाम लिया जाता है, उसके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है. आज मैं सुनील शेट्टी के नाम से नहीं, बल्कि 'हेरा फेरी' के श्याम के नाम से जाना जाता हूं. सुनील शेट्टी ने फिल्म इंडस्ट्री में कॉमेडी के मौजूदा स्तर पर अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, 'हेरा फेरी' कोई हल्की-फुल्की चीज़ नहीं है. ये एक सिचुएशनल कॉमेडी है. अगर मेरी ज़िंदगी बर्बाद हो रही है, तो ऐसे में मैं कौन सा डायलॉग बोलूंगा? असल में, किरदारों की प्रतिक्रियाएं ही इन दृश्यों को मजेदार बनाती हैं. उन्होंने मौजूदा फिल्मों की स्क्रिप्ट पर तंज कसते हुए कहा, आजकल की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वो व्हाट्सएप जोक्स जैसी लगती है. उनमें असली राइटिंग और भावनाओं की कमी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-5-7-9

वृष : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वविवेक से कार्य करें. समय का लाभ लें. शुभांक-2-5-7

मिथुन : एकाकी वृत्ति त्यागें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. शुभांक-2-5-6

कर्क : आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी. मेहमानों का आगमन होगा. कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. शुभांक-4-6-8

सिंह : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. शुभांक-3-5-7

कन्या : आत्मविश्वास बढ़ेगा. कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा. शुभांक-2-4-7

तुला : स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. अपने काम पर नजर रखिए. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभांक-3-5-7

धनु : कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. यात्रा से लाभ. शुभांक-1-3-5

मकर : पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. शुभांक-2-4-8

कुंभ : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. यात्रा का योग है. आय के योग बनेंगे. शुभांक-4-6-8

मीन : जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. पुरुषार्थ का सहारा लें. कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-4-6-7

सलमान को याद आई पिता की सीख- बोले- काश मैंने ये बात पहले सुनी होती

सलमान खान फिल्म 'सिकंदर' में नजर आए और इन दिनों वह निर्देशक अपूर्व लाखिया की बैटल ऑफ गलवान को लेकर तैयारी में व्यस्त हैं, जो गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है. इसी बीच सलमान का एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अपने पिता सलीम खान को याद करते हुए एक भावुक जिक्र किया. सलमान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर अपने प्रशंसकों के साथ निजी पलों या प्रेरणादायक विचार शेयर करते हैं. हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया, जो देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया. उन्होंने अपने पिता सलीम खान की एक सीख को शब्दों में पिरोया है. उन्होंने लिखा, वर्तमान ही वो समय है जो आगे चलकर आप का अतीत बनता है और वही अतीत आपके भविष्य की दिशा तय करता है.

इसलिए वर्तमान को उपहार मानकर उसका सही उपयोग करना चाहिए. अगर गलतियों को बार-बार दोहराया जाए, तो आदत बन जाती हैं और फिर धीरे-धीरे वही आदतें आपके चरित्र को गढ़ने लगती हैं. दूसरों पर दोष मत मढ़ो, क्योंकि कोई भी इंसान आपको वो करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, जो आप खुद न करना चाहें. सलमान ने आगे लिखा, ये बात अभी मेरे पापा ने मुझसे कही और मुझे महसूस हुआ कि यह बात कितनी गहराई से सच है. काश मैंने ये बात पहले सुनी होती. बैटल ऑफ गलवान के अलावा सलमान अपनी सुपरहिट फिल्म 'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल में भी लौट रहे हैं. 'बजरंगी भाईजान 2' को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह है.

फिल्मी खबर

फिल्म बॉर्डर की शूटिंग पूरी टीम ने मनाया जश्न

अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने अपनी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर एक खास अपडेट साझा की. उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह उत्साहित नजर आ रहे. वीडियो में दिलजीत मिठाई बांटते हुए अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं. फैंस भी वीडियो पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए एक्साइटमेंट जता रहे हैं. 'बॉर्डर 2' को लेकर दर्शकों में पहले से ही खासा क्रेज है, और अब दिलजीत की यह पोस्ट फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा रही है. दिलजीत दोसांझ फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खुशी मना रहे. वीडियो में दिलजीत एक टेंट में मौजूद नजर

आते हैं, जहां वह अपने साथियों और दोस्तों संग मिठाई बांटते दिखाई दे रहे. वीडियो में देखा जा सकता है कि दिलजीत मिठाई का डिब्बा हाथ में लिए खड़े हैं. तभी अभिनेता वरुण धवन वहां आते हैं और दिलजीत उन्हें मिठाई खिलाते हैं. इसके बाद वह अन्य क्रू मेंबर्स को भी मिठाई खिलाकर जश्न मानते हैं. दिलजीत का अंदाज सोशल मीडिया पर फैन्स को खूब पसंद आ रहा. इस वीडियो को शेयर करते हुए दिलजीत ने कैप्शन में लिखा, 'बॉर्डर 2' की शूटिंग खत्म. करण इसमें शहीद निर्मल जीत का किरदार निभा रहे हैं. वरुण धवन ने मजाकिया अंदाज में कमेंट किया, पाजी, एक शॉट अभी बाकी है... अनुराग बुला रहे हैं!

मनमोहक पुष्प 'एस्टर' लगायें

एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे

- माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।
- कटे पुष्पों के रूप में
- फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।
- इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।
- घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

एस्टर के फूलों की उपयोगिता

एस्टर के फूलों की उपयोगिता कई विभिन्न रूपों में की जाती जैसे

- माला बनाने में एवं धार्मिक कार्यों जैसे – पूजा अर्चना आदि के लिए।
- कटे पुष्पों के रूप में
- फ्लावर एरेन्जमेंट, इकेबाना (पुष्पसज्जा) एवं बुके बनाने में।
- इसे गमलों में शोभाकारी पुष्पीय पुष्पीय पौधे के रूप में लगाया जाता है।
- घर के आसपास अथवा उद्यानों में मैसमी फूलों के रूप में।

प्रमुख किस्म

भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा विकसित किस्में –

पूर्णिमा

लोकल सफेद किस्मों की तुलना में इसके पुष्प चमकीले सफेद होते हैं। बीज बोने के 105 दिन बाद फूल प्राप्त होते हैं। पौधों की ऊंचाई लगभग 50 सेमी. तक होता है तथा फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. होता है।

कामनी

कामनी का पुष्प गहरे रंग का होता है जो लोकल पिंक के अपेक्षा अधिक आकर्षक होता है। बीज बोने के 130–140 दिन बाद फूल प्राप्त होता है। इस किस्म का पौधा लगभग 60 सेमी ऊंचाई तक बढ़ता है। फूलों का व्यास लगभग 6 सेमी. एवं वजन 2 ग्राम प्रतिफूल होता है, तथा प्रति पौधा लगभग 50 फूल तक प्राप्त होता हैं। फूलों का फूलदान जीवन (वासलाइफ) लगभग 7–8 दिन का होता है।

प्रथम खेती की तैयारी के समय तथा दूसरा भाग रोपाई के 40 दिन बाद ऊपरी निवेशन (टाप ड्रेसिंग) के रूप में दी जानी चाहिए, अर्थात् पौधों के पास उर्वरक को डालकर गुड़ाई कर दें अथवा मिट्टी चढ़ा दें।

सिंचाई

एस्टर की फसल में सिंचाई की अवस्था मौसम, मिट्टी की स्थिति एवं फसल लगाने के समय पर निर्भर करता हैं चुके एस्टर एक उथली जड़ वाली फसल है अत: इसे नियमित नमी की आवश्यकता होती है अत: फसल को आवश्यकतानुसार 7 से 10 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करना चाहिए।

कटाई एवं उपज

एस्टर के फूलों की कटाई इसकी उपयोगिता पर निर्भर करता हैं फूलों की कटाई दो तरह से की जाती हैं

- सिर्फ फूलों की कटाई माला बनाने, सजावट अथवा पूजा अर्चना के कार्य के लिए किया जाता हैं
- टहनी सहित फूलों की कटाई कट फ्लावर के लिए अथवा बुके में उपयोग लाने के लिए करते हैं।

फूलों की कटाई सुबह अथवा शाम को ही करें। फूलों की कटाई के बाद छायादार स्थान में रखें। तुड़ाई के बाद फूलों को इसके आकार रंग एवं टहनी के हिसाब से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें। फूलों को जूट के बेग अथवा कपड़े में बांध कर जबकि कटफ्लावर के लिए फूलों की टहनियों को 20 की संख्या में गुच्छा बना कर बाजार में ले जाना चाहिए।

अगर उन्नत तरीके से एस्टर की खेती की जाए तो प्रति हेक्टर 180 से 200 क्विंटल तक पुष्प प्राप्त किए जा सकते हैं।

बीज संग्रहण -

एस्टर एक स्वपरागित पौधा है। इसके बीज मुख्य फसल से ही प्राप्त किया जा सकता है एवं प्रतिवर्ष बाजार से खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। अच्छे, ओजस्वी एवं स्वस्थ पौधों के चयन के बाद फूलों को कली अवस्था में ही पतले कपड़े से बांध दें। जब फूल पूरे खिल जाए एवं बीज पक जाए तो फूलों को काट कर इकट्ठा करके बीज निकाल लें। बीज को छायादार स्थान पर सुखाने के बाद अच्छी तरह साफ कर लें। बीजों को एयरटाइट डिब्बे में भर कर ठंडे स्थानों पर भंडारित करें। किस्मों के अनुसार प्रतिग्राम लगभग 450–600 बीज होते हैं।

अन्तःक्रियाएं

निराई- गुड़ाई-

फसल की प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार से पौधों की वृद्धि पर काफी असर पड़ता है। अतः नियमित रूप से निंदाई–गुड़ाई करके खरपतवार निकालते रहें। इससे जमीन भुरभुरी बनी रहेगी तथा मिट्टी एवं जड़ों में अच्छा वायु संचार होगा एवं पौधों की अच्छी वृद्धि होगी। पौधों पर कम से कम एक माह के अंतराल पर दो बार मिट्टी चढ़ानी चाहिए। जिससे फसल की वृद्धि अच्छी होती है एवं पौधों को जमीन में अच्छा आधार मिलने से नहीं झुकते।

वृद्धि नियंत्रक

(ग्रोथ हारमोन) का उपयोग – जी.ए–3 नाम हारमोन का 200 से 300 पी.पी.एम. (पी.पी.एम. = 1 भाग दवा + 100000 भाग पानी) घोल का रोपाई के 30–40 दिन बाद छिड़काव करने से फूलों की संख्या एवं पुष्पन अवधि बढ़ जाती है। लेखक द्वारा स्वयं किए गए परीक्षण से ज्ञात हुआ कि 25 पी.पी.एम. पेक्लोब्यूट्राजाल (कुलटार) नाम वृद्धि नियंत्रक का रोपाई के 30 दिन बाद छिड़काव से पौधों में नियंत्रित वृद्धि, अधिक शाखा एवं अधिक संख्या एवं भार के पुष्प प्राप्त हुए।

सोयाबीन के प्रमुख कीट एवं नियंत्रण

तना मक्खी (स्टेम फ्लाई)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर।

प्रकोप का समय : अंकुरण से लगभग 30 से 60 दिनों तक।

पहचान : वयस्क कीट चमकदार काले रंग की लगभग 2 मि.मी. आकार की मक्खी होती हैं। इसकी इल्ली जो तने में, सुरंग बना कर रहती है, फसल को हानि पहंचाती हैं। इसका रंग हल्का पीला एवं लम्बाई 3–4 मि.मी. होती हैं।

नियंत्रण : ■ बोवनी के समय 10 किलोग्राम फोरेट 10 जी को मिट्टी में मिलायें। जिन स्थानों पर तना मक्खी का प्रकोप अधिक होता हैं वहां फफूंदनाशक से बीज उपचारित करने के अलावा बीज को थायोमिथोक्साम 70 डब्ल्यू. एस. से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। कीट के लक्षण दिखने पर अथवा सुरक्षात्मक रूप से फसल की 7–10 दिन की अवस्था पर निम्नलिखित में से किसी एक कीटनाशक की दर्शाई गई मात्रा को 500 ली. पानी में घोल बनाकर कोन नोजल से प्रति हेक्टर छिड़काव करें। इ थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू जी 100 ग्राम प्रति हे. इ ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. प्रति हे.

■ प्रोफेनोफास 50 ई.सी. 800 मि. ली. प्रति हे.

सभी दवाओं के लिये 500 ली. प्रति हेक्टर पानी की मात्रा में घोल बनाकर कोन नोजल से छिड़काव करें।

चक्रभृंग (गर्डल बीटल)

सक्रियता : जुलाई से अक्टूबर

प्रकोप का समय : फसल की 30 से 75 दिन की अवस्था।

पहचान : वयस्क कीट 8–10 मिमी. गहरे पीले रंग के होते हैं जिनके पंखों का निचला भाग काला होता हैं, इल्लियां पीले रंग की होती हैं एवं उनके शरीर पर छोटे-छोटे उभार होते हैं।

नियंत्रण: ■ घनी बोवनी न करें। प्रारंभिक अवस्था से ही कीट की निगरानी करें। यदि खेत में पौधों की ऊपरी पत्ती मुरझा रही है तो पास जाकर पत्ती के डंठल एवं तने को देखें। यदि गर्डल बीटल द्वारा बनाये गए दो चक्र दिखें तो नीचे के चक्र से एक इंच से डंठल या तने को काट कर पॉलिथिन की थैली में इकट्ठे कर खेत के बाहर जला दें अथवा गड्ढे में गाढ़कर नष्ट कर दें। ■ नत्रजन उर्वरकों का संतुलित उपयोग एवं पोटाश उर्वरक का उपयोग करने से कीट का प्रकोप कम होता है। ■ गर्मी में मोल्ड बोर्ड प्लाऊ (मिट्टी पलट हल) से गहरी जुताई करें। गहरी जुताई के पश्चात मिट्टी के बड़े ढेलों को जून के प्रथम सप्ताह में हल्का पाटा लगाकर तोड़ देना चाहिए तथा जुताई किये हुए खेत में गर्मी की धूप लगने देना चाहिए। ■ कटाई उपरांत जहां तक हो सके फसल को पक्के खलिहान में रखें ताकि यदि फसल में गर्डल बीटल का प्रकोप हो तो उसे छिपने के लिये खेत की दरारें उपलब्ध न हो। इ बोवनी के समय फोरेट 10 जी10 कि.ग्रा.प्रति हे. की दर से मिट्टी में अवश्य मिलावें। इ फसल पर प्रकोप दिखते ही ट्राईजोफास 40 ई.सी. की 800 मिली./हे. या प्रोफेनोफास 50 ई.सी. की 1.5 ली. /हे. को 600 ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

हरी अर्द्धकुंडलक इल्ली (ग्रीन सेमीलूपर)

सक्रियता : जुलाई के आखिरी सप्ताह से अगस्त तक।

प्रकोप का समय : फसल की 35–40 दिन की अवस्था तक।

पहचान: वयस्क कीट के अग्र पंखों पर दो रुपहले धब्बे होते हैं इल्लियां पीलापन लिए हरे रंग की होती हैं जिनके शरीर के पृष्ठ तल पर एक नीली लम्बवत रेखा व दोनों ओर एक–एक सफेद धारी होती हैं। खास पहचान इनके कूबड़ बनाकर चलने से होती हैं।

नियंत्रण : ■ इल्ली की प्रारंभिक अवस्था में निम्बोली के चूर्ण का 5 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

■ सोयाबीन फसल के बाहरी किनारों पर ट्रैप क्रॉप जैसे उड़द, मूंग, लोबिया इत्यादि लगाया जाना चाहिए जिससे इस कीट के प्रकोप की दशा में इन्हीं फसलों पर उसका दबाव रहेगा और मुख्य फसल पर दबाव कम रहेगा।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ही निम्नलिखित में से किसी एक दवा का छिड़काव करने से कीट का नियंत्रण हो सकता हैं, अत: इस कीट के नियंत्रण हेतु कीट के आक्रमण के शुरू में ही छिड़काव करना चाहिए क्योंकि कीट की बड़ी अवस्था में कीटनाशक दवाओं का असर कम होता हैं अत: कीट का नियंत्रण नहीं हो पाता हैं।

■ क्विनालफास 25 ई.सी. (1.5 लीटर/हे.) या ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मि.ली. /हेक्टेयर या प्रोफेनाफास 50 ई.सी. 1 ली./हे. या मिथोमिल 40 एस.पी. 1 किलोग्राम/हे. को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करें।

तम्बाकू की इल्ली (टोबैको कैटरपिलर)

सक्रियता : अगस्त से सितम्बर (इस कीट का आक्रमण अगस्त माह में अधिक देखा गया है)।

प्रकोप का समय : फसल की 40–75 दिन की अवस्था तक।

पहचान : वयस्क पतंगों के अगले पंख सुनहरे भूरे रंग के सफेद धारियां लिए होते हैं, पिछले पंखों पर भूरे रंग की शिराएं होती हैं इल्लियां मटमैले हरे रंग की होती हैं, जिनके शरीर पर पीले, हरे, नारंगी, रंग की लम्बवत धारियां होती हैं एवं उदर के प्रत्येक खंड के दोनों ओर काले धब्बे होते हैं।

नियंत्रण : ■ समेकित कीट प्रबंधन अपनायें व खेतों के आस–पास प्रकाश-प्रपंच, फैरोमेन ट्रेप स्थापित कर लगातार मॉनीटरिंग करके वयस्क कीटों को एकत्रित कर उन्हें नष्ट करें।

■ इल्लियां शुरू की छोटी अवस्था में खेत से ऐसी पत्तियों को तोड़कर नष्ट करने से प्रकोप कम किया जा सकता हैं।

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में ट्राईजोफास 40 ई.सी. 800 मिली/ हे. या क्विनालफास 25 ई.सी. 1.5 ली. प्रति हेक्टेयर को 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें।

बुमराह जल्द ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं: मोहम्मद कैफ

एजेंसी ।नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ के मुताबिक इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना शत-प्रतिशत देने में नाकाम रहने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं. जसप्रीत बुमराह ने ओल्ड ट्रैफर्ड में तीसरे दिन के खेल तक इंग्लैंड के खिलाफ 28 ओवर फेंके, जिसमें 95 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम कर सके. उन्होंने शुक्रवार को खेल के आखिरी सेशन में जेमी स्मिथ का विकेट अपने नाम किया. बुमराह इस दौरान ज्यादातर गेंदें 130-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे, जो हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच की तुलना में काफी कम है.

लीड्स और लॉर्ड्स दोनों टेस्ट मैचों में,31 वर्षीय बुमराह ने 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी. मोहम्मद कैफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा,मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मुकाबलों में नहीं खेलेंगे. वह शायद संन्यास भी ले लें. वह अपने शरीर के साथ संघर्ष कर रहे हैं. इस टेस्ट मैच में उनकी गति कम हो गई है. बुमराह एक ईमानदार इंसान हैं, अगर उन्हें लगता है कि वह देश को अपना शत-प्रतिशत नहीं दे पा रहे, तो वह खुद को इस फॉर्मेट से अलग कर लेंगे. विकेट न मिलना एक अलग बात है, लेकिन उनकी गेंदों की गति भी 125-130 किमी प्रति घंटे तक सिमट गई है. जसप्रीत बुमराह दूसरे सेशन में अपना टखना पकड़े नजर आए थे, जिसे देखकर फैंस चिंतित हो गए. हालांकि, बाद में वह गेंदबाजी के लिए वापस लौटे. ऐसे में पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ का मानना है कि फैंस को अब इस सच्चाई के लिए खुद को तैयार करना चाहिए कि भविष्य में वह बुमराह को लंबे फॉर्मेट में कम ही खेलते देखेंगे. कैफ ने कहा,बुमराह के जज्बे और समर्पण को लेकर कोई शक नहीं, लेकिन अब उनका शरीर जवाब देने लगा है. इस टेस्ट में खराब प्रदर्शन साफ दिखाता है कि आगे जाकर उन्हें टेस्ट मैच खेलने में दिक्कत होगी. शायद वह टेस्ट क्रिकेट से ही दूर हो जाएं. विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बाद अब भारतीय फैंस को बुमराह के बिना खेल देखने की आदत डालनी होगी. मैं चाहता हूं कि मेरी यह भविष्यवाणी गलत साबित हो, लेकिन जो देखा, वही कह रहा हूं.

दिग्गजों की लिस्ट में अपना नाम देखना मेरे लिए हैरान करने वाला पल : जो रूट

एजेंसी ।मैनचेस्टर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन 150 रन की पारी खेली. इस पारी के दौरान टेस्ट में सर्वाधिक रनों के मामले में रूट ने द्रविड़, कैलिस और पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया. रूट से आगे अब सचिन तेंदुलकर हैं.टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सफल बल्लेबाज बनने के बाद रूट ने स्काई स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए कहा, मैं बचपन में रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा और ब्रायन लारा जैसा बनना चाहता था. ऐसे में अब इन दिग्गजों के साथ अपना नाम देख निश्चित ही अच्छा लग रहा है. यह मेरे लिए थोड़ा हैरान करने वाला है. मैंने अपनी उपलब्धियों के बारे में ज्यादा नहीं सोचा. मेरा ध्यान इंग्लैंड को मैच जिताने पर रहा है.जो रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं. क्या रूट सचिन के सर्वाधिक टेस्ट रनों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे? इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन ने कहा, रूट का औसत लगभग 85 रन प्रति टेस्ट मैच है, इसलिए उन्हें सचिन तक पहुंचने के लिए लगभग 30 टेस्ट मैच खेलने होंगे. फिलहाल वह श्रेष्ठ फॉर्म में हैं और खेल के प्रति उनके प्यार और इच्छा में कोई कमी नहीं आई है. अगर फिटनेस बनी रही तो वह सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं.2012 में भारत के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले 34 साल के रूट ने अब तक 157 टेस्ट मैचों की 286 पारियों में 38 शतक और 66 अर्धशतक लगाते हुए 13,409 रन बनाए हैं. उनका सर्वाधिक स्कोर 262 रन है. वह छह दोहरे अर्धशतक लगा चुके हैं. रूट सर्वाधिक रन के साथ ही तेंदुलकर के सर्वाधिक टेस्ट शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं.रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं. 200 टेस्ट मैचों की 329 पारियों में 51 शतक और 68 अर्धशतक लगाते हुए सचिन ने 15,921 रन बनाए हैं.

लेलाह फर्नांडिज और अन्ना कालिन्सकाया फाइनल में

डीसी ओपन: रादुकानू और रिबाकिना बाहर

एजेंसी ।वाशिंगटन

मुबाडाला सिटी डीसी ओपन में एम्मा रादुकानू ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए तीन साल बाद किसी डब्ल्यूटीए हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया. ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने मारिया सक्कारी को दो घंटे दस मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-4, 7-5 से हराया, हालांकि मैच की शुरुआत में वह पिछड़ गई थीं. यह वॉशिंगटन में रादुकानू का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा. इसके साथ ही सक्कारी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 4-0 हो गया है. अब रादुकानू का सामना रूस की अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई.

डब्ल्यूटीए में, कनाडा की लेयला फर्नांडीज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराया.

फर्नांडीज ने दूसरे सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की और एक सेट प्वाइंट बचाकर 2021 यूएस ओपन में उपविजेता रहने के बाद अपने सबसे बड़े हार्ड कोर्ट सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में आसानी से हराया. पुरुष वर्ग में मुबाडाला सिटी डीसी ओपन का दिन भी जबरदस्त एक्शन से भरा रहा, जहां दो खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार एंट्री की. बेन शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने एक जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए फ्रांसेस टियाफो को 7-6(2), 6-4 से शिकस्त दी. इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आक्रामक फोरहैंड्स और बेखौफ सर्विंग से मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया. वॉशिंगटन में यह उनका लगातार दूसरा सेमीफाइनल है. इसके साथ ही उन्होंने नई करियर-हाई एटीपी रैंकिंग नंबर-7 भी पक्की कर ली है. अब सेमीफाइनल में उनका सामना टेलर फ्रिट्ज और एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के बीच मुकाबले के विजेता से होगा.

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने किया निराश

सेमीफाइनल में हार के साथ भारतीय अभियान समाप्त

एजेंसी ।नयी दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी का शानदार सफर चाइना ओपन के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है. उन्हें अंतिम-4 मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की बैडमिंटन खिलाड़ी आरोन चिया और मलेशिया की सोह वूई यिक की युगल जोड़ी ने कड़े मुकाबले में हराया.दुनिया की तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी सात्विक और चिराग को मलेशियाई जोड़ी ने 42 मिनट में 13-21, 17-21 से शिकस्त दी. यह सात्विक-चिराग की इस मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 14 मैचों में 11वीं हार है. इससे पहले, भारतीय जोड़ी को पेरिस 2024 ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में भी इसी जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था. इस हार के साथ ही चाइना ओपन 2025 बैडमिंटन में भारतीय अभियान समाप्त हो गया है.भारतीय पुरुष युगल जोड़ी का बीडब्ल्यूएफ टूर पर तीसरा सेमीफाइनल था, इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में अंतिम-4 में पहुंचे थे. अब फाइनल में मलेशियाई जोड़ी का सामना इंडोनेशियाई फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा. यहां यह बता दें कि सात्विक और चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने मलेशिया के ओंग येव सिन और टियो ई यी को सीधे गेमों में 21-18, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. अब भारतीय शटलर अगले हफ्ते से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन में फिर दिखेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराया

टी20 सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त

एजेंसी ।बस्सेटेरे

ऑस्ट्रेलियाई टीम की वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार जीत का सिलसिला जारी है. मेहमान टीम ने वेस्टइंडीज को चौथे टी20 मैच में तीन विकेट से हरा दिया है. इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त बना ली है.सेंट किट्स और नेविस के बस्सेटेरे में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का बड़ा स्कोर बनाया. जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस लक्ष्य को 19.2 ओवर में सात विकेट खोकर 206 रन बनाते हुए हासिल कर लिया है.

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहले ही ओवर में कप्तान मिचेल मार्श के रूप में बड़ा झटका लगा. मार्श खाता भी नहीं खोल पाए. हालांकि, इसके बाद जोश इंगलिस और ग्लेन मैक्सवेल ने पारी को ताबड़तोड़ अंदाज में आगे बढ़ाया. मैक्सवेल ने 18 गेंदों में 6 छक्के और एक चौके की मदद से ताबड़तोड़ 47 रन बनाए और इंगलिस ने 30 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली. इन दोनों का विकेट गिरने के बाद कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला और 35 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी. इन बल्लेबाजों के अलावा आरोन हार्डी ने 16 गेंदों पर 23 की उपयोगी पारी खेली. वेस्टइंडीज की ओर से जेडियाह ब्लेड्स ने तीन विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और अकील होसेन ने एक-एक विकेट लिया.इससे पहले वेस्टइंडीज ने नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का स्कोर बनाया. टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत तो तेजी से की, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट भी गरते रहे. इससे टीम के 67 रन के स्कोर तक चार विकेट गिर गए. ब्रैंडन किंग 18 रन, कप्तान शाई होप 10 रन, शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन और रोस्टन चेज बिना खाता खोले आउट हुए. बाद में रोवमैन पॉवेल ने शिमरोन हेटमायर के साथ 43 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला. हेटमायर 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि पॉवेल 28 रन की पारी खेलकर आउट हुए. इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 28 रन, जेसन होल्डर ने 26 रन, मैथ्यू फोर्ड ने 15 रन और अकील होसेन ने 16 रन जोड़े.ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने तीन विकेट लिए, जबकि आरोन हार्डी, जेवियर बार्टलेट और सीन एबॉट ने 2-2 विकेट लिए.

डूरंड कप के लिए पंजाब एफसी ने किया अपनी टीम का ऐलान

एजेंसी ।नयी दिल्ली

पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की है. यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश के विभिन्न शहरों में खेला जा रहा है. पंजाब एफसी को ग्रुप डी में रखा गया है और टीम अपने सभी ग्रुप मैच असम के कोकराझार स्थित एसएआई स्टेडियम में खेलेगी.

टीम के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह भारतीय खिलाड़ियों से बनी युवा टीम का चयन किया है. मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने कहा,हमने एक युवा और ऊर्जावान टीम का चयन किया है, जिसमें अधिकांश खिलाड़ी पिछले सीजन से बनाए रखे गए हैं. इसके अलावा हमने कई अकादमी खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है, जिन्होंने रिजर्व और जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है. मेरा मानना है कि हमारे पास एक संतुलित टीम है जो टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षमता रखती है और हम नए सीजन की सकारात्मक शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं.टीम में मुहम्मद उवैस और बिजॉय वर्गीज जैसे नए साइनिंग्स के साथ राकेश मैतेई भी शामिल हैं, जिनका लोन पीरियड केरला ब्लास्टर्स से एक और सीजन के लिए बढ़ाया गया है. रंजीत पांडे भी टीम में लौटे हैं, जो पिछला सीजन गोकुलम केरल एफसी (आई-लीग) में लोन पर बिताकर आए हैं.डिल्मपेरिस ने कुल 11 अकादमी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, जिनमें आयुष देशवाल, परमवीर सिंह, मैंगलेंथांग किपगेन, सिंगामायुम शामी, मुहम्मद सुहैल, ओमांग डोडुम, विशाल यादव और लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई शामिल हैं – ये सभी पिछले सीजन में डेब्यू कर चुके हैं.

नौ से 28 सितंबर तक यूएई में होगा टूर्नामेंट

एशिया कप 2025

एजेंसी ।ढाका

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में 9 से 28 सितंबर होगा. एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने ढाका में आयोजित बैठक के बाद इसकी पुष्टि की. बैठक में बीसीसीआई के प्रतिनिधि भी वर्चुअली शामिल थे. मोहसिन नकवी ने शनिवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा,मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है. यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक चलेगा. हम क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. विस्तृत कार्यक्रम की सूचना जल्द ही दी जाएगी.मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं.एशिया कप 2025 की मेजबानी का अधिकार भारत के पास है. लेकिन, पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण रिश्तों की वजह से टूर्नामेंट यूएई में खेला जाएगा. मैचों का आयोजन दुबई, अबू धाबी और शारजाह में होने की उम्मीद है.एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा.टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई, अफगानिस्तान, श्रीलंका, हांगकांग और ओमान हिस्सा ले रहे हैं. भारत एशिया कप का गत विजेता है. भारतीय टीम ने 2023 में 50 ओवर फॉर्मेट में खेले गए एशिया कप के फाइनल में कोलंबो में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था.पिछले एशिया कप के आयोजन का अधिकार पाकिस्तान के पास था. लेकिन, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था. पाकिस्तान में सिर्फ चार मैच खेले गए. शेष 9 मैच श्रीलंका में खेले गए थे.भारत-पाकिस्तान के बीच असामान्य रिश्तों का प्रभाव चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर भी पड़ा था. आईसीसी के इस इवेंट का आयोजक पाकिस्तान था. लेकिन, बीसीसीआई द्वारा सुरक्षा कारणों की वजह से टीम इंडिया को पाकिस्तान न भेजने की वजह से टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में हुआ था. भारतीय टीम ने अपने सभी मैच दुबई में खेले थे.एशिया कप 2025 में अगर भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में हुए तो तीन बार आमने-सामने हो सकते हैं: एक बार लीग चरण में, फिर सुपर-4 दौर में और संभवतः फाइनल में.

द अफ्रीका को हरा न्यूजीलैंड ने जीती त्रिकोणीय सीरीज

एजेंसी ।हरारे

तेज गेंदबाज मैट हेनरी के अंतिम ओवर में दो शानदार कैच की बदौलत न्यूजीलैंड ने शनिवार को तीन देशों की सीरीज के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन रन से रोमांचक जीत हासिल की. माइकल ब्रेसवेल ने मिड-विकेट बाउंड्री के पास कमाल का कैच लपक के खतरनाक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को 31 रन पर आउट किया. इसके बाद डेरिल मिचेल ने लॉन्ग-ऑन पर जॉर्ज लिंडे का डाइव लगाकर शानदार कैच लपका, जिससे दक्षिण अफ्रीका जीत के लिए 181 रन का पीछा करते हुए छह विकेट पर 177 रन ही बना पाया.इससे पहले डेवोन कॉनवे और रचिन रविंद्र के 47-47 रन की पारियों से न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 180 रन बनाए. टीम को सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने भी 30 रन बनाये.

सिफर्ट ने रचिन के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी. लहुआन-ड्रे प्रिटोरियस (51) और रीजा हेंड्रिक्स (37) ने 10 ओवर के अंदर 92 की साझेदारी रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन टीम ने 39 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए.ब्रेविस ने 16 गेंद में एक चौका और तीन छक्के जड़ित पारी से टीम को जीत के पास पहुंचा दिया. दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में सिर्फ सात रन की जरूरत थी. न्यूजीलैंड ने हालांकि हेनरी की शानदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षकों के कमाल के प्रदर्शन से लक्ष्य का बचाव किया.

मैनचेस्टर | टेस्ट इतिहास में ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ

विदेशी जमीं पर भारतीय बल्लेबाजों का कारनामा

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में टेस्ट सीरीज का चौथा मैच जारी है, जिसमें एक अनूठा कारनामा दोहराया गया. टेस्ट इतिहास में ऐसा दूसरी बार हुआ, जब विदेशी सरजमीं पर एक ही टेस्ट सीरीज में दो भारतीय बल्लेबाजों ने 500+ रन बनाए.इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल ने चार मुकाबलों की आठ पारियों में 99.57 की औसत के साथ 697 रन बनाए हैं. वहीं, दूसरी तरफ केएल राहुल चार मुकाबलों की आठ पारियों में 72.57 की औसत के साथ 508 रन जोड़ चुके हैं.

यह दोनों ही बल्लेबाज चौथे दिन की समाप्ति तक नाबाद थे.पहली बार यह कारनामा भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज की सरजमीं पर 1970-71 में खेली गई टेस्ट सीरीज में किया था. सुनील गावस्कर ने उस सीरीज में 774 रन बनाए थे, जबकि दिलीप सरदेसाई ने 642 रन जोड़े.मैनचेस्टर में जारी टेस्ट मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में 358 रन बना सकी.

यशस्वी जायसवाल ने 58, जबकि साई सुदर्शन ने 61 रन बनाए. इनके अलावा ऋषभ पंत ने 54 रन की जुझारू पारी खेली.मेजबान टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए, जबकि जोफ्रा आर्चर ने तीन विकेट चटकाए.इसके जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाते हुए 311 रन की बढ़त हासिल कर ली. इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 150, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स ने 141 रन जोड़े. भारत की ओर से रवींद्र जडेजा सर्वाधिक चार शिकार करने वाले गेंदबाज रहे.चौथे दिन की समाप्ति तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 174 रन बना लिए हैं. फिलहाल भारत 137 रन से पीछे है. मेहमान टीम पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन का विकेट गंवा चुकी थी. उस समय तक टीम इंडिया का खाता तक नहीं खुला था.यहां से केएल राहुल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 174 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को संभाल लिया. फिलहाल, केएल राहुल 87, जबकि गिल 78 रन अपने-अपने खाते में जोड़ चुके हैं.

सुनील गावस्कर का कोच गौतम गंभीर पर निशाना, बोले

शार्दुल नहीं, कुलदीप को मौका देना चाहते थे गिल

शुभम संदेश डेस्क

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को प्लेइंग-11 में चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था. उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए. बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए. रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं. गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है. हो सकता है कि शुभमन शार्दुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे. रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट सीरीज में बेंच पर बैठे हैं. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद. गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को प्लेइंग-11 का हिस्सा होना चाहिए था. उन्होंने कहा, गिल को कुलदीप को टीम में खिलाना चाहिए था. वह कप्तान हैं. लोग उनके और उनकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे. इसलिए यह फैसला असल में उनका ही होना चाहिए. पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझ कर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में सब कुछ ठीक है. गावस्कर ने कहा, मुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं. सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है. वही प्लेइंग-11 का नेतृत्व करेगा. यह सामान्य सी बात है. गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं, जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था.

हत्या कर जंगल में फेंका गया युवक का शव बरामद

अररिया। अररिया नगर थाना क्षेत्र के आजमनगर कुसियार गांव के रहने वाले मो. कमरुल साहब के पुत्र मो. तौसिफ आलम की हत्या कर शव को बगल के जंगल में फेंक दिया गया. रविवार को स्थानीय लोगों ने जंगल में शव को देखा और तत्काल इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी. शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है. घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए. मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व सांसद सरफराज आलम भी मौके पर पहुंचे. उन्होंने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से अविलंब हत्यारे की पहचान कर गिरफ्तारी की मांग की. पूर्व सांसद सरफराज आलम ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ हैं और हर संभव सहायता प्रदान करेंगे. उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों को सजा दिलाने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए वे हर स्तर पर प्रयास करेंगे. पुलिस मामले की गहराई से जांच में जुट गई है और हत्यारों तक पहुंचने के लिए तकनीकी साक्ष्य और स्थानीय सूचनाओं को खंगाला जा रहा है.

पेड़ से लटकी मिली वार्ड सदस्य के बेटे की लाश

मोतिहारी। पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के श्रीपुर नवादा गांव में वार्ड सदस्य के बेटे उदय कुमार की आम के पेड़ से लटकी लाश मिली. जानकारी सुबह तब हुई जब खेत में काम करने गया एक किसान उदय की बॉडी पेड़ से लटकती हुई देख शोर मचा दिया. सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए. पकड़ीदयाल थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतक की मां सोनी देवी ने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम को उदय को उसका एक दोस्त अपाची बाइक से बुलाकर ले गया था. बाद में उसने आरोप लगाया कि दोस्त ने उदय को खाना-पीना खिलाकर उसकी हत्या कर दी और शव को पेड़ से लटका दिया. पकड़ीदयाल थानेदार अशोक शाह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है. इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ कर रही है. पुलिस जल्द ही मामले का पर्दाफाश करने का दावा कर रही है. गांव में इस घटना को लेकर शोक और आक्रोश व्याप्त है. लोग न्याय की मांग कर रहे हैं और दोषियों को सख्त सजा देने की अपील कर रहे हैं. पुलिस भी पूरी तत्परता से जांच कर मामले को शीघ्र सुलझाने का प्रयास कर रही है.

अपराध पर बयानबाज़ी करने वालों को मंत्री संतोष सुमन ने दी नसीहत

अपने दल में झांकें, फिर दूसरों पर सवाल उठाएं

शुभम संदेश। पटना

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है. इसी बीच हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने बिना नाम लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आजकल अपराध पर बयान देकर मीडिया की सुर्खियां बटोरने का एक नया फ़ैशन चल पड़ा है. मगर जो लोग अपराधियों को ताम-झाम के साथ अपनी पार्टी में शामिल करते हैं और मंच से 'जिंदाबाद' व 'अमर रहे' के नारे लगवाते हैं, उन्हें पहले अपनी नैतिकता का आत्ममंथन करना चाहिए. संतोष सुमन ने साफ कहा कि बिहार संगठित अपराध और सत्ता संरक्षित अपराध की दुनिया से बहुत पहले बाहर निकल चुका है. उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि संगठित अपराध के मामले में बिहार देश में 19वें स्थान पर है और महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में भी यह राज्य राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे है. उन्होंने कहा कि अब वो दिन चले गए जब अपराधियों को थानों से छुड़ाने के लिए नेताओं के फोन चलते थे. आज पुलिस को हर आपराधिक घटना पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की पूरी छूट है. तेजस्वी यादव द्वारा पूर्व सांसद शहाबुद्दीन को लेकर 'अमर रहे' का नारा लगाने और चिराग पासवान द्वारा सिवान के खान ब्रदर्स को अपनी पार्टी में भव्य रूप से शामिल करने के प्रसंगों को निशाने पर लेते हुए सुमन ने कहा कि अब इन नेताओं को अपराध पर बयान देने से पहले खुद के आचरण और पार्टी के चरित्र की समीक्षा करनी चाहिए.

उन्होंने दो टूक कहा कि आजकल कुछ नेता महज़ मीडिया कवरेज के लिए बेतुके और आधारहीन बयान देते हैं, जिससे न केवल राजनीति की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगता है बल्कि जनता का विश्वास भी डगमगाने लगता है. उन्होंने चेताया कि जनता अब सब समझती है और बार-बार भ्रमित नहीं की जा सकती. संतोष सुमन ने राजनीतिक दलों को आड़े हाथों लेते हुए सवाल किया कि क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे अपराधियों को अपनी पार्टी से बाहर निकालें? अगर नहीं, तो फिर वे किस मुँह से अपराध पर प्रवचन देते हैं? उन्होंने कहा कि अपराधियों को टिकट देना और फिर मंच से अपराध के खिलाफ बोलना दोहरे चरित्र का परिचायक है, जिससे राजनीति की साख गिर रही है. अंत में, उन्होंने कहा कि जनता अब बहुत पारखी हो चुकी है. उसे मूर्ख समझने की भूल किसी भी नेता या दल को भारी पड़ सकती है. राजनीति की सबसे बड़ी पूंजी भरोसा है, और अगर वह एक बार टूट गया तो उसे दोबारा पाना मुश्किल होगा.

न्यूज अपडेट

राजद चाहता है कि मृत्यु लोक से लोग आकर वोट करें: मांझी

पटना। बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के संशोधन को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है. विपक्षी दल खासकर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को गरीब और कमजोर वर्ग के मताधिकार को छीनने की साजिश बताया है. उनका आरोप है कि मतदाता सूची से कई जरूरतमंदों के नाम हटाए जा रहे हैं, जिससे उनकी वोटिंग अधिकार प्रभावित होगा. वहीं केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता जीतन राम मांझी ने विपक्ष के आरोपों पर चुटकी लेते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस चाहती हैं कि मृत्यु लोक से मरे हुए लोग आकर वोट करें. उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के एसआईआर प्रक्रिया का विरोध असल में इस तरह के फर्जीवाड़े को बचाने के लिए है. चुनाव आयोग ने बताया है कि एसआईआर का पहला चरण 24 जून से 26 जुलाई तक संपन्न हो चुका है.

नरपतगंज में हुई ब्राह्मण फेडरेशन की बैठक

अररिया। नरपतगंज के प्राथमिक विद्यालय ब्राह्मण टोला फतेहपुर में ऑल बिहार ब्राह्मण फेडरेशन की बैठक रविवार को पंचायत के मुखिया कन्हैया कुमार झा एवं मनजीत कुमार मिश्रा के अध्यक्षता में हुई. बैठक में सामाजिक एवं राजनीतिक दशा एवं दिशा पर विशेष परिचर्चा किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद ऑल बिहार ब्राह्मण फेडरेशन के जिलाध्यक्ष सुबोध मोहन ठाकुर ने राजनीति में समाज के प्रतिनिधित्व में गिरावट पर चिंता प्रकट करते हुए चेतावनी दी. साथ ही उन्होंने कहा कि ब्राह्मण होने का अर्थ ब्राह्मण में विद्या हो, तप हो और ब्राह्मण कुल में जन्म हो. जिस ब्राह्मण में विद्या और तप नहीं है वह सिर्फ जाति से ब्राह्मण है. उन्होंने कहा कि ब्राह्मण को राजनीतिक शक्ति पर कमजोर किया जा रहा है.आजादी के बाद भारत की राजनीति में ब्राह्मणों की संख्या सबसे अधिक थी, लेकिन आज के दिनों में ब्राह्मणों की संख्या राजनीति में नगण्य हो गई है. फतेहपुर पंचायत के मुखिया कन्हैया कुमार झा ने कहा कि ब्राह्मण समाज के उत्थान को लेकर इस समाज को आगे आना चाहिए। वही मनजीत कुमार मिश्रा ने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आज ब्राह्मणों को एकजुट होने की जरूरत है. इस कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में बैठक में पहुंचना बेहतर प्रतीत हो रहा है. इस अवसर पर ऑल बिहार ब्राह्मण फेडरेशन के जिलाध्यक्ष ने फतेहपुर पंचायत के पंचायत अध्यक्ष के रूप में ध्रुव चंद्र झा की घोषणा की.

बच्चे के अपहरण मामले में अनीस गिरफ्तार

पटना। गर्दनीबाग थाना क्षेत्र में हुए दस वर्षीय बच्चे उद्यम उर्फ लल्लू के अपहरण का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है. उद्यम एक स्थानीय व्यवसायी सोनू कुमार सिंह का पुत्र है. पुलिस ने मुख्य आरोपी अनीस को गिरफ्तार कर लिया है, जो बच्चा के पड़ोसी बताया जा रहा है. आरोपी ने फिरौती के लिए पूरी साजिश रची थी. पुलिस ने अनीस के पास से अपहरण में इस्तेमाल की गई होंडा सिटी कार और फिरौती मांगने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है. घटना उस समय हुई जब बच्चा टॉफी लेने घर से निकला था. इसी दौरान अनीस और उसके साथियों ने सुनियोजित तरीके से बच्चे का अपहरण कर लिया. अपहरण के कुछ समय बाद ही आरोपियों ने उद्यम के पिता सोनू कुमार सिंह को फोन कर दस लाख रुपये की फिरौती की मांग की. पीड़ित ने तत्काल पुलिस को इस घटना की जानकारी दी. पुलिस ने तकनीकी सहयोग से फिरौती मांगने वाले मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस की, जो बिहटा के बिशनपुरा स्थित अनीस के गांव से मिली. पुलिस ने तुरंत कई इलाकों में छापेमारी शुरू की और आरोपियों के ठिकानों पर दबाव बनाया. इस बीच अपहरणकर्ता लगातार जगह बदलते रहे, लेकिन पुलिस की कार्रवाई के चलते देर रात करीब 12 बजे बच्चे को सुरक्षित बापू टावर के पास छोड़ दिया गया. इस सफलता से पुलिस ने अपहरण कांड का खुलासा कर आमजन में राहत की सांस दिलाई है.

'टीम तेज प्रताप' के बैनर तले महुआ विस सीट से चुनाव लड़ेंगे तेजप्रताप

संवाददाता । पटना

राजद से निष्कासित विधायक तेज प्रताप यादव ने चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक दांव खेला है. तेज प्रताप ने घोषणा की है कि वे महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे. इस सीट पर वर्तमान में राजद के मुकेश रौशन विधायक हैं, इसलिए तेज प्रताप के चुनाव में आने से राजद के लिए खासा तनाव पैदा हो गया है. तेज प्रताप ने कहा कि वे 'टीम तेज प्रताप' के बैनर तले महुआ से चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी कोई नई पार्टी नहीं बना रहे हैं, लेकिन उनकी इस घोषणा से राजनीतिक गलियारों में हलचल मची हुई है. तेज प्रताप ने अपना लुक भी बदला है; उन्होंने हरे रंग की टोपी और गमछे को छोड़कर पीले रंग की टोपी और गमछे को अपनाया है. यह बदलाव उनके राजनीतिक अंदाज में एक नई छवि का संकेत माना जा रहा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए तेज प्रताप ने कहा, "इस बार चाचा (नीतीश कुमार) सीएम नहीं बनेंगे." उन्होंने यह भी कहा कि जो भी सरकार युवा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों पर काम करेगी, वह उसका पूरा समर्थन करेंगे. साथ ही उन्होंने तेजस्वी यादव को भी टीम में शामिल होने का आमंत्रण दिया.

तेज प्रताप ने खुद को 'किंगमेकर' बताते हुए कहा कि उनकी टीम से कई उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने भोजपुर के मदन यादव को भी 'टीम तेज प्रताप' में शामिल करते हुए शाहपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार घोषित किया. इसके साथ ही उन्होंने महुआ दौरे के दौरान अपने वाहन से राजद का झंडा हटा कर पीले-हरे रंग की पट्टीदार झंडी लगाई, जो कि जन सुराज पार्टी से जुड़ी मानी जाती है. इससे यह कयास लगने लगे हैं कि तेज प्रताप किसी नई राजनीतिक विचारधारा या गठजोड़ की तैयारी कर रहे हैं.

पटना संग्रहालय में सीएम ने किया गंगा गैलरी का उद्घाटन, कहा

लोगों को नई और रोचक जानकारी मिलेगी

शुभम संदेश। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना संग्रहालय में नवनिर्मित गंगा गैलरी, पाटली गैलरी और प्रेक्षा गृह का उद्घाटन किया. इस अवसर पर उन्होंने नए भवन का निरीक्षण कर वहां लगाए गए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रदर्शों का अवलोकन किया. मुख्यमंत्री ने संग्रहालय परिसर के विस्तारीकरण और उन्नयन कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जा रहा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना संग्रहालय एक पुराना और ऐतिहासिक संग्रहालय है, जिसमें कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहरें संरक्षित हैं. इनकी बेहतर देखभाल और प्रदर्शन के उद्देश्य से संग्रहालय भवन का विस्तारीकरण किया गया है. उन्होंने यह भी बताया कि गंगा गैलरी, पाटली गैलरी और प्रेक्षा गृह दर्शकों को नई और रोचक जानकारियां प्रदान करेंगे तथा उन्हें बिहार के ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराएंगे. उद्घाटन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार संग्रहालय का भी दौरा किया और वहां के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया. उन्होंने संग्रहालयों के बीच बन रही टनल का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इस टनल का निर्माण कार्य जल्द और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए ताकि पर्यटक दोनों संग्रहालयों के बीच आसानी से आ-जा सकें.

उन्होंने कहा कि इस टनल से न केवल पैदल पर्यटकों बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों को भी आवाजाही की सुविधा मिलेगी. टनल के पास नेहरू पथ की ओर जाने वाले ऊपरी पुल का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने और दूसरी ओर एक पार्क विकसित करने के निर्देश भी दिए ताकि पर्यटक वहां ठहरकर विश्राम कर सकें.

कारोबार

भारतीय टैलेंट का है ग्लोबल दबदबा: संजीव

नयी दिल्ली। दुनिया की ग्लोबल कंसल्टिंग इंडस्ट्री का आकार 280 अरब डॉलर (करीब 24.2 लाख करोड़ रुपये) का है, जिसमें भारतीय पेशेवरों की बड़ी भूमिका है. इसके बावजूद भारत एक भी बड़ा 'मेक इन इंडिया' कंसल्टिंग ब्रांड खड़ा नहीं कर पाया है. यह विरोधाभास प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य और प्रख्यात अर्थशास्त्री संजीव सान्याल ने उजागर किया है. सान्याल का कहना है कि मैकिन्से, बीसीजी और बिग 4 जैसी वैश्विक कंपनियों में हजारों भारतीय रणनीति और संचालन में अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं.

मार्केट कैप में 2.22 लाख करोड़ की गिरावट

नयी दिल्ली। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में कमजोरी का सीधा असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पर देखने को मिला. बीएसई सेंसेक्स 294.64 अंक यानी 0.36% गिरा, जिसके चलते टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 6 के मार्केट कैप में कुल 2.22 लाख करोड़ की गिरावट आई. इस गिरावट में सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ. कंपनी का मार्केट कैप 1,14,687.7 करोड़ घटकर 18,83,855.52 करोड़ रह गया. यह टॉप-10 कंपनियों में सबसे बड़ी गिरावट है.

न्यूजीलैंड बना भारतीय इन्वेस्टर्स की पहली पसंद

नयी दिल्ली। कोविड के बाद की आर्थिक रिकवरी और वैश्विक टैलेंट को आकर्षित करने की रणनीति के तहत न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों और इन्वेस्टर्स के लिए अपने दरवाजे और अधिक खोल दिए हैं. अब भारतीय छात्र अमेरिका, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की बजाय न्यूजीलैंड को पढ़ाई, काम और बेहतर लाइफस्टाइल के लिए तरजीह दे रहे हैं. 23 जून 2025 को न्यूजीलैंड ने भारत को एलक्यूईए में शामिल कर लिया है. इससे अब आईआईटी, आईआईएम और सेंट्रल यूनिवर्सिटीज से डिग्रीधारकों को इंटरनेशनल क्वालिफिकेशन असेसमेंट की आवश्यकता नहीं होगी.

ब्रिटेन के साथ करार से भारत की व्यापार नीति को मिली रफ्तार

सेटा समझौता बना नया रणनीतिक हथियार

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत की मौजूदा व्यापार रणनीति वैश्विक मंच पर प्रभाव छोड़ रही है. ब्रिटेन के साथ 24 जुलाई को हुए कॉम्प्रिहेंसिव इकनॉमिक ट्रेड एग्रीमेंट (सेटा) ने भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और रणनीतिक सोच को स्पष्ट कर दिया है. यह समझौता सिर्फ एक 'विन-विन' सौदे का उदाहरण नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक व्यापार में बढ़ते कद की झलक है.

जानकार मानते हैं कि यह एक ट्रेलर है, पूरी 'पिक्चर' अभी बाकी है. सेटा के तहत 99% भारतीय निर्यात पर टैरिफ समाप्त किया जाएगा, जिससे हजारों नौकरियों के अवसर बनेंगे. वहीं, ब्रिटिश व्हिस्की और कारों पर शुल्क में कमी से भारतीय उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा. यह समझौता भारत की उस नई सोच का उदाहरण है, जो केवल व्यापार की मात्रा नहीं, बल्कि गुणवत्ता और संतुलन को प्राथमिकता देती है.

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यह समझौता दिखाता है कि भारत अब सिर्फ आंकड़ों पर नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है. भारत उन देशों के साथ समझौते कर रहा है जिनकी अर्थव्यवस्थाएं भारत के पूरक हैं, न कि प्रतियोगी. सेटा के बाद भारत कई अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताओं में जुटा है. अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता 'बहुत एडवांस' चरण में है और उम्मीद है कि सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पहले चरण पर हस्ताक्षर हो जाएंगे. हालांकि, कुछ विवादित मुद्दे जैसे कृषि, डेयरी और जीएम फसलें भारत की 'लक्ष्मण रेखा' बने हुए हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं होगा. यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापार वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है. व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की हालिया बैठक ने दोनों पक्षों के बीच सहयोग को मजबूत किया है. हालांकि, एसपीएस जैसे नियमों को लेकर अभी भी मतभेद हैं.

ओमान के साथ एफटीए लगभग अंतिम दौर में है, जिससे खाड़ी क्षेत्र में भारत की पहुंच और मजबूत होगी. इसके अलावा चिली, पेरू और न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ भी भारत एफटीए वार्ताओं में जुटा है. यह भारत की रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह अपने व्यापारिक जोखिमों को विभाजित कर सके. भारत अब जल्दबाजी में कोई भी समझौता करने के बजाय 'सही समय, सही समझौता' की नीति अपना रहा है. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए वह कई मोर्चों पर एक साथ काम कर रहा है. कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए, भारत घरेलू उद्योग और किसानों के हितों को सर्वोपरि रख रहा है.

यूरोपीय संघ द्वारा प्रस्तावित कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट टैक्स (सीबीएएम) जैसे मुद्दों पर भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा. यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक व्यापार नियमों में केवल पालन करने वाला नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार बनना चाहता है. भारत की नई व्यापार नीति सिर्फ समझौतों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और संतुलन पर आधारित है. सेटा से शुरू हुई यह कहानी आने वाले महीनों में और मजबूत होती नजर आएगी, जब भारत अन्य बड़े देशों के साथ भी प्रभावी और संतुलित व्यापार समझौते करेगा.

दिव्या बनीं 18.8 अरब डॉलर की कंपनी की सीईओ

नयी दिल्ली। अमेरिका की हेल्थकेयर दिग्गज यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप की सब्सिडियरी ऑप्टम इनसाइट एंड फार्नेसियल की सीईओ बनकर दिव्या सूर्यदेवरा ने एक नई मिसाल कायम की है. 42 वर्षीय दिव्या तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई की रहने वाली हैं और बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं. उनके पिता का साया बचपन में ही उठ गया था, लेकिन उनकी मां—जो सिंडिकेट बैंक में कार्यरत थीं—ने नौकरी के साथ-साथ तीन बच्चों की परवरिश की. दिव्या ने मद्रास यूनिवर्सिटी से बिजनेस, फाइनेंस और इकनॉमिक्स में डिग्री ली और फिर सीए व सीएफए की पढ़ाई पूरी की. 22 साल की उम्र में उन्होंने अमेरिका का रुख किया और प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए किया. अपने करियर की शुरुआत उन्होंने पीडब्ल्यूसी से की, फिर वर्ल्ड बैंक में इंटर्नशिप की. इसके बाद वे यूबीएस इन्वेस्टमेंट बैंक में एसोसिएट डायरेक्टर बनीं. 2005 में उन्होंने अमेरिका की प्रमुख ऑटो कंपनी जनरल मोटर्स जॉइन की, जहां उनका कार्यकाल सबसे लंबा रहा. दिव्या आज 18.8 अरब डॉलर की कंपनी चला रही हैं, और उनका सफर लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है. उनकी मेहनत, समर्पण और लगन यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की जा सकती है.

ईडी की छापेमारी खत्म : रिलायंस पावर ने दी सफाई

नयी दिल्ली। अनिल अंबानी समूह की दो प्रमुख कंपनियों, रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, पर प्रवर्तन निदेशालय की देशभर में चली छापेमारी अब समाप्त हो चुकी है. यह कार्रवाई 24,000 करोड़ रुपये से अधिक के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई थी. रविवार को दोनों कंपनियों ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि सभी स्थानों पर छापेमारी खत्म हो गई है और वे जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग कर रही हैं. बयान में स्पष्ट किया गया कि इस कार्रवाई का कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, निवेशकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई असर नहीं पड़ा है. छापेमारी की शुरुआत गुरुवार को हुई थी और यह यस बैंक, केनरा बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा से मिले लोन और रिलायंस म्यूचुअल फंड द्वारा यस बैंक के बॉन्ड्स में किए गए निवेश से संबंधित थी. ईडी को संदेह है कि इन लेन-देन में रिश्वत और फंड डायवर्जन जैसी गड़बड़ियां हुई हैं. यह कार्रवाई देश के 35 से ज्यादा ठिकानों, 50 से अधिक कंपनियों और 25 से अधिक व्यक्तियों पर की गई, हालांकि अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास पर कोई छापेमारी नहीं हुई. रिलायंस पावर और इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने बयान में यह भी साफ किया कि जांच जिन लेन-देन को लेकर हो रही है, वे आरकॉम और आरएचएफएल से जुड़े हैं, जिनका उनकी मौजूदा गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है. साथ ही यह भी दोहराया गया कि अनिल अंबानी अब किसी भी एडीएजी कंपनी के बोर्ड में नहीं हैं.

कुटनीति | तेल आयात पर पश्चिमी देशों की आलोचनाओं पर बोले दोरईस्वामी

भारत किसी की कठपुतली नहीं है

एजेंसी। नयी दिल्ली

रूसी तेल आयात को लेकर पश्चिमी देशों की आलोचनाओं का भारत ने अब खुलकर और मुखर होकर जवाब देना शुरू कर दिया है. ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने स्पष्ट किया कि भारत किसी की कठपुतली नहीं है और अपनी विदेश नीति को स्वतंत्र रूप से संचालित करता रहेगा. दोरईस्वामी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और अपनी जरूरत का 80% से अधिक तेल आयात करता है. उन्होंने सवाल उठाया, "क्या आप चाहते हैं कि हम अपनी अर्थव्यवस्था को बंद कर दें, सिर्फ इसलिए कि भू-राजनीतिक परिस्थितियां जटिल हो गई हैं? उन्होंने यह भी कहा कि भारत को पारंपरिक ऊर्जा बाजारों से काफी हद तक बाहर कर दिया गया है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण कीमतें बढ़ गई हैं. दोरईस्वामी ने पश्चिमी देशों की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे खुद भी उन्हीं देशों से व्यापार करते हैं, जिनसे भारत को रोकने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा, यूरोप खुद रूस से रेयर अर्थ और ऊर्जा उत्पाद खरीदता है. वहीं, यूरोप के कई देश भारत से रिफाइंड तेल खरीदते हैं, जो रूस से कच्चा तेल लेकर तैयार किया गया है. क्या यह विरोधाभास नहीं है?

यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों में भारत की वाडिनार रिफाइनरी का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें रूस की रोसनेफ्ट कंपनी की हिस्सेदारी है. इन प्रतिबंधों का उद्देश्य रूस की ऊर्जा आय को सीमित करना है. लेकिन भारत इसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा मानता है. रूस के साथ भारत के संबंधों पर दोरईस्वामी ने कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी दशकों पुरानी है. उन्होंने स्पष्ट किया, हमारे रक्षा संबंध उस दौर से हैं जब कुछ पश्चिमी साझेदार हमें हथियार देने से इनकार करते थे, लेकिन हमारे पड़ोसियों को वही हथियार देते थे.

उन्होंने यह भी साफ किया कि 'रूस-भारत-चीन' नाम का कोई समझौता अस्तित्व में नहीं है. केवल एक त्रिपक्षीय संवाद मंच (आरआईसी) था, जो लंबे समय से निष्क्रिय है. दोरईस्वामी के बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का प्रमाण हैं. उन्होंने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत किसी वैश्विक गुट के दबाव में आकर अपने निर्णय नहीं लेगा. भारत की प्राथमिकता उसकी ऊर्जा सुरक्षा, सैन्य आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास है, और इस पर कोई समझौता नहीं होगा.

रियल एस्टेट: गुरुग्राम और नोएडा में कीमतों में जोरदार उछाल

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर एक बार फिर से रियल एस्टेट निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है. बीते एक साल में यहां प्रॉपर्टी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है. खासतौर पर गुरुग्राम और नोएडा में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है, जहां कीमतों के साथ-साथ बुकिंग और डिमांड में भी इजाफा हुआ है. अंतरराष्ट्रीय रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम में मिड-सेगमेंट हाउसिंग मार्केट ने सबसे तेज ग्रोथ दर्ज की है. बीते 12 महीनों में इस श्रेणी की प्रॉपर्टी की कीमतों में औसतन 13% की बढ़ोतरी हुई है. वहीं, लग्जरी सेगमेंट में भी 12% की बढ़त देखी गई है. यह संकेत करता है कि गुरुग्राम अब केवल कॉर्पोरेट हब नहीं, बल्कि एक मजबूत रेजिडेंशियल डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है. दूसरी ओर, नोएडा में भी प्रॉपर्टी बाजार में तेजी आई है.

खुलेगा 14 कंपनियों का आईपीओ, निवेशक तैयार

नयी दिल्ली। बीते दो कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली, जिससे निवेशकों को बड़ा झटका लगा है. महज दो दिनों में ही निवेशकों की संपत्ति में 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई. लेकिन निवेशकों के लिए राहत की खबर यह है कि आने वाला हफ्ता आईपीओ की बहार लेकर आ रहा है, जो बाजार में नई ऊर्जा का संचार कर सकता है. नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 30 जुलाई को खुलेगा और 1 अगस्त को बंद होगा. यह पूरी तरह ऑफर-फॉर-सेल है, जिसमें 5.01 करोड़ शेयरों के जरिए कुल 4,011.60 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है. इसका प्राइस बैंड 760-800 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. एंकर इनवेस्टर्स के लिए बिडिंग 29 जुलाई को होगी. आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस इश्यू का लीड मैनेजर है. लक्ष्मी इंडिया फाइनेंस का आईपीओ 29 जुलाई को खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा. कंपनी 254.26 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है. इसमें 165.17 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 89.09 करोड़ का ओएफएस शामिल है. प्राइस बैंड 150-158 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है और लिस्टिंग 5 अगस्त को संभावित है. वहीं, आदित्य इन्फोटेक भी 29 जुलाई से 31 जुलाई तक आईपीओ पेश करेगी. कंपनी का लक्ष्य 1,300 करोड़ रुपये जुटाना है, जिसमें 500 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 800 करोड़ का ओएफएल शामिल है. इसका प्राइस बैंड 640-675 रुपये रखा गया हैर में स्थिरता और उत्साह लौट सकता है.

न्यूज़ अपडेट

गाजा में तीन क्षेत्रों में रोज़ाना अब दस घंटे युद्धविराम की घोषणा की गई है

तेलअवीव। गाजा में तेज़ी से बिगड़ती मानवीय स्थिति और बढ़ती भुखमरी के बीच इजरायल ने युद्धग्रस्त पट्टी के तीन क्षेत्रों में रोज़ाना 10 घंटे के लिए लड़ाई रोकने का फैसला किया है. इजरायली सेना ने रविवार को एक बयान में कहा कि वह मुवासी, दीर अल-बलाह और गाजा सिटी में हर दिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सैन्य अभियान रोक देगी. यह निर्णय अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा. सेना ने बताया कि इस दौरान सहायता एजेंसियों को भोजन और अन्य जरूरी आपूर्ति गाजा के लोगों तक पहुंचाने के लिए ₹सुरक्षित मार्ग₹ भी उपलब्ध कराए जाएंगे. इजरायली सेना का कहना है कि यह कदम क्षेत्र में बिगड़ती मानवीय स्थिति को देखते हुए उठाया गया है.

रूस ने शुरू किया नौसैनिक युद्धाभ्यास 15,000 सैनिकों की तैनाती की गई

मॉस्को। रूस ने अपनी नौसैनिक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए 'जुलाई स्टॉर्म' नामक एक विशाल सैन्य अभ्यास शुरू किया है, जो 23 जुलाई से 27 जुलाई तक चलेगा. यह युद्धाभ्यास प्रशांत और आर्कटिक महासागर से लेकर बाल्टिक और कैस्पियन सागर तक फैला हुआ है. रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस अभ्यास में 150 से अधिक युद्धपोत, 15,000 से ज्यादा सैनिक, 120 विमान, 10 तटीय मिसाइल सिस्टम और करीब 950 सैन्य व विशेष उपकरणों को शामिल किया गया है. इस अभ्यास का उद्देश्य नौसेना की एडवांस क्षमताओं को परखना है, जिसमें अपरंपरागत अभियानों, लंबी दूरी की सटीक निर्देशित मिसाइलों और मानवरहित प्रणालियों का परीक्षण किया जा रहा है. रूसी नौसेना ने इस दौरान दुश्मन के ठिकानों और नौसैनिक समूहों पर अकेले और समन्वित हमलों का भी अभ्यास किया है.

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कोयला खदान में तीन मजदूरों की हुई मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के औरकजई जिले की एक कोयला खदान में शनिवार को ऑक्सीजन की भारी कमी के कारण तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई. मृतकों की पहचान रहीमुल्लाह, असलम खान और शेर रहमान के रूप में हुई है, जो सभी शांगला जिले के निवासी थे. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खदान में ऑक्सीजन की उपलब्धता बेहद कम थी, जिससे खनिकों का दम घुट गया. प्रशासन की ओर से सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जा रही है. एक खनन विशेषज्ञ ने बताया कि यह हादसा देशभर में कोयला खदानों की खराब सुरक्षा व्यवस्थाओं को उजागर करता है.

इजरायल ने हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर इस्माइल को मार गिराया

तेलअवीव। इजरायीली रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई में हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर अली अब्द अल-कादर इस्माइल को मार गिराया है. यह कार्रवाई दक्षिणी लेबनान के बिंट जेबिल सेक्टर में की गई. आईडीएफ के मुताबिक, इस्माइल आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला के पुनर्गठन और दक्षिणी लेबनान में उसके सैन्य ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में सक्रिय रूप से शामिल था. आईडीएफ का कहना है कि यह कार्रवाई हिजबुल्ला की गतिविधियों को कमजोर करने और इस्राइली सीमा की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई थी. इस्माइल की मौत को हिजबुल्ला के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है.

नेपाल में ड्रग तस्करी पर हुई बड़ी कार्रवाई: 5 भारतीय हुए गिरफ्तार

नेपाल। नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पिछले 24 घंटों में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में पांच भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई के दौरान एक तस्कर को पुलिस की गोली लगने की भी खबर है. एनसीबी के प्रवक्ता जनक बहादुर शाही के अनुसार, गिरफ्तारियां नेपाल के विभिन्न जिलों से की गई हैं. पहली घटना झापा जिले के भद्रपुर में हुई, जहां बिहार के किशनगंज निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद इस्लाम को 110 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा गया. गिरफ्तारी के दौरान इस्लाम पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था, जिस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जो उसके बाएं पैर में लगी. उसे भद्रपुर के प्रांतीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

इजरायल की गाजा में भुखमरी की नीति 'नरसंहार' के समान: गरामेंडी

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य जॉन गरामेंडी ने गाजा में मानवीय सहायता न पहुंचाने की इजराइली नीति को 'नरसंहार' की श्रेणी में बताया है. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मंशा से गाजा के नागरिकों को जानबूझकर भूख और पीड़ा का सामना करना पड़ रहा है. कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट सांसद गरामेंडी ने एक बयान में कहा, इजराइल के पास फिलिस्तीनियों तक पर्याप्त भोजन पहुंचाने की क्षमता और संसाधन हैं. इसके बावजूद वे ऐसा नहीं कर रहे, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है. यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू का जानबूझकर लिया गया फैसला है कि गाजा को खाना न दिया जाए. उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कुछ प्रगतिशील डेमोक्रेट सांसदों ने इजराइल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया है.

थाईलैंड के महाराज की दीर्घायु के लिए कुशीनगर में हुआ विशेष अनुष्ठान

कुशीनगर ईलैंड के महाराजा वजिरालोंगकान फ्रा वजिराक्लाओचॉयहुआ के दीर्घायु व निरोग जीवन के लिए 203 थाई बौद्ध भिक्षुओं ने कुशीनगर में विशेष अनुष्ठान किया. 28 जुलाई को थाई महाराजा 73 वर्ष के हो जायेंगे. पुरातात्विक महत्व के महापरिनिर्वाण मंदिर व थाई वाट में हुई विशेष पूजा के दौरान बौद्ध भिक्षुओं ने थाई महाराजा के दीर्घायु के साथ साथ संपूर्ण मानवता की खुशहाली की प्रार्थना की. रविवार को दल बोधगया के लिए रवाना हो गया. प्रमुख धर्म गुरु भिक्षु फ्रा विदेसवचराजान की अगुवाई में बुद्ध की शयनमुद्रा वाली प्रतिमा पर चीवर अर्पित किया और बुद्ध के शवदाह स्थल मुक्तबंधन चैत्य व थाई वाट के उपोसथ हाल में विशेष पूजा की. बौद्ध भिक्षुओं के दल ने 18 जुलाई को बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति स्थल बोधगया में विशेष पूजा की तत्पश्चात बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी (नेपाल) व प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ में विशेष पूजा कर महाराजा की दीर्घायु की कामना की. अनुष्ठान के पश्चात दल रविवार को बोधगया के लिए रवाना हो गया. दल में 148 थाई बौद्ध भिक्षु व भिक्षुणी और 55 उपासक, उपासिकाएं व थाई स्टाफ दल शामिल है. 30 जुलाई को दल बोधगया से स्वदेश लौट जायेगा. विशेष पूजा में भंते अशोक, पर्यटक सूचना अधिकारी डा. प्राण रंजन, पी आर ओ अंबिकेश त्रिपाठी, थाई टूर कोऑर्डिनेटर जिंताना सिरिसोम माई, भारतीय टूर कोऑर्डिनेटर संतोष चौबे, सहायक अभिषेक गोंड आदि भी शामिल हुए.

शक्ति विवि के दीक्षांत समारोह में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते

एजेंसी। नयी दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि मौजूदा दौर में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि विभिन्न रणनीतियों से जीते जाते हैं. ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के पीछे विभिन्न एजेंसियों की भूमिका के बारे में उन्होंने कहा कि इस दौरान रसद प्रबंधन करके हमारी सेनाओं को जुटाने से लेकर उनके प्रशिक्षण के साजो-सामान को समय और स्थान पर सलाह दी गई. रसद प्रबंधन को केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि इसे एक रणनीतिक महत्व के रूप में देखा जाना चाहिए. चाहे हम सीमा पर लड़ रहे सैनिकों की बात करें या आपदा प्रबंधन में जुटे कर्मियों की, अगर आपसी तालमेल नहीं होगा, अगर संसाधन का सही इस्तेमाल नहीं होगा, तो मजबूत से मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाएंगे.

रक्षा मंत्री वडोदरा (गुजरात) में गति शक्ति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे. रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में अभूतपूर्व बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है. इस बदलाव की बुनियाद में एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार और मिशन-मोड परियोजनाएं चल रही हैं. इसका प्रभाव केवल भौतिक कनेक्टिविटी तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है, लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है और सेवा वितरण भी बेहतर हुआ है. पिछले 11 वर्षों में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र में एक युगांतकारी परिवर्तन देखा है. पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत रेलवे, सड़क, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे विकास के सात शक्तिशाली स्तंभ समूह भारत की अर्थव्यवस्था को एक मजबूत नींव दे रहे हैं.

उन्होंने यह गति शक्ति विश्वविद्यालय के बारे में कहा कि यह सिर्फ एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि यह अपने आप में एक विचार है, एक गति है, एक मिशन है. यह भारत को तेज, संगठित और समन्वित रूप से आगे बढ़ाने की राष्ट्रीय आकांक्षा को मूर्त रूप दे रहा है. यह विश्वविद्यालय अपने नाम की तरह ही 'गति' और 'शक्ति' दोनों का सजीव उदाहरण है. आज देश में यदि कोई उत्पाद उत्तर पूर्व में तैयार होता है और वह समय पर दिल्ली या मुंबई के बाजार तक पहुंचता है, तो यह रसद प्रणाली की दक्षता का ही प्रमाण है. यह संस्थान शुद्ध रूप से व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देता है.

यहां केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान सिखाए जाते हैं. यही विशेषता इसे देश के अन्य विश्वविद्यालयों से अलग बनाती है. रक्षा मंत्री ने दीक्षांत समारोह में शामिल छात्रों से कहा कि यह केवल आपके डिग्री लेने का क्षण नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प लेने का भी क्षण है कि आप देश को अधिक सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने की इस यात्रा में अपनी भूमिका निभाएंगे. गति शक्ति विश्वविद्यालय से निकलने वाले आप सभी विद्यार्थी देश की रीढ़ को मजबूत करेंगे. आप अपनी गति से देश को शक्ति प्रदान करेंगे ऐसी मेरी कामना है. यहां से निकलने वाले छात्र अपने ज्ञान को केवल नौकरी की सीमा में मत बांधें. आप समस्या समाधानकर्ता बनिए. भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है, उसके लिए हमें स्मार्ट लॉजिस्टिक सिस्टम की भी जरूरत है.

रूस-यूक्रेन में रातभर हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के बीच रात भर हवाई हमलों में दोनों तरफ से कुल चार लोगों की जान चली गई. यूक्रेन के दक्षिणी नीपर और उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्रों पर रूसी रॉकेट और ड्रोन हमलों की बारिश हुई, जिसमें दो नागरिक मारे गए और कई घायल हुए. नीपर क्षेत्र के प्रशासन प्रमुख सेरही लिसाक ने बताया कि इस हमले में दो लोग मृत हुए और पांच अन्य घायल हुए हैं. वहीं, रूस के रोस्तोव क्षेत्र पर यूक्रेनी ड्रोन हमलों का सिलसिला जारी रहा. क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने कहा कि यूक्रेन की सीमा के पास इस क्षेत्र में हुए ड्रोन हमलों में दो नागरिकों की मौत हुई. ये हमले रूस और यूक्रेन के बीच तनाव को और बढ़ाते दिख रहे हैं. दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ रॉकेट और ड्रोन हमलों को अंजाम दिया, जिससे स्थानीय निवासियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. इस हिंसा के चलते नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ संपत्तियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है. अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए प्रयासरत है, लेकिन अभी तक दोनों देशों के बीच कोई स्थायी समझौता नहीं हो पाया है. यह घटना रूस-यूक्रेन संघर्ष की बढ़ती तीव्रता और मानवीय संकट की गहराई को दर्शाती है. स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां हालात पर काबू पाने के लिए तत्पर हैं, लेकिन संघर्ष के बीच आम लोगों की जान-माल का नुकसान जारी है.

प्रधानमंत्री ने आदि तिरुवथिरई जयंती उत्सव में लिया हिस्सा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिरई महोत्सव के दौरान महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के जयंती उत्सव में भाग लिया. इस अवसर पर उन्होंने सम्राट के सम्मान में एक स्मारक सिक्का जारी किया. प्रधानमंत्री मोदी ने आज गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान वे एक 'कलश' (धातु का बर्तन) लेकर आए, जिसमें गंगा का जल भरा हुआ था. यह जल धार्मिक दृष्टि से पवित्र माना जाता है. उनके आगमन पर मंदिर के पुजारी ने पारंपरिक सम्मान के साथ उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि भारत देश की विविधता और संस्कृति हमारे साम्राज्य और धरोहर का प्रतीक है. चोल साम्राज्य की विरासत हमें यह सिखाती है कि एकता में कितनी शक्ति होती है. इस ऐतिहासिक मंदिर में पूजा करना उनके लिए अत्यंत सम्मान की बात है. उन्होंने कहा, यहां, मैं केवल अपनी व्यक्तिगत प्रार्थना नहीं कर रहा हूँ, बल्कि मैंने देश के 140 करोड़ लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना की है. मैं भगवान शिव से आशीर्वाद मांगता हूं कि वे सभी को आशीर्वाद प्रदान करें. चोल साम्राज्य के इतिहास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राजेंद्र चोल प्रथम ने न केवल दक्षिण भारत में बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया में भी अपने साम्राज्य का विस्तार किया. उनकी विजयी सेनाएँ श्रीलंका, मालदीव और अन्य देशों तक पहुंचीं. यह संयोग है कि वे कल ही मालदीव से लौटे हैं और आज इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं. उन्होंने कहा कि चोल राजाओं ने हमेशा सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का कार्य किया. प्रधानमंत्री मोदी ने चोल साम्राज्य के योगदान को याद करते हुए कहा कि राजेंद्र चोल ने गंगा जल को उत्तर से दक्षिण में लाकर पूजन किया. आज उसे पोन्नेरी झील के रूप में जाना जाता है. यह जल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि आज केन्द्र सरकार उसी चोला युग की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है. काशी-तमिल संगमम् और सौराष्ट्र-तमिल संगमम् जैसे आयोजनों के माध्यम से हम एकता के पुराने सूत्रों को मजबूत कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर की भव्यता और इसका ऐतिहासिक महत्व हमें यह याद दिलाता है कि हम किस प्रकार की सांस्कृतिक धरोहर के वारिस हैं.

हेलेम पुलिस की जांच में कार से 67 लाख नकदी बरामद

बिश्वनाथ। असम के बिश्वनाथ जिले के हेलेम थाना क्षेत्र में रविवार सुबह चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने 67 लाख 69 हजार 100 रुपये की बड़ी रकम बरामद की है. यह कार्रवाई हेलेम थाना प्रभारी अधिकारी पंकज चितला और उप निरीक्षक मोहिबुर रहमान के नेतृत्व में की गई. पुलिस के अनुसार, सुबह लगभग 9:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-15 के बुरैघाट इलाके में वाहनों की जांच के दौरान पुलिस टीम ने इटानगर से गुवाहाटी को जा रही कार (एआर 01 के 8909) को रोका. तलाशी के दौरान कार में रखे एक बैग से कुल 67,69,100 नकद बरामद हुए. वाहन सवार दो व्यक्तियों से जब पुलिस ने नकदी की वैधता से जुड़े दस्तावेज मांगे, तो वे कोई भी उपयुक्त प्रमाण नहीं दें सके.

उद्धव से मिले राज ठाकरे

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से रविवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने मातोश्री बंगले पर मुलाकात की और उद्धव ठाकरे को उनके जन्मदिन पर शुभकामना दी. दोनों भाइयों की इस मुलाकात को महाराष्ट्र की आगामी राजनीति के लिए बेहद अहम माना जा रहा है.

एकनाथ खडसे के दामाद सहित छह लोग हुए गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के खरडी इलाके में चल रही रेव पार्टी पर पुलिस ने छापा मारकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट (राकांपा-एसपी) के नेता एकनाथ खडसे के दामाद सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए लोगों में 2 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं. पुणे पुलिस की क्राइम ब्रांच द्वारा की गई छापेमारी में मौके पर ड्रग्स, हुक्का और शराब जब्त की गई है. पुणे पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों की चिकित्सीय परीक्षण कर आगे की कार्रवाई कर रही है. पुलिस के अनुसार पुणे खरडी इलाके में स्थित एक बिल्डिंग के बंद कमरे में शनिवार को देर रात से रेव पार्टी चल रही थी. इसकी सूचना मिलते ही पुणे क्राइम ब्रांच की पुलिस ने रविवार को तड़के बंद फ्लैट में छापा और वहां से राकांपा एसपी के नेता एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर सहित छह लोग रेव पार्टी में व्यस्त थे . पुलिस इन सभी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

समझौता पाकिस्तान की गिड्स और तुर्की की एमकेई ने समझौते ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

हवाई हथियार प्रणालियों में बढ़ाएंगे सहयोग

एजेंसी। इस्तांबुल

पाकिस्तान और तुर्की के बीच गहराते सामरिक संबंधों को और मजबूत करते हुए, दोनों देशों की प्रमुख रक्षा कंपनियों—पाकिस्तान की गिड्स और तुर्की की एमकेई ने महत्वपूर्ण समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. यह समझौता 24 जुलाई को इस्तांबुल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रक्षा उद्योग मेले के दौरान संपन्न हुआ. इस समझौते का मुख्य उद्देश्य हवाई हथियार प्रणालियों में सहयोग को बढ़ाना है, जिसमें तुर्की द्वारा विकसित सटीक निर्देशित बम, हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां और रॉकेट तकनीक शामिल हैं. यह एमओयू पाकिस्तान की वायुसेना की बढ़ती आवश्यकताओं और आत्मनिर्भरता के प्रयासों को समर्थन देने के लिहाज से अहम माना जा रहा है. आईडीईएफ के दौरान हुए इस समझौते को दोनों देशों के रक्षा अधिकारियों ने रणनीतिक साझेदारी करार दिया. उन्होंने इसे एक ऐसा कदम बताया जो दोनों देशों की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने के साझा उद्देश्यों के अनुरूप है.

गौरतलब है कि बीते मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़प के दौरान पाकिस्तान ने तुर्की के ड्रोन और स्मार्ट हथियारों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया था. इसी पृष्ठभूमि में यह समझौता भविष्य में तकनीकी हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, और नवाचार के नए द्वार खोलने वाला माना जा रहा है. पाकिस्तानी वायुसेना वर्तमान में कई प्रकार के प्लेटफॉर्म संचालित करती है, जिनमें एफ-16, जेएफ-17 और तुर्की के उन्नत ड्रोन सिस्टम शामिल हैं. ये सभी प्लेटफॉर्म नाटो-मानक एमके सीरीज जैसे हथियारों के अनुकूल हैं, जो तुर्की की एमकेई कंपनी द्वारा निर्मित किए जाते हैं.

एमकेई तुर्की की सरकारी रक्षा कंपनी है जो मुख्य रूप से तुर्की सशस्त्र बलों के लिए हथियार बनाती है, और वर्तमान में यह 40 से अधिक देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात करती है. 2024 में एमकेई ने 63.9 करोड़ डॉलर का निर्यात किया और इसे शीर्ष 100 वैश्विक रक्षा कंपनियों में शामिल किया गया. इस समझौते के तहत, जीआईडीएस और एमकेई संयुक्त उद्यम, तकनीकी सहयोग और एडवांस हवाई हथियारों के सह-विकास की संभावनाओं पर काम करेंगे. इससे पाकिस्तान को न केवल आधुनिक हथियार प्रणालियों तक पहुंच मिलेगी, बल्कि स्थानीय गोला-बारूद निर्माण क्षमता भी सुदृढ़ होगी. रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह साझेदारी पाकिस्तान को रक्षा क्षेत्र में नवाचार और निर्यात के नए रास्ते उपलब्ध कराएगी. इससे पाकिस्तान के हथियार निर्माण क्षेत्र में स्थानीयकरण को बढ़ावा मिलेगा और रक्षा क्षेत्र में रोजगार तथा तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर भी खुलेंगे. तुर्की और पाकिस्तान के बीच यह नया रक्षा समझौता सिर्फ एक द्विपक्षीय सहयोग नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में सामरिक आत्मनिर्भरता और रक्षा औद्योगिकीकरण की दिशा में एक अहम कदम है.

बीजापुर में मारे गए 17 लाख के इनामी समेत चार नक्सलियों की हुई शिनाख्त

एजेंसियां। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना अंतर्गत दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार शाम को नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में मारे गए 17 लाख रूपये के इनामी चार नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है. इनमें दो महिला नक्सली भी शामिल थीं. मारे गये इन नक्सलियों की पहचान पांच लाख के इनामी हुंगा एसीएम, प्लाटून नम्बर 10 दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, पांच लाख के इनामी लक्खे एसीएम, प्लाटून नम्बर 30, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, पांच लाख के इनामी भीमे एसीएम, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, दो लाख के इनामी निहाल ऊर्फ राहुल, पार्टी सदस्य (संतोष, ब्यूरो कम्युनिकेशन टीम हेड का गार्ड) दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के रूप में हुई है. बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में नक्सली कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया था.

इस अभियान के दौरान 26 जुलाई की शाम को पुलिस बल और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही. मुठभेड़ के पश्चात मुठभेड़ स्थल की तलाशी में 17 लाख के इनामी 4 नक्सलियों के शव सहित 1 नग एसएलआर, 3 मैग्जीन 15 जिंदा राउण्ड, 1 नग इंसास, 3 मैग्जीन 40 जिंदा राउण्ड, 1 नग .303 रायफल 1 मैग्जीन, 16 जिंदा राउण्ड, 1 नग बीजीएल लांचर (सुरखा) 3 नग सेल, 1 नग सिंगल शॉट 315 बोर रायफल, 1 नग 12 बोर बंदूक, 12 नग जिंदा सेल, एके 47 के 08 जिंदा राउण्ड सहित बीजीएल सेल छोटा 3 नग, ग्रेनेड 1 नग, नक्सल सामग्री व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गयी है 1 मृत सभी 4 नक्सलियों की शिनाख्त कर ली गई है. बस्तर आईजी सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में मिली निर्णायक बढ़त को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग में प्रतिबंधित नक्सली संगठन के विरुद्ध सुरक्षा बलों के सघन और निरंतर अभियान संचालित किए जा रहे हैं.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.